ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

40 प्रतिशत कमीशन के आरोपों की जांच के लिए एसआईटी गठित @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 13 अप्रैल, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु. । वर्ष-7 । अंक-101

बांग्लादेश के बाद भारत को जहन्नुम बना रहा जेहादवादी इस्लामवाद

जहरीला और राक्षसी इस्लामवाद और जेहादवाद भारत और बांग्लादेश में जहन्नुम की तरह फैल रहा है, जिससे इस क्षेत्र और दुनिया के लिए गंभीर सुरक्षा खतरा पैदा हो गया है। राहुल गांधी या ममता बनर्जी जैसी नेता भारत के दुश्मन की तरह काम कर रहे हैं। वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ ममता बनर्जी ने जिस तरह मुसलमानों को भड़का कर पश्चिम बंगाल में आग लगाई है, उसने बंगाल को बांग्लादेश की तरह हिंसा की आग में झोंकने का काम किया है। जब देश में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) आया था, तब भी ऐसा ही नारकीय दृश्य पैदा किया गया था। खुफिया एजेंसियों ने गृह मंत्रालय को सतर्क किया है कि वक्फ विरोध के बहाने भारत को अस्थिर करने का एक बड़ा षडयंत्र रचा जा रहा है।

खुफिया एजेंसियों ने इस्लामिक जेहादवाद की कई घटनाओं को लेकर विस्तार से छानबीन की है। इसमें पश्चिम बंगाल केंद्र में है। इसके अलावा बिहार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक और केरल के कई जिलों में की गई व्यापक पड़ताल का हवाला दिया गया है। मार्च 2025 में रमजान और ईद के त्यौहार पर कई ऐसी घटनाएं हुईं, जिसने खुफिया एजेंसियों को चौंकाया। भारत विरोधी, इजराइल विरोधी, अमेरिका विरोधी प्रदर्शन खुलेआम हो रहे हैं। उन्हें रोकने वाला कोई नहीं। यहां तक कि भाजपा शासित मध्य प्रदेश में भी, मुसलमानों ने फिलिस्तीन के समर्थन में पोस्टर लहराए, जिन पर नारे लिखे थे, मैं फिलिस्तीन के साथ खड़ा हूं, अल-अक्सा की रक्षा करो, फिलिस्तीन की रक्षा करो, और अल-अक्सा हमारा गौरव है। कुछ नारे और भी अधिक घृणित थे, जिनमें इजराइल, नेतन्याहू और ट्रंप की मौत का आह्वान किया गया था। ऐसे जेहादी जुलूस केरल और कर्नाटक में तो आम हैं। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी भारत में रहती है। भारत में मुसलमानों की आबादी 210 मिलियन से ज्यादा है। धीरे-धीरे, बाहरी तत्वों ने इस आबादी को कट्टरपंथी बनाने और भारत विरोधी बनाने काफी सफलता हासिल की है। निश्चित रूप से, भारतीय मुसलमानों का बड़ा हिस्सा हमेशा पाकिस्तान के साथ सहानुभूति रखता रहा है, लेकिन अब यह खतरनाक तरीके से तीव्र होता जा रहा है।

बांग्लादेश में इस्लामवादियों और जेहादियों की गतिविधियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। वहां कई विदेशी ब्रांड जैसे बाटा, कोक, केएफसी, पिज्जा हट और अन्य पर इस्लामवादियों ने हमला किया, लूटपाट की और तोड़फोड़ की, लेकिन मुहम्मद यूनुस की अवैध इस्लामी सरकार ने इन व्यापारिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए कोई पहल नहीं की। इसी समय, तौहीदी जनता और अल-कुद्स कमेटी बांग्लादेश के बैनर तले स्थानीय युवा भारत विरोधी, इजराइल विरोधी और यहूदी विरोधी नारे लगाते हुए विशाल रैलियां निकाल रहे हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति

शुभ-लाभ चिंता

डोनाल्ड ट्रंप, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और सऊदी क्राउन प्रिंस मुहम्मद बिन सलमान के पुतले भी जला रहे हैं। वे अलकायदा, इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस), हमास आदि के झंडे लहरा रहे हैं और भारतीय, अमेरिकी और इजराइली झंडे जला रहे हैं। भारत में भी ऐसी ही घटनाएं हो रही हैं। फिर बांग्लादेश और भारत में क्या फर्क रहा? बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी), जमात-ए-इस्लामी (जेईआई), इस्लामिस्ट कॉन्स्टिट्यूशन मूवमेंट (आईसीएम) और जातीय पार्टी (जेपी) सहित इस्लामिस्ट राजनीतिक दल ढाका शहर और देश के अन्य हिस्सों में भारत, अमेरिका, इजराइल विरोधी प्रदर्शन कर रहे हैं और हमास से समर्थन का सिलसिला बनाए हुए हैं। यही गतिविधियां तो भारत में भी हो रही हैं। फिर बांग्लादेश और भारत में क्या फर्क रहा?

अमेरिका ऐसे तत्वों को कानून के शिकंजे में कसने या उन्हें अमेरिका से बाहर निकालने का काम कर रहा है। अपने तरीके से इजराइल भी ऐसे तत्वों से निपट रहा है। लेकिन भारत क्या कर रहा है? इस सवाल का जवाब है कि भारत कुछ नहीं कर रहा है। अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) ने एक ताजा नोटिस में आतंकवादी समर्थकों और यहूदी विरोधियों के खिलाफ कड़ी चेतावनी जारी की है, जिसमें कहा गया है कि गैर-नागरिकों की गतिविधियों की जांच की जाएगी और उन्हें संदेह पुख्ता होने पर उन्हें अमेरिका में नहीं रहने दिया जाएगा। अमेरिका विरोधी, यहूदी विरोधी और इस्लामिक जेहादी गतिविधियों में लगे लोग निष्कासन या गिरफ्तारी के दायरे में आएंगे। एक अन्य नोटिस में, यूएससीआईएस ने ऐसे तत्वों को एलिएंस कहा है और निर्देश जारी किया है कि अमेरिका और यहूदी विरोधी गतिविधियों और ऐसे नागरिकों को शारीरिक नुकसान करने वाले इस्लामिक तत्वों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए।

अमेरिकी अधिकारी ट्रिशिया मैकलॉघलिन ने कहा, बाकी दुनिया के आतंकवाद समर्थकों के लिए अमेरिका में कोई जगह नहीं है, और हम उन्हें स्वीकार करने या उन्हें यहां रहने देने के लिए बाध्य नहीं हैं। ऐसा कह कर अमेरिका ने इस्लामिक आतंकवाद के समर्थकों के खिलाफ सख्त चेतावनी जारी कर दी है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी, जमात-ए-इस्लामी और जातीय पार्टी के बहुत बड़ी संख्या में नेताओं के साथ-साथ उनके परिवार के सदस्यों के पास अमेरिकी नागरिकता और ग्रीन-कार्ड है। इन यहूदी विरोधियों ने बांग्लादेश से तस्करी करके लाए गए गंदे पैसे का इस्तेमाल करके सम्पत्तियां खरीदी हैं और व्यापारिक उपक्रमों में निवेश किया है। डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आने के बाद उनपर खतरा मंडराने लगा है। लेकिन भारत सरकार ऐसे तत्वों को खदेड़ भगाने के लिए कोई निर्णायक सख्त रवैया नहीं अपना रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने लांघी हदें, देश के सर्वोच्च आसन पर उठाई उंगली

राष्ट्रपति के अधिकार को खुला चैलेंज

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट अपनी हदें लांघ रहा है। सुप्रीम कोर्ट की न्यायिक सक्रियता (ज्यूडिशियल एक्टिविज़्म) अब संवैधानिक दायरे बाहर जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने संवैधानिक मर्यादा का उल्लंघन करते हुए अब देश की सर्वोच्च संवैधानिक पीठ यानि राष्ट्रपति के आसन पर भी उंगलियां उठानी शुरू कर दी हैं। इन हरकतों से देश को अराजकता में धकेलने की कोशिशों में लगे तत्वों को बल मिल रहा है। तमिलनाडु के राज्यपाल के विधेयकों को रोकने से जुड़े एक मामले में फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति की जेबी वीटो से जुड़ी शक्तियों को लेकर भी प्रतिकूल फैसला लेने से परहेज नहीं किया। खुदमुख्तारी दिखाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति के पास भेजे गए विधेयकों पर कार्रवाई के लिए समय-सीमा तय कर दी है।

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद देश में न्यायपालिका के सरकारी काम में हस्तक्षेप और शक्तियों के बंटवारे पर दोबारा बहस चालू हो गई है। राष्ट्रपति की शक्तियों को लेकर यह सुप्रीम कोर्ट का एक बड़ा फैसला है और इसमें समय सीमा वाली बात ने इसे और भी गंभीर बना दिया है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल 2025 को तमिलनाडु डीएमके सरकार द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई की। डीएमके सरकार ने यह याचिका राज्य के राज्यपाल आरएन रवि

राष्ट्रपति के फैसले के खिलाफ भी सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

राष्ट्रपति को अदालत के दायरे में खींचने का बेशर्म उदाहरण

के विधेयकों को रोकने के खिलाफ लगाया था। तमिलनाडु की सरकार ने कहा कि उसके द्वारा पास किए गए विधेयकों को राज्यपाल मंजूरी नहीं दे रहे हैं।

तमिलनाडु की सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि राज्यपाल आरएन रवि ने विधानसभा द्वारा पारित किए गए 10 विधेयकों को लटका रखा है। तमिलनाडु ने बताया था कि विधानसभा में दो बार पारित किए जाने के बावजूद राज्यपाल ने इन विधेयकों को राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए रोक रखा है। इस मामले राज्यपाल पर जेबी-वीटो का इस्तेमाल करने की बात तमिलनाडु सरकार ने कही थी। तमिलनाडु ने बताया था कि यदि ऐसा होता रहा तो कानून लटक जाएंगे और शासन चलाना मुश्किल हो जाएगा। तमिलनाडु ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से मांग की थी कि वह इन विधेयकों को पारित करने सम्बन्धी कोई स्पष्ट नियम दे। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की सुप्रीम कोर्ट की बेंच में इस मामले की अंतिम सुनवाई 8 अप्रैल 2025 को हुई। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार की दलीलों को मानते हुए राज्यपाल द्वारा रोक रखे गए विधेयकों को मंजूरी दे दी। सुप्रीम कोर्ट ने इसी के साथ राज्यपालों को भेजे गए विधेयकों को लेकर समय सीमा भी तय कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, राज्यपाल द्वारा 10 विधेयकों के संबंध में की गई सभी कार्रवाइयों को रद्द किया जाता है। राज्यपाल के समक्ष पुनः प्रस्तुत किए जाने की तिथि से ही 10 विधेयकों को मंजूरी दे दी गई मानी जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने इसी के साथ कहा कि राज्यपाल को विधानमंडल द्वारा भेजे गए विधेयक पर तीन महीने के भीतर फैसला लेना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल को भेजे जाने के एक महीने के भीतर उसे राष्ट्रपति के पास भेजना होगा। इसके अलावा अगर वह विधेयक वापस लौटाना चाहता है, तो यह काम तीन महीने के भीतर करना होगा और दोबारा भेजे गए विधेयक को एक माह के भीतर मंजूरी देनी होगी।

तमिलनाडु मामले में फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल की शक्तियों पर कैंची चलाई और साथ ही उसने राष्ट्रपति की शक्तियों पर भी प्रतिकूल टिप्पणियां कीं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, राज्यपाल द्वारा किसी विधेयक को राष्ट्रपति को भेजे जाने के तीन महीने के भीतर उस पर एक्शन लेना होगा। कोर्ट ने कहा कि इसके बाद भी विधेयक रोके जाने पर कारण बताने होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, राष्ट्रपति को राज्यपाल द्वारा विचार के लिए आरक्षित विधेयकों पर उस तारीख से तीन महीने की अवधि के भीतर निर्णय लेना आवश्यक है, जिस दिन उसे यह भेजे जाएंगे।

▶10 पर

ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल को सांप्रदायिक आग में झोंका

राष्ट्रपति शासन अब नहीं तो कब?

कोलकाता, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने वक्फ संशोधन कानून के हिंसक विरोध का बयान देकर पूरे राज्य इस्लामिक जेहादी हिंसा की आग में झोंक दिया है। ममता बनर्जी ने कहा था कि उन्हें गोली भी मार दी जाए तो वे पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून नहीं लागू होने देंगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के ऐसे समर्थन से शह पाए इस्लामवादी उपद्रवियों ने राज्य की कानून व्यवस्था अपने हाथ में ले ली है। संविधान विशेषज्ञों का कहना है कि पश्चिम बंगाल का मौजूदा माहौल राष्ट्रपति शासन लागू करने के लिए काफी है। लेकिन केंद्र सरकार इस हिंसा की आग में भी सियासत की रोटियां सेंकने का मौका तलाश रही है। राज्य के कई जिलों में तोड़फोड़ और आगजनी जारी है। मुर्शिदाबाद समेत कई जिलों में तो पुलिस पर भी हमला करने की खबरें आ रही हैं। अपनी जान बचाने के लिए पुलिस को भी भागना पड़ रहा है।

हिंसा प्रभावित जिलों के लोग अब खुलेआम कहने लगे हैं कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल को दूसरा बांग्लादेश बनाना चाहती हैं। ममता सरकार की तुष्टिकरण की नीति की वजह से राज्य में कानून-व्यवस्था लगातार बिगड़ती चली जा रही है। मुख्यमंत्री ममता के भड़काऊ बयान

वक्फ संशोधन के खिलाफ प. बंगाल में भड़की हिंसा बेकाबू

कई जिलों में इस्लामवादी जेहादियों ने मचा रखा है उत्पात

के बाद भड़की हिंसा ने राज्य के मुर्शिदाबाद, मालदा, नदिया, बहरामपुर, आसनसोल, उत्तर एवं दक्षिण चौबीस परगना जैसे कई जिलों को अपने चपेट में ले लिया। वक्फ कानून के विरोध के नाम पर पूरे राज्य को धीरे-धीरे हिंसा की आग में झोंका जा रहा है। वक्फ कानून के विरोध में शुक्रवार 11 अप्रैल 2025 को हुई हिंसा और आगजनी के बाद मुर्शिदाबाद, उत्तर 24 परगना और मालदा में स्थिति अत्यंग बिगड़ गई। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-12 पर सरकारी बसों और कई वाहनों को फूंक डाला। पुलिस पर भी जमकर पथराव किया गया। सुती थाना क्षेत्र के साजूर क्रॉसिंग में मुस्लिम प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर बम भी फेंके। दक्षिण 24 परगना के डायमंड हार्बर में भी हिंसा की गई। आमतला चौराहे पर भी प्रदर्शन कर रही इस्लामी भीड़ ने पुलिस वाहन में तोड़फोड़ की। अजीमगंज-न्यू फरक्का सेक्शन में दोपहर 2.46 बजे लगभग 5000 लोगों की भीड़ ने धुलियानगंगा स्टेशन के पास ट्रैक जाम कर दिया था। मुर्शिदाबाद की स्थिति और भी खराब है। शमशेरगंज में हिंदुओं के घरों-दुकानों को निशाना बनाया जा रहा है।मुर्शिदाबाद में आज (12 अप्रैल) सुबह से ही मुस्लिम भीड़ ने उत्पात शुरू कर दिया। जांगीपुर में उपद्रवियों ने कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया। वायरल हो रहे वीडियो में गाड़ियों को धू-धूकर जलते हुए देखा जा सकता है। सुती थाना क्षेत्र के साजूर क्रॉसिंग में प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर क्रूड बम फेंके गए। प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए पुलिस ने उन पर आंसू गैस के गोले दागे। हिंदुओं के कई व्यापारिक प्रतिष्ठानों को भी आग के हवाले कर दिया गया, जिसमें श्रीहरि हिंदू होटल भी शामिल है। जलांगी में प्रखंड मुख्यालय में भी तोड़फोड़ मचाई गई। सरकारी दफ़्तरों को भी नहीं छोड़ा गया। बंगाल भाजपा के नेता दिलीप घोष ने कहा है कि मुर्शिदाबाद, मालदा, दिनाजपुर, नादिया, वीरभूम और हावड़ा से हिंदुओं का सफाया करने की साजिश है।

5,000 से अधिक उपद्रवियों की भीड़ ने दोपहर लगभग 2.45 बजे अजीमगंज-न्यू फरक्का सेक्शन में ▶10 पर

एलओसी पर सेना के सूबेदार शहीद

सूबेदार कुलदीप चंद

जम्मू, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। अखनूर के केरी बाट्टल में शुक्रवार रात सीमा पार से पाकिस्तान रेंजरों ने सीजफायर का उल्लंघन किया। गोलीबारी में सेना के जूनियर कमीशंड अधिकारी सूबेदार कुलदीप चंद शहीद हो गई। 9 पंजाब रेजीमेंट के सूबेदार कुलदीप चंद 11 अप्रैल की रात को सुंदरबनी के केरी-बट्टल क्षेत्र में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ विरोधी अभियान का नेतृत्व कर रहे थे। इसी दौरान वह गोलीबारी में घायल हो गए। अस्पताल में इलाज के दरम्यान उनकी मौत हो गई।उधर, पुंछ में हुई फ्लैग मीटिंग के दूसरे दिन से ही पाकिस्तानी सेना ने फायरिंग शुरू कर दी। भारतीय सेना के जवान पाकिस्तानी सेना को मुंहतोड़ जवाब दे रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि सतर्क सेना के जवानों ने शुक्रवार देर रात केरी भट्टल इलाके में जंगल में एक नाले के पास भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों के एक समूह की गतिविधि देखी। जिसके बाद भीषण गोलीबारी हुई जो काफी देर तक जारी रही। इसी गोलीबारी में सूबेदार कुलदीप चंद को गोली लगी, जिनके बाद में मौत हो गई। पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई है। अतिरिक्त बल तैनात है। तलाशी अभियान जारी था। वहीं दूसरी तरफ इसी इलाके में 11 फरवरी को आतंकवादियों ने एक आईईडी विस्फोट किए जाने से एक कैप्टन समेत दो सैन्यकर्मियों की शहादत हो गई थी और एक अन्य जवान घायल हो गया था।

साइबर गुलामी में फंसे 60 भारतीयों को बचाया गया

मुंबई, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र पुलिस ने म्यांमार में साइबर गुलामी में फंसे 60 से ज्यादा भारतीयों को बचाया है और इस मामले में एक विदेशी समेत पांच एजेंटों को गिरफ्तार किया गया है। पीड़ितों को नौकरी का लालच देकर म्यांमार ले जाया गया था, जहां उनसे साइबर ठगी करवाई जाती थी और विरोध करने पर उन्हें प्रताड़ित किया जाता था।

महाराष्ट्र पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पीड़ितों को विदेश में उच्च वेतन वाली नौकरियों का वादा किया गया था, लेकिन उन्हें वहां साइबर धोखाधड़ी करने के लिए धमकाया गया और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान मनीष ग्रे उर्फ मैडी,

गिरोह में शामिल फिल्म अभिनेता समेत पांच गिरफ्तार

तैसन उर्फ आदित्य रवि चंद्रन, रूपनारायण रामधर गुप्ता, जेंसी रानी डी और चीनी-कजाकस्तानी नागरिक तलानिति नुलैक्सी के रूप में हुई है। यह सभी भर्ती एजेंट के रूप में काम करते थे। अधिकारी ने बताया कि मनीष ग्रे उर्फ मैडी एक पेशेवर अभिनेता है, जो वेब सीरीज और टेलीविजन शो में दिखाई दे चुका है। उन्होंने बताया कि ग्रे ने अन्य लोगों के साथ मिलकर अनजान व्यक्तियों की भर्ती की और तस्करी के जरिये उन्हें म्यांमार भेजा। वहीं, तलनिति नुलक्सी साइबर अपराध करने के लिए भारत में एक यूनिट स्थापित करने की योजना बना रही थी। अधिकारी ने दावा किया कि विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय की मदद से साइबर गुलामी मामले में महाराष्ट्र साइबर टीम की ओर से की गई अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र साइबर टीम ने इस संबंध में तीन एफआईआर दर्ज की हैं। अधिकारी ने कहा कि महाराष्ट्र साइबर सेल ने अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर पीड़ितों ▶10 पर

डीआरडीओ हैदराबाद की महत्वपूर्ण उपलब्धि

हजार किलो का गौरव बम बनाया

हैदराबाद, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) की हैदराबाद इकाई द्वारा विकसित एक हजार किलोग्राम को ग्लाइड-बम गौरव का सुखोई विमान से सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया। इसे जल्द ही भारतीय वायुसेना में शामिल करने का रास्ता साफ हो गया है। गौरव 1,000 किलोग्राम श्रेणी का ग्लाइड बम है, जिसे डीआरडीओ हैदराबाद ने स्वदेशी तौर पर डिजाइन और विकसित किया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गौरव के सफल विकास परीक्षणों के लिए डीआरडीओ, भारतीय वायुसेना और संबंधित उद्योग भागीदारों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि लंबी दूरी के ग्लाइड बम के विकास से सशस्त्र बलों की मारक क्षमता में काफी वृद्धि होगी। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि 8 अप्रैल से 10 अप्रैल तक किए गए परीक्षणों में करीब 100 किलोमीटर की दूरी तक सटीक निशाना लगाने में सफलता मिली। सुखोई-30 एमकेआई विमान से लंबी दूरी के ग्लाइड बम (एलआरजीबी) गौरव को दागा गया।

▶10 पर

गर्भगृह के उपलक्ष्य में श्री हनुमान जन्मोत्सव पर झूमे भक्तगण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सालासर सेवा समिति के तत्वावधान में रांका कॉलोनी स्थित निर्माणधीन श्री सालासर बालाजी मंदिर स्थल पर गर्भगृह के उपलक्ष्य में शनिवार दोपहर 2 बजे से श्री हनुमान जन्मोत्सव का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम बालाजी महाराज के दरबार में पंडित दीपक शर्मा द्वारा मंदिर कमेटी के अध्यक्ष प्रमोद मुरारका, उपाध्यक्ष सतीश मित्तल, सचिव मानित सोमानी, निर्माण समिति चेयरमैन संजय शाह, कोषाध्यक्ष राजकमल गनेरीवाला ने परिवार सहित विधिवत पूजन करवा कर अखंड ज्योत प्रज्वलित की। उपस्थिति भक्तों ने जय श्री राम जय हनुमान के जयकारे लगाकर माहौल को राममय बना दिया। तत्पश्चात महेन्द्र स्वामी ने संगीतमय सुंदरकांड का वाचन किया। भक्तों ने भी सुंदरकांड के पाठ कर आंनद लिया। सायं 5 बजे से भजन संध्या की शुरुआत करते हुए गायक रामसुंदर बगड़िया ने गौरी नन्दन थारो अभिनन्दन करे सारो परिवार के साथ हनुमान व श्री राम के भजनों से रिझाया। समिति के अध्यक्ष प्रमोद मुरारका ने मन्दिर के प्रारूप का अवलोकन किया। राजू खंडेलवाल ने श्री राम जय राम जय जय राम, साँवरियो बैठ्यो है जो लीनो है सो मांग लो की प्रस्तुति दी। प्रमुख भजन गायक पन्ना लखा गिल के दरबार में पहुंचने पर उपस्थित भक्तों ने खड़े होकर तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत किया। पन्ना लखा गिल ने बालाजी महाराज का गुणगान करते हुए बालाजी महाराज, खाटू श्याम, मातारानी के भजनों से समा बांधा। जिस पर भक्त झूमते रहे। देर रात तक भक्ति पर भक्तगण नाचते झुमते रहे। समिति द्वारा मेहमान गायकों का सम्मान किया गया। रविवार को सुबह आमंत्रित सदस्यों द्वारा शिला पूजन होगा। सायं 4.15 बजे से सिधेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुवानन्द स्वामी आशीर्वचन देंगे। कमेटी व सभी कार्यकर्ताओं द्वारा प्रसाद, पादुका सेवा, जलसेव, महाप्रसादी की सुन्दर व्यवस्था की गई थी। भक्तों ने समिति का आभार प्रकट किया।

नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भगवान महावीर की 2624वीं जन्म जयंती के पावन अवसर पर फ्रीडम पार्क में तेरापंथ युवक परिषद् बेंगलूरु द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर एंड डेंटल केयर के तत्व-ावधान में एक भव्य नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 250 से अधिक लाभार्थियों ने भाग लिया और यूरिया, क्रिएटिनिन, यूरिक एसिड, कैल्शियम जैसे महत्वपूर्ण जांच कराए। यह शिविर विशेष रूप से गुर्दा (किडनी) की कार्यक्षमता की जांच हेतु अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 9:30 बजे हुआ और यह दोपहर 12:30 बजे तक चला। आम जनमानस के लिए यह सेवा पूर्णतः नि:शुल्क रही। आयोजन स्थल पर अनुभवी तकनीशियनों की टीम ने सेवा-भावना और पूर्ण निष्ठा के साथ सभी लाभार्थियों की जांच की। इस अवसर पर तेयुप बेंगलूरु अध्यक्ष विमल धारीवाल, उपाध्यक्ष मनीष भंसाली, सह मंत्री अंकित छाजेड़ व प्रतीक जोगड़, कोषाध्यक्ष महेंद्र कोचर, संगठन मंत्री मोहित डूंगरवाल, परिषद् परामर्शक दिनेश पोखरणा, विनय बैद एवं गौतम मांडोत, कार्यकारिणी सदस्य विनोद कोठारी, रमेश सालेचा, प्रकाश सालेचा, विवेक मरोठी, विक्रम दुगड़, ऋषभ सेठिया, अमित भंडारी, राकेश भंडारी, साहिल कोठारी, जितेंद्र धोका, प्रवीण बोहरा, सुधीर पोखरणा, प्रदीप चोपड़ा, तेरापंथ सभा मंत्री विनोद छाजेड़, टीपीएफ अध्यक्ष पुष्पराज सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

सांसद लहर सिंह सिरोया ने जैन साध्वियों को विधान सौधा की यात्रा कराई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एक अनोखे क्षण में, भाजपा सांसद लहर सिंह सिरोया ने शुक्रवार को बेंगलूरु में ऐतिहासिक विधान सौधा में श्रद्धेय जैन साध्वियों - साध्वी पवन प्रभा जी, साध्वी आत्मयशा जी, साध्वी उन्नत्याशा जी और साध्वी रम्याप्रभा जी आदि को यात्रा कराई। सांसद लहर सिंह ने साध्वियों को व्यक्तिगत रूप से कर्नाटक विधानसभा का दौरा कराया, लोकतंत्र के मंदिर के कामकाज के बारे में बताया और राज्य में शासन कैसे काम करता है, इस बारे में जानकारी दी। इस यात्रा पर विचार करते हुए लहर सिंह ने कहा साध्वियों के साथ अपने विनम्र अनुभव को साझा करना वास्तव में सम्मान की बात थी। हालाँकि वे सभी सांसारिक चीजों से अलग हैं, लेकिन उनकी जिज्ञासा और समझने की इच्छा वास्तव में प्रेरणादायक है। कर्नाटक विधान परिषद में दो कार्यकाल तक सेवा देने वाले सांसद लहर सिंह ने आध्यात्मिक और नागरिक क्षेत्रों के बीच इस तरह के जुड़ाव के महत्व पर जोर दिया। यह यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जैन धर्म के पारंपरिक सफेद परिधान पहने और नंगे पैर नवकार महामंत्र दिवस में भाग लेने और नवकार मंत्र की आध्यात्मिक शक्ति का आह्वान करने तथा राष्ट्र से जैन मूल्यों और संकल्पों को अपनाने का आग्रह करने के दो दिन बाद हुई है। अपने संबोधन के दौरान, प्रधानमंत्री ने कई साल पहले बेंगलूरु में एक सामूहिक नवकार मंत्र जाप में भाग लेने को याद किया था, एक ऐसा अनुभव जिसे उन्होंने बहुत ही परिवर्तनकारी बताया। साध्वियों के विधान सौधा भ्रमण के दौरान तेरापंथ सभा गांधी नगर के अध्यक्ष पारस भंसाली, पूर्व सभा ट्रस्ट अध्यक्ष गौतम मुथा, नरेन्द्र मांडोत, विनोद छाजेड़ सहित जैन समाज के अनेक प्रतिष्ठित सदस्य उपस्थित थे।

एक बूंद एक सागर कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित जल संरक्षण अभियान के तहत तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा शुक्रवार को तेरापंथ भवन में एक बूंद- एक सागर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र एवं बहनों द्वारा प्रेरणा गीत के संगान के साथ हुआ।

अध्यक्ष मंजू गादिया ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा रखी तथा जीवन में जल का क्या महत्व है इस पर अपने विचार रखें। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता की भूमिका मोटिवेशनल स्पीकर भावना कोठारी ने निभाई, जिनका परिचय रेखा छाजेड़ ने दिया। मुख्य वक्ता भावना ने विषय पर अपने विचारों की अभिव्यक्ति देते हुए कहा कि जल है तो कल है। जल हमें मुफ्त में प्राप्त होता है इसलिए हम उसकी कदर नहीं करते।

किंतु वर्तमान समय में विश्व के कई शहरों में शुद्ध जल की अत्यंत कमी हो गई है। उसे देखते हुए हमें इस ओर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने टिप्स देते हुए बताया कि किस प्रकार हम अपने दैनिक कार्यों में थोड़ा सा ध्यान रखकर काफी पानी बचा सकते हैं। हमारे प्रधानमंत्री भी जल का व्यर्थ प्रयोग ना हो, इसकी बर्बादी नहीं हो इस पर काफी जोर दे रहे हैं। उन्होंने बारिश के पानी का संग्रहण, जल स्रोतों के रखरखाव आदि कई उपाय बताएं जिसके द्वारा जल संरक्षण कर सकते हैं। उन्होंने जल बचाने हेतु सभी से छोटे-छोटे संकल्प करवाते हुए कहा कि हमें अपने बच्चों को भी पानी के महत्व के बारे में समझाना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ी भी जल संरक्षण के प्रति सचेत बन सके। इस विषय पर उन्होंने एक कविता की प्रस्तुति भी दी। मंडल द्वारा मुख्य वक्ता भावना का सम्मान साहित्य एवं पट्ट द्वारा किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन संयोजिका सुमन कोठारी एवं आभार ज्ञापन सहसंयोजिका संगीता बैद द्वारा किया गया। कार्यशाला के पश्चात मंडल द्वारा वर्षीतप करने वाली बहनों का सम्मान एवं भजनों द्वारा उनकी तप अनुमोदना की गई। कार्यक्रम में मंडल के सभी पदाधिकारी, कार्यकारिणी एवं लगभग 90 बहनों की अच्छी उपस्थिति रही।

फिजिकल मिशन एंपॉवरमेंट द्वितीय कार्यशाला का अयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा तेरापंथ टास्क फोर्स (टीटीएफ) के हर सिटी टीटीएफ के अंतर्गत फिजिकल मिशन एंपॉवरमेंट द्वितीय कार्यशाला का आयोजन शांतिलाल, लादुलाल पितलिया के चिकपेट स्थित प्रतिष्ठान में किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत पंच परमेष्ठि नमस्कार महामंत्र के सामूहिक उच्चारण से हुई। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया ने फिजिकल मिशन इंपॉवरमेंट कार्यशाला करने की स्वीकृति प्रदान करने के लिए शांतिलाल पितलिया परिवार का धन्यवाद व्यक्त करते हुए वहां पर उपस्थित जनों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि ये कार्यशाला आप सभी के लिए बहुत उपयोगी साबित होगी। आपके रोजमर्रा की जिंदगी में बहुत काम आ सकती है। शाखा प्रभारी दिनेश मरोठी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि कहीं अगर कोई दुर्घटना घट जाए और आप वहां पर उपलब्ध हो और आपको जानकारी हो तो मेडिकल इमर्जेंसी में कैसे आप किसी की जिंदगी बचाने का माध्यम बन सकते हैं। उसके पश्चात तेरापंथ टास्क फोर्स के ट्रेनर जय चौरड़िया ने उपस्थित सभी को मेडिकल इमरजेंसी में या दैनिक जीवन में होने वाली आ-पातकालीन घटनाएं जैसे की शरीर में चोट लगने पर ब्लीडिंग ज्यादा होने पर हमारे शरीर के किस अंग में कहा- कहा दबाव बनाए रखने से कैसे हम रक्त के प्रवाह को रोक सकते हैं, नाक से खून बहने पर क्या करना चाहिए और फैक्चर हो जाने पर हॉस्पिटलाइज्ड करने से पहले हम कैसे उस मरीज को तुरंत राहत दे सकते हैं, क्या-क्या उपाय किए जा सकते हैं, समेत अन्य जानकारी दी। परिषद परिवार की ओर से शांतिलाल पितलिया एवं परिवार का सम्मान किया गया। इस अवसर पर तेयुप मंत्री जयंतीलाल गाँधी एवं कोषाध्यक्ष रवि चौधरी की उपस्थिति रही।

समय का सदुपयोग करना जरूरी: पंकज बाफना

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में पार्श्वनाथ जैन मंदिर के भवन में शनिवार को पूर्णिमा के अवसर पर गौशाला के लिये एकत्रित सामग्री को गौशाला भिजवाया गया। संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना ने कहा समय का सदुपयोग करें सफलता कदम चूमेगी। पूरी दुनिया में सभ्यता के विकास के साथ ही विभिन्न धर्मों की स्थापना हुई और हर एक धर्म मनुष्य जीवन को नैतिकता, ईमानदारी एवं सच्चाई का साथ देते हुए जीवन जीने की प्रेरणा देते हैं। विश्व के लगभग सभी धर्म हमें दूसरों की भलाई करना एवं एक संतुलित जीवन जीने की प्रेरणा देते हैं। साथ ही, हर धर्म की पूजा पद्धति भी अलग-अलग होती है लेकिन वे सभी अलग-अलग तरीकों से लोगों को एक साथ जुड़े रहने की प्रेरणा देते हैं। अर्थात् सभी धर्मों के मूल में कौमी एकता को प्रोत्साहित करने की भावना का समावेश होता है। दूसरे शब्दों में अगर कहा जाए तो हर धर्म की स्थापना के पीछे एकमात्र उद्देश्य पारस्परिक एकता को बढ़ाना है तो अतिश्योक्ति नहीं होगी। हर धर्म लोगों को एक साथ मिलकर समाज को बेहतरी के रास्ते पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। सभी धर्मों का विकास लोगों को एकजुट रखने के लिए ही हुआ है। यह भी सर्वविदित है कि एक धर्म के लोगों के वर्चस्व से जनमत भी तैयार होता है। यही कारण है कि विश्व के कई प्रमुख धर्मों के धर्म प्रचारक भी हैं जो अपने धर्म के प्रचार में लगे रहते हैं। इस अवसर पर संघ के ट्रस्टी गौतमचंद कवाड़ ने गौशाला में सहयोग देने वालों का आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर संघ के पंकज बाफना, गौतमचंद कवाड़, समिति सदस्य धीरज बाफना, सुरेश बोरा, मंजू बागरेचा, पिंकी शाह, सोनल ओस्तवाल, संकलेचा समेत कई सदस्य उपस्थित थे।

बसवनगुड़ी दादावाड़ी में नवकार महामंत्र दिवस पर जाप का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी में मलयप्रभ सागर जी और मुकुलप्रभ सागर जी की प्रेरणा से जीतो द्वारा आयोजित नवकार महामंत्र दिवस पर आराधना भवन में जाप का आयोजन किया गया। दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने सकल संघ के पधारे हुए समस्त सदस्यों का भावभीना स्वागत किया और कहा कि सरकार इस दिवस को 'नवकार महामंत्र दिवस' घोषित करे तो यह सकल जिनशासन के लिए बड़ी उपलब्धि होगी।

महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने इस दिवस को जिनशासन के लिए अनूठा अवसर बताया। ट्रस्ट के प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने बताया कि यह शाश्वत मंत्र है जिसमें किसी व्यक्ति विशेष की वन्दना नहीं करते हुए गुणों की वन्दना की गई है।

ट्रस्ट के प्रचार प्रसार संयोजक ललित डाकलिया ने बताया कि इस अवसर पर सकल संघ के सदस्यों की उपस्थिति में श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल तथा श्री जिन कुशल सूरी जैन महिला संगीत मंडल की सदस्यों ने सुमधुर रागों रागिनियों से महामंत्र नवकार का संगान किया। इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, पूर्व अध्यक्ष महैन्द्र कुमार रांका, उपाध्यक्ष तनसुख राज गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष रणजीत ललवानी, पुखराज कवाड, धर्मेन्द्र संकलेचा, राजेन्द्र गुलेच्छा, रमेश गुलेच्छा, पंकज बाफना, विकास खटोड़ के साथ ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे।

जीवन में तप रूपी अमृत आने पर जीवन अमर हो जाता है

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में पूज्य गुरुदेव श्री मलयप्रभ सागर जी एवं मुकुल प्रभ सागर जी की निश्रा में शत्रुंजय महातीर्थ की भावयात्रा और चैत्री पूर्णिमा की आराधना करवाई गई। गुरुदेव ने फरमाया की आज नवपद ओली जी का अंतिम 9वें दिवस हमें तप पद की आराधना करनी है। तप ही जीवन का अमृत है। जैसे अमृत मिलने पर मृत्यु का डर समाप्त हो जाता है, वैसे ही हमारे जीवन में तप रूपी अमृत आने पर जीवन अमर हो जाता है। दूध को तपाने से मलाई, अन्न को तपाने से स्वादिष्ट भोजन, सोने को तपाने से आभूषण बन जाता है। वैसे ही शरीर को तप की अग्नि द्वारा तपाने से हमारे कर्म रूपी मैल खिलने लगता है। ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने कहा कि प्रातः की भोर वेला में शत्रुंजय महातीर्थ की भावयात्रा और चैत्री पूर्णिमा की संगीतमय विविध पांच चैत्यवन्दन सहित आराधना करवाई गई। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने कहा कि आज ही के दिन शत्रुंजय महातीर्थ की भूमि से आदिनाथ भगवान के प्रथम गणधर पुण्डरीक स्वामी के साथ पांच करोड़ मुनियों ने मोक्ष प्राप्त किया था। प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने कहा कि गुरुदेव ने बहुत ही सुन्दर भावभरे दस, बीस, तीस, चालीस और पचास गाथाओं के चैत्यवन्दन करवाए और परमात्मा के सुमधुर स्तवन गाए। प्रचार प्रसार संयोजक ललित डाकलिया ने बताया कि अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद् बेंगलूरु शाखा द्वारा इस अवसर पर गुरुदेव इक्तीसा का पाठ भी किया गया और पधारे सभी पुण्यशालियों को भाता वितरण किया गया।

पिछली भाजपा सरकार के खिलाफ

40 प्रतिशत कमीशन के आरोपों की जांच के लिए एसआईटी गठित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, कर्नाटक सरकार ने पिछले भाजपा प्रशासन से जुड़े बड़े पैमाने पर अनियमितताओं और रिश्वतखोरी के आरोपों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है, जिसे लोकप्रिय रूप से 40 प्रतिशत कमीशन के रूप में जाना जाता है। यह निर्णय विभिन्न सार्वजनिक कार्यों में वित्तीय विसंगतियों को उजागर करने वाली एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद लिया गया है। इस मामले को शुक्रवार को कैबिनेट की बैठक में उठाया गया, जहां प्रारंभिक चर्चाएँ हुईं। हालांकि, मंत्रियों ने सहमति व्यक्त की कि आगे बढ़ने के लिए गहन विचार-विमर्श आवश्यक होगा। मीडिया को जानकारी देते हुए, मंत्री एच के पाटिल ने खुलासा किया कि रिपोर्ट ठेकेदारों और जनता से प्राप्त शिकायतों पर आधारित थी। उन्होंने कहा शुरू किए गए तीन लाख सार्वजनिक कार्यों में से 1,729 परियोजनाओं में संदिग्ध अनियमितताओं के लिए चिह्नित किया गया था। दोषपूर्ण परियोजना नियोजन से लेकर निधि वितरण और लेटर ऑफ क्रेडिट प्रोसेसिंग में अनियमितताएँ तक के मुद्दे थे। उनके अनुसार, कुछ बिल स्वीकृत राशि से अधिक थे, जबकि अन्य में प्रक्रियात्मक हेरफेर के संकेत मिले, जिसमें निविदा प्रक्रिया में बिचौलियों की कथित भागीदारी भी शामिल थी। निष्कर्षों की गंभीरता को देखते हुए, मंत्रिमंडल ने एसआईटी के गठन को हरी झंडी दे दी, जिसे दो महीने के भीतर अपने निष्कर्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। मंत्रिमंडल ने विवादास्पद नंदी इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरिडोर एंटरप्राइजेज (एनआईसीई) रोड परियोजना से संबंधित चिंताओं की भी समीक्षा की। इस मामले की सुनवाई वर्तमान में सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय में चल रही है, और सरकार ने कहा कि कानूनी निहितार्थों को देखते हुए परियोजना के भविष्य पर निर्णय लेने के लिए एक बैठक पर्याप्त नहीं होगी।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा गठित एक समर्पित कैबिनेट उप-समिति अब एनआईसीई मुद्दे का गहराई से अध्ययन करेगी। चर्चा की गई मुख्य चिंताओं में से एक एनआईसीई कंपनी द्वारा 1,699 एकड़ जमीन को तीसरे पक्ष को बेचने का कथित प्रयास था। इस बीच, जैसा कि कांग्रेस सरकार अपने पूर्ववर्ती के तहत कथित भ्रष्टाचार की जांच के साथ आगे बढ़ती है, वह खुद को इसी तरह के आरोपों से बचाती हुई पाती है। ठेकेदारों द्वारा हाल ही में किए गए दावों में आरोप लगाया गया है कि कांग्रेस के मंत्री भी लंबित बिलों को निपटाने के लिए कमीशन मांग रहे हैं। उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने इन चिंताओं को सीधे संबोधित करते हुए कहा कि ऐसी मांगों का सामना करने वाले किसी भी व्यक्ति को तुरंत लोकायुक्त के पास शिकायत दर्ज करानी चाहिए। मंत्री सतीश जारकीहोली और एनएस बोसराजू के खिलाफ आरोपों को खारिज करते हुए शिवकुमार ने यह भी सवाल उठाया कि ठेकेदार विभागीय प्रक्रियाओं का पालन करने के बजाय मंत्रियों से संपर्क क्यों कर रहे थे। उन्होंने पूछा यदि धन उपलब्ध नहीं है, तो वे परियोजनाएं कैसे शुरू कर गई? उन्होंने बताया कि भाजपा के कार्यकाल के दौरान केवल एक विभाग के तहत 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक के ठेके दिए गए थे। उन्होंने कहा हमने चुनाव से एक साल पहले ठेकेदारों को बिना स्वीकृत निधि के परियोजनाएं शुरू न करने की चेतावनी दी थी। फिर भी, उन्होंने आगे बढ़ना चुना। अब वे राजनीतिक चैनलों के माध्यम से बिल मंजूरी की मांग कर रहे हैं। कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफ अपने विधानसभा चुनाव अभियान में '40 प्रतिशत कमीशन' मुद्दे को केंद्रीय हिस्सा बनाया था।

18 अप्रैल तक डीके, उडुपी और अन्य जिलों में बारिश की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने 18 अप्रैल तक कर्नाटक में फिर से बारिश की संभावना जताई है, जिसमें अधिकांश जिलों में मध्यम बारिश होने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि कर्नाटक में अप्रैल के पहले सप्ताह में औसत से अधिक बारिश दर्ज की गई है।

आईएमडी के अनुसार, कर्नाटक में पिछले सप्ताह सामान्य से काफी अधिक बारिश हुई। जबकि औसत अपेक्षित वर्षा 4.7 मिमी थी, राज्य में 19.1 मिमी बारिश दर्ज की गई। तटीय क्षेत्र में सामान्य 4.7 मिमी की जगह 18.1 मिमी बारिश हुई। उत्तरी आंतरिक क्षेत्र, जहां आमतौर पर 3.8 मिमी बारिश होती है, में 13.9 मिमी और दक्षिणी आंतरिक क्षेत्र में 5.5 मिमी औसत के मुकाबले 23.8 मिमी बारिश दर्ज की गई। कर्नाटक के जिलों में से 25 में अधिक बारिश दर्ज की गई, तीन जिलों में सामान्य बारिश हुई, एक जिले में कम बारिश हुई और दूसरे में बिल्कुल भी बारिश नहीं हुई।

आईएमडी ने उत्तर कन्नड़, उडुपी, दक्षिण कन्नड़, बल्लारी, बेंगलूरु शहरी, बेंगलूरु ग्रामीण, चामराजनगर, चित्रदुर्ग, चिक्कबल्लापुर, चिक्कमगलूरु, दावणगेरे, हासन, कोडागु, कोलार, मांड्या, मैसूरु, रामनगर, शिवमोग्गा, तुमकुरु और विजयनगर में 18 अप्रैल तक मध्यम बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है। उत्तर आंतरिक कर्नाटक के कई जिलों में भी छिटपुट वर्षा होने की संभावना है। रविवार को बेलगावी और रायचूर में बारिश होने की संभावना है। 14 से 16 अप्रैल तक कर्नाटक के सभी जिलों में बारिश की उम्मीद है। शुक्रवार को तटीय कर्नाटक और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक के कुछ हिस्सों और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक के कुछ स्थानों में पर बारिश दर्ज की गई। दक्षिण कन्नड़ के मंगलूरु में 4 सेमी बारिश दर्ज की गई।

यादगीर जिले में, काकेरी, शोरापुर, सैदापुर और गब्बूर जैसे स्थानों में 3 सेमी बारिश हुई। इसी तरह, रायचूर के जलाहल्ली और बीदर जिले के स्थानों में भी 3 सेमी बारिश हुई। पूर्वानुमान से संकेत मिलता है कि आने वाले दिनों में राज्य में बारिश का मौसम जारी रहेगा, जिससे गर्मी के मौसम में कुछ राहत मिलेगी।

प्रस्तावित मंगलूरु-उडुपी मेट्रो परियोजना के लिए व्यवहार्यता रिपोर्ट मांगी गई

मंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिला प्रभारी मंत्री और सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव के निर्देशों के बाद, जिला शहरी विकास प्रकोष्ठ ने मंगलूरु और उडुपी के बीच प्रस्तावित मेट्रो रेल परियोजना पर व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार करने के लिए विभिन्न विभागों और संगठनों को पत्र लिखकर इनपुट मांगे हैं। प्रस्तावित मेट्रो परियोजना से तटीय क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को बढ़ाने और इसके लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। जिला प्रभारी मंत्री और अतिरिक्त मुख्य सचिव ने अधिकारियों को मंगलूरु-उडुपी मेट्रो रेल परियोजना की व्यवहार्यता की समीक्षा करने और तदनुसार आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया है। प्रतीकात्मक छवि पत्र में कहा गया है कि प्रस्ताव को सरकार को प्रस्तुत करने के लिए रिपोर्ट तैयार करते समय मंगलूरु की वाणिज्यिक केंद्र के रूप में स्थिति, इसके मौजूदा बुनियादी ढांचे, चिकित्सा सुविधाओं, शैक्षणिक संस्थानों और तटीय विशेषताओं पर विचार करना चाहिए। डिप्टी कमिश्नर की ओर से जिला शहरी विकास सेल ने न्यू मंगलूरु पोर्ट अथॉरिटी (एनएमपीए), मंगलूरु रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल), शहर के पुलिस कमिश्नर, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कर्नाटक (एनआईटीके), जिला वन अधिकारी (डीएफओ), परिवहन विभाग, मंगलूरु विश्वविद्यालय, जिला उद्योग केंद्र, पर्यटन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, मंगलूरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के संचालन अधिकारी और कनारा चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (केसीसीआई) सहित कई हितधारकों को पत्र भेजा है।

फर्जी सरकारी ईमेल आईडी बनाकर बैंक को 1.32 करोड़ रुपये का लगाया चूना, 3 गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पुलिस और कोर्ट के नाम पर फर्जी आदेश बनाकर धोखाधड़ी के सिलसिले में फ्रीज किए गए बैंक खातों से 1.32 करोड़ रुपये उड़ाने वाले तीन जालसाजों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान दिल्ली निवासी अभिमन्यु कुमार पांडे, नीरज सिंह और राजस्थान निवासी सागर लकुरा के रूप में हुई है। कुछ दिन पहले हलासुरु में आईसीआईसीआई बैंक शाखा प्रबंधक ने फर्जी दस्तावेज जमा कर 30 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने की शिकायत दर्ज कराई थी। मामले की जांच करने वाले साइबर क्राइम थाने के इंस्पेक्टर हजरेश किलेदार के नेतृत्व में एक टीम ने बैंक खाते से मनी ट्रांसफर की जानकारी के आधार पर आरोपियों को गिरफ्तार किया। राजस्थान के तन्नूर में फोटो स्टूडियो चलाने वाला सागर सट्टेबाजी का बहुत बड़ा आदी था। सागर का एक बेटिंग ऐप पर अकाउंट था। कुछ महीने पहले धोखाधड़ी के आरोप में बेटिंग ऐप अकाउंट को सीज कर दिया गया था। इसके बाद उसने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और सीज किए गए अकाउंट को रिलीज करवा लिया। बंद खातों से पैसे निकालने की प्रक्रिया जानने वाला सागर पुलिस के नाम पर खातों की जानकारी हासिल कर उन्हें छुड़ाने के लिए कोर्ट के नाम पर फर्जी आदेश तैयार कर पैसे ऐंठ लेता था। इसी तरह उसने कर्नाटक, बिहार, उत्तर प्रदेश और गुजरात समेत देश के कई राज्यों में फर्जी आदेश भेजकर बैंकों को चूना लगाने की कोशिश की। कुछ जगहों पर सागर की साजिश कामयाब भी हुई। इसी तरह गुजरात में इलाहाबाद पुलिस ने उसे धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बाद में वह जमानत पर बाहर आया और अपनी गतिविधियां जारी रखीं। वह पहले भी हलासुरु में आईसीआईसीआई बैंक को लूट चुका था। उसने बैंकों को राज्य सरकार के अधिकारी के नाम से ईमेल भेजे थे। इसके लिए उसने फर्जी मुहर और हस्ताक्षर बनाकर ई-गवर्नेंस (के-स्वान) (कर्नाटक स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क) को ईमेल में अनुरोध भेजा था। उसने खुद को सरकारी अधिकारी बताते हुए एक ईमेल आईडी दी थी। इस ईमेल का इस्तेमाल कर उसने बैंक के नोडल अधिकारी से चिकपेट एसपी के नाम से बेटिंग ऐप अकाउंट की जानकारी हासिल की थी। इसके बाद उसने मैसूरु कोर्ट के नाम से एक फर्जी आदेश भेजा, जिसमें उस खाते से पैसे रिलीज करने की बात कही गई थी। उसने बैंक को यह विश्वास दिलाया था कि उसे पुलिस ने ही बुलाया है और आदेश में दिया गया मोबाइल नंबर वही है। इसके बाद उसने सागर द्वारा बताए गए खाते में 21.38 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर दिए।

बीजापुर विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल अगर अकेले पड़ गए तो क्या होगा?

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में छह साल के लिए भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित बीजापुर विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल अगर अकेले पड़ गए तो क्या होगा? या फिर क्या होगा यदि वे सभी लोग, जिन्होंने उनका समर्थन किया था, अब बीच में ही हार मान लें? ऐसे सवालों का कारण यह है कि हाल के कुछ घटनाक्रमों को देखते हुए यतनाल, जो खुद को हिंदू टाइगर कहते थे, ने एक मात्र विजयादशमी के अवसर पर हिंदू विचारधारा वाली एक नई क्षेत्रीय पार्टी की स्थापना की घोषणा की है। पंचमसाली समुदाय के बसव और वामसी स्वामीजी उनके पीछे खड़े हैं और बेदखली प्रक्रिया के खिलाफ राज्यव्यापी विरोध का आह्वान किया है। इन घटनाक्रमों के मद्देनजर, भाजपा विधायक रमेश जारकीहोली, हरीश, पूर्व मंत्री कुमार बंगारप्पा और अरविंद लिंबावली, जिन्होंने अब तक उनका समर्थन किया था, के अलावा बाकी लोग राजनीति में अधिक अवसरों के लिए पार्टियां बदल रहे हैं। दूसरों के लिए अगला कदम क्या है? वर्तमान में उत्सुकता यह है कि इनमें से लिम्बावली उन लोगों में से नहीं है, जिनके पास भविष्य में सत्ता सौंपने के लिए पर्याप्त ताकत है। चूंकि उनकी विचारधारा सत्ता हथियाने की है और उनके पास कोई बड़ी राजनीतिक ताकत नहीं है, इसलिए भाजपा द्वारा उनके विचारों को गंभीरता से लेने की संभावना कम है। बाकी, अरविंद लिंबावली में जो भी असंतोष हो, फिलहाल भाजपा नेताओं की नजर में वे मुख्य माने जा सकते हैं, क्योंकि वे मूल रूप से संघ परिवार की पृष्ठभूमि से आते हैं। इसके अलावा, वर्तमान स्थिति में इस घटना का राज्य की राजनीति पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ेगा। यतनाल के निष्कासन के खिलाफ पंचमसाली समुदाय के प्रमुख बसवजयम्मा स्वामीजी द्वारा विरोध प्रदर्शन के आह्वान पर समुदाय के अन्य नेताओं ने नाराजगी व्यक्त की है। कारण यह है कि इस समुदाय के कई नेता कांग्रेस समेत विभिन्न दलों में विभिन्न पदों पर हैं, इसलिए संभावना है कि पूरा समुदाय एक व्यक्ति के पक्ष में इस विरोध का जवाब एक साथ देगा। वर्तमान स्थिति में, ऐसा कोई आम चुनाव नहीं है जो राज्य में राजनीतिक घटनाक्रम को बदल दे। यद्यपि राज्य सरकार कह रही है कि वह जिला और तालुका पंचायत निकायों के लिए चुनाव कराएगी, लेकिन अभी तक इसकी निश्चित तिथि तय नहीं की गई है। इसके अलावा, निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्सीमांकन और आरक्षण के मुद्दे अभी तक हल नहीं हुए हैं, और इसलिए सरकार ने अभी तक यह तय नहीं किया है कि इन संस्थाओं के चुनाव कब होंगे। यद्यपि सत्ता की साझेदारी को लेकर सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी में आंतरिक मतभेदों ने विपक्ष के पक्ष में खुली बहसों के माध्यम से अक्सर विवाद को जन्म दिया है, लेकिन वे इतने मजबूत नहीं हैं कि सरकार के अस्तित्व को खतरा पैदा कर सकें। मौजूदा हालात में कोई भी कांग्रेस नेता, विधायक या मंत्री सरकार खोने के मूड में नहीं है। इस प्रकार, कांग्रेस फिलहाल राज्य में मजबूती से स्थापित है। इस दृष्टिकोण से, किसी एक जाति के समर्थन से राजनीतिक दलों को बहुमत मिलने और सत्ता में आने का कोई उदाहरण नहीं है। यह देखना अभी बाकी है कि आने वाले दिनों में यतनाल पंचमसाली समुदाय के अलावा अन्य समुदायों में अपनी अपरिहार्यता कैसे स्थापित करेंगे। पिछड़े वर्ग के नेता जो साथ हैं, जैसे कुमार बंगारप्पा, रमेश जारकीहोली और अन्य, उनके पास कोई अन्य राजनीतिक विकल्प नहीं है। इसलिए, इस बात की अधिक संभावना है कि वह भाजपा में ही रहेंगे और यतनाल को मानसिक रूप से समर्थन देंगे।

लेकिन वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था में, जहां सत्ता सर्वोपरि है, व्यक्तिगत मित्रता राजनीतिक समर्थन के रूप में लंबे समय तक नहीं टिक सकती। इसलिए, यह खतरा है कि आने वाले दिनों में यतनाल राजनीतिक रूप से अलग-थलग पड़ जाएंगे। हिंदुत्व की विचारधारा के आधार पर एक क्षेत्रीय पार्टी बनाने की योजना बना रहे यतनाल को पूर्व भाजपा नेता के.एस. ईश्वरप्पा, जो पिछड़े वर्गों को संगठित करने पर अधिक जोर दे रहे हैं, ऐसा नहीं करने का सुझाव दिया है। चूंकि उन्होंने हिंदुत्व की इसी विचारधारा को निशाना बनाया है, इसलिए इस बात की पूरी संभावना है कि यतनाल को वहां झटका लगेगा।

जाति जनगणना वैज्ञानिक है

समाज के स्वास्थ्य का आकलन करने के लिए ऐसे सर्वेक्षण आवश्यक हैं: एच. कांताराजू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष एच. कांताराजू ने कहा है कि समाज कितना स्वस्थ है, इसका आकलन करने के लिए सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण या जनगणना नियमित रूप से की जानी चाहिए। शिवमोग्गा में शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, उन्होंने कहा कि जब वे आयोग के प्रमुख थे, तब आयोजित सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण समाज के स्वास्थ्य का आकलन करने के लिए एक ऐसा ही अभ्यास था। उन्होंने कहा जाति भारत में एक वास्तविकता है। समानता प्राप्त करने के लिए जाति-आधारित भेदभाव को मिटाया जाना चाहिए। सर्वेक्षण और जनगणना यह समझने के लिए आवश्यक हैं कि समाज में जाति कितनी मजबूत है। उन्होंने सर्वेक्षण रिपोर्ट पर विचार करने के लिए राज्य मंत्रिमंडल की सराहना की, जिसे उन्होंने पूरा किया। उन्होंने कहा राज्य मंत्रिमंडल ने रिपोर्ट पर विचार किया है और 17 अप्रैल को होने वाली अगली बैठक में इस पर चर्चा करने का फैसला किया है। मैं इस घटनाक्रम का स्वागत करता हूं। मुझे उम्मीद है कि राज्य सरकार रिपोर्ट के उद्देश्य को पूरा करेगी। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इससे पहले, 1931 तक, वार्षिक जनगणना के हिस्से के रूप में जाति विवरण एकत्र किए जाते थे। हालांकि, हाल के दशकों में व्यापक जाति जनगणना नहीं की गई थी। पहली बार, कर्नाटक सरकार ने 2015 में सर्वेक्षण पूरा किया। सर्वेक्षण व्यापक था और इसमें राज्य के सभी घरों को शामिल किया गया था। गणना करने वालों ने घर-घर जाकर सर्वेक्षण के दौरान बेघर लोगों को भी शामिल किया। शुरुआत में, यह प्रक्रिया 30 दिनों के लिए थी। बाद में, बचे हुए घरों को शामिल करने के लिए इसे और 10 दिनों के लिए बढ़ा दिया गया। लोगों को वरिष्ठ अधिकारियों से परामर्श करने का अवसर दिया गया था, अगर उनकी गणना नहीं की गई थी। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण सटीक था और पूरी आबादी को कवर करने की कोशिश की गई थी। आयोग द्वारा बार-बार प्रयास करने के बाद भी, कुछ परिवार छूट गए होंगे। अगर घरों पर ताले लगे होते, तो ऐसे परिवारों को कवर करने का कोई मौका नहीं था।

पूर्व अध्यक्ष ने कहा, किसी भी सर्वेक्षण में ऐसा होना अपेक्षित था। इसके अलावा, सर्वेक्षण के वैज्ञानिक न होने के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए, कांताराजू ने कहा कि सर्वेक्षण वैज्ञानिक तरीके से किया गया था। आयोग ने संबंधित न्यायालय के निर्णयों और विभिन्न आयोगों की पिछली रिपोर्टों का अध्ययन किया और सर्वेक्षण करने से पहले विशेषज्ञों से भी सलाह ली। इसे अवैज्ञानिक कहने का कोई कारण नहीं था।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में 220 लोगों ने लिया लाभ

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बन्नूर स्थित रोटरी स्कूल में निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। रोटरी के पूर्व अध्यक्ष महेंद्रसिंह राजपुरोहित ने बताया कि दृष्टि बाधितों के उपचार हेतु लगाए जा रहे नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का जरूरतमंद लाभ उठा रहे हैं। प्रत्येक माह के अंतिम शनिवार को शिविर का आयोजन लाभार्थी गवरी देवी कान सिंह सिया राजपुरोहित परिवार की ओर से किया जा रहा है। गवरीदेवी ने बताया कि समाज में विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में दृष्टिबाधित लोगों की संख्या कम करने की महत्वाकांक्षा के साथ यह सेवा कार्य कर रहे हैं। कोयबत्तूर स्थित अरविंद नेत्र चिकित्सालय के डॉ.वलय पारीख, डॉ.रघुमन, शिविर व्यवस्थापक विजयगंथ सहित नर्सिंग कर्मियों ने लोगों की आँखों की जांच की और परामर्श दे कर अरविंद नेत्र चिकित्सालय भेजा। गांवों के लगभग 220 लोगों ने आंखों की जांच कराई। इस मौके पर वेंकटेश, राजू, विजय कुमार, राजेश कुमार सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

जाति जनगणना पर चर्चा के लिए विशेष सत्र बुलाया जाए: एन रविकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधान परिषद सदस्य एन. रविकुमार ने मांग की है कि जाति जनगणना के वैज्ञानिक और गैर-वैज्ञानिक पहलुओं पर खुली चर्चा होनी चाहिए। इसके लिए सरकार को एक सप्ताह के लिए विशेष सत्र बुलाना चाहिए। उन्होंने शनिवार को शहर में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा इस जाति जनगणना को लेकर भाजपा नेताओं और कुछ समुदायों के नेताओं में असंतोष है। ऐसी शिकायतें भी हैं कि यह उचित

नहीं है। इसलिए समीक्षा की अनुमति दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा यह जाति जनगणना सर्वेक्षण 2013-14 में किया गया था। लाखों घरों में जाना संभव नहीं था। मेरे घर कोई आया ही नहीं। ऐसे में इसे सही कैसे माना जा सकता है? छोटे समुदायों को पहले ही बहुत अन्याय सहना पड़ा है। अगर उन्हें आर्थिक और सामाजिक न्याय चाहिए तो सही रिपोर्ट की जरूरत है। उन्होंने कहा इस सरकार ने दूध के दाम तीन बार बढ़ाए हैं। तीनों बार दूध के दाम में 9 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। उनका कहना है कि इसमें से 4 रुपये किसानों को मिलेंगे। लेकिन किसानों को एक भी पैसा नहीं मिलेगा। बदले में दूध से बने उत्पाद, चाय, कॉफी और होटल के स्नैक्स के दाम भी बढ़ जाएंगे।

मजदूर की हत्या के आरोप में युवक गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पीन्या पुलिस ने 19 वर्षीय एक युवक को गिरफ्तार किया है, जिसने अपने साथियों के साथ मिलकर 6 अप्रैल को एक निर्माण मजदूर का कथित तौर पर अपहरण कर लिया और लूटपाट के इरादे से उसकी हत्या कर दी। बिहार का मृतक विकास घर लौट रहा था, तभी आरोपियों ने उसे देखा और चिक्कागोलारहल्ली के पास उसका अपहरण कर लिया। उसे एक सुनसान जगह पर ले जाया गया, लोहे की रॉड से हमला किया गया और चाकू घोंप दिया गया। बाद में जख्मों के कारण उसकी मौत हो गई। इसके बाद आरोपी ने शव को फेंक दिया और फरार हो गया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान संतोष कुमार और उसके साथी किशोर के रूप में की है। अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

मेंगलूरु में केंद्रीय समुद्री विश्वविद्यालय के लिए डीपीआर तैयार: सांसद कैप्टन बृजेश चौटा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मेंगलूरु में प्रस्तावित केंद्रीय समुद्री विश्वविद्यालय के लिए एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की गई है और जल्द ही केंद्रीय शिपिंग मंत्रालय को प्रस्तुत की जाएगी। सांसद (एमपी) कैप्टन बृजेश चौटा ने इसकी घोषणा की। वे मेंगलूरु में न्यू मेंगलूरु पोर्ट अथॉरिटी (एनएमपीए) द्वारा आयोजित 'समुद्री विश्वविद्यालय' विषय पर एक कार्यशाला का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे।

उन्होंने कहा केंद्रीय समुद्री विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए मेंगलूरु सबसे उपयुक्त स्थान है। वर्तमान में इससे बेहतर कोई विकल्प नहीं है। विश्वविद्यालय का नाम रानी अब्बक्का के नाम पर रखने का प्रस्ताव है और इसकी स्थापना के बारे में रिपोर्ट जल्द ही मंत्रालय को प्रस्तुत की जाएगी। उन्होंने अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साधन के रूप में मेंगलूरु में जहाज निर्माण और जहाज मरम्मत उद्योगों की संभावनाओं का पता लगाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत में बंदरगाह आधारित विकास की वकालत करते रहे हैं। हाल ही में केंद्रीय बजट में देश के समुद्री क्षेत्र को सहायता देने के लिए जहाज निर्माण क्लस्टर और समुद्री विकास कोष की घोषणा की गई है।

इस संबंध में मेंगलूरु में अपार संभावनाएं हैं। बंदरगाह और समुद्री उद्योग विकसित भारत के सपने को साकार करने में प्रमुख भूमिका निभाएंगे। चौटा ने आगे बताया कि शिरडी घाट के माध्यम से मेंगलूरु-बेंगलूरु कॉरिडोर के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग और रेलवे मार्गों के विकास के लिए संयुक्त रूप से एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए विभागीय स्तर पर सभी आवश्यक तैयारियां चल रही हैं।

तेज रफ्तार कार ने 7 बाइकों को टक्कर मारी, 2 लोग गंभीर रूप से घायल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के अंबेडकर कॉलेज के पास एक हिट-एंड-रन का मामला सामने आया है। हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन तेज रफ्तार होंडा सिटी के

नियंत्रण खो देने और कई बाइकों को टक्कर मारने के बाद दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। एक चौंकाने वाली हिट-एंड-रन घटना में, पुनीत नामक एक व्यक्ति द्वारा चलाई जा रही तेज रफ्तार होंडा सिटी ने शुक्रवार रात करीब 9:15 बजे नगरभावी में अंबेडकर कॉलेज के पास नियंत्रण खो दिया, जिससे व्यापक अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि कार तेज गति से चल रही थी, लेकिन चालक नियंत्रण पाने में विफल रहा, जिससे एक भयानक दुर्घटना हुई। जिसके परिणामस्वरूप इलाके में खड़ी सात मोटरसाइकिलें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। इस टक्कर में दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। उनमें से एक ने दुर्घटना में अपना पैर खो दिया और वर्तमान में उसका नजदीकी अस्पताल में तत्काल उपचार चल रहा है। स्थानीय लोग तब सदमे में आ गए, जब नुकसान की गंभीरता का पता चला, और कई लोगों ने दुर्घटना के बाद की स्थिति देखी।

आयोग द्वारा की गई सामाजिक एवं शैक्षणिक रिपोर्ट वैज्ञानिक: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जाति जनगणना रिपोर्ट कैबिनेट में पेश किए जाने के साथ ही कैबिनेट मंत्री इसका मजबूती से बचाव करने के लिए आगे आए हैं। पिछड़ा वर्ग विकास मंत्री शिवराज थंगदागी ने कहा है कि आयोग द्वारा की गई सामाजिक एवं शैक्षणिक रिपोर्ट वैज्ञानिक है। भाजपा राजनीतिक कारणों से इसका विरोध कर रही है। सर्वेक्षण में 1.65 लाख लोगों ने भाग लिया। जानकारी वैज्ञानिक रूप से संकलित की गई है। उन्होंने कहा कि यह दावा कि रिपोर्ट में आंकड़ों में फेरबदल किया गया है, पूरी तरह निराधार है। सर्वेक्षण के लिए एससी/एसटी, ओबीसी अल्पसंख्यक,

लिंगायत, वोक्कालिगा सहित सभी जातियों का उपयोग किया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया पर प्रसारित आंकड़े पूरी तरह झूठे हैं। यह रिपोर्ट 17 तारीख को कैबिनेट की बैठक में प्रस्तुत की जाएगी। इसके बाद, इसमें निहित आंकड़ों और सूचनाओं पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी मंत्रियों को रिपोर्ट उपलब्ध कराने का काम पहले से ही चल रहा है।

कर्नाटक जाति रिपोर्ट पर प्रमुख समुदायों ने जताई आपत्ति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की अध्यक्षता में 17 अप्रैल को होने वाली विशेष कैबिनेट बैठक में जाति जनगणना रिपोर्ट पर चर्चा की जानी है, लेकिन कई समुदायों ने इस पर आपत्ति जताई है, जबकि कई अन्य ने इसका विरोध किया है और नए सिरे से जांच की मांग की है। कर्नाटक राज्य वोक्कालिगा संघ के अध्यक्ष बी केंचप्पा गौड़ा ने संवाददाताओं से कहा कि सर्वेक्षण रिपोर्ट दोषपूर्ण है। प्रमुख वोक्कालिगा समुदाय से ताल्लुक रखने वाले गौड़ा ने कहा इस सर्वेक्षण रिपोर्ट का कोई आधार नहीं है। यह पूरी तरह से दोषपूर्ण है। इसे 2011 की जनगणना के आधार पर तैयार किया गया है, जो आज के संदर्भ में अर्थहीन है। इसके अलावा, हमारे समुदाय के किसी भी व्यक्ति ने कभी गणनाकर्ताओं को नहीं देखा, फिर भी जाति जनगणना की गई, जो अपने आप में संदेह पैदा करती है। जगदिका लिंगायत महासभा के प्रधान महासचिव एस एम जामदार, जो सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी हैं, ने कहा कि जाति जनगणना अवैध और दोषपूर्ण है। उन्होंने कहा मेरा मानना है कि राज्य सरकार के पास भारतीय जनगणना अधिनियम के तहत जनगणना कराने का कोई अधिकार नहीं है। केवल भारत सरकार ही ऐसा कर सकती है और उन्होंने 1931 के बाद से आज तक ऐसा नहीं किया है। भारत सरकार के अलावा कोई भी प्राधिकरण जनगणना करता है तो यह अवैध है। जामदार ने बताया कि जब पूरी आबादी का सर्वेक्षण किया जाता है तो उसे जनगणना कहते हैं और जब आबादी के एक छोटे हिस्से को कवर किया जाता है तो उसे नमूना सर्वेक्षण कहते हैं। उन्होंने कहा एक अच्छा नमूना सर्वेक्षण करने के लिए पूरे नमूने को कवर करना होता है, लेकिन इस सर्वेक्षण (राज्य सरकार द्वारा) में 25 से 30 प्रतिशत नमूने को छोड़ दिया गया। इसलिए डेटा दोषपूर्ण है। उनके अनुसार, सर्वेक्षण के दौरान अपने बच्चों की शिक्षा और रोजगार के लिए आरक्षण का लाभ उठाने के उद्देश्य से लोगों द्वारा धोखाधड़ी की गई। उन्होंने कहा कि लोगों ने आरक्षण का लाभ उठाने के लिए अपनी जातियों को पिछड़े समुदायों में शामिल कर लिया। लिंगायत कर्नाटक का एक और प्रमुख समुदाय है, जिसका राज्य में दबदबा है। चित्रदुर्ग में मुरुघा मठ के प्रभारी बसवप्रभु स्वामीजी ने कहा हम इस पर निर्णय लेने के लिए सिफारिशों के सार्वजनिक होने का इंतजार करेंगे। हमें देखना होगा कि यह हमारे पक्ष में है या हमारे खिलाफ। अखिल भारत वीरशैव महासभा इस पर अंतिम फैसला लेगी। विवादास्पद सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक सर्वेक्षण, जिसे संक्षेप में जाति जनगणना कहा जाता है, शुक्रवार को राज्य मंत्रिमंडल के समक्ष प्रस्तुत किया गया। कानून और संसदीय मामलों के मंत्री एच के पाटिल ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि जाति जनगणना रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है और 17 अप्रैल को 'विशेष मंत्रिमंडल बैठक' में इस पर विस्तृत चर्चा होगी।

मेट्रो स्टेशन पर युवा जोड़े को सार्वजनिक रूप से स्नेह प्रदर्शित करते हुए वीडियो वायरल

सार्वजनिक शालीनता पर नाराजगी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के एक मेट्रो स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर एक युवा जोड़े को सार्वजनिक रूप से स्नेह प्रदर्शित करते हुए दिखाने वाला एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिससे उचित सार्वजनिक आचरण पर व्यापक बहस छिड़ गई है।

गुरुवार देर रात अपलोड किए गए 1.25 मिनट के वीडियो में यह जोड़ा नम्मा मेट्रो स्टेशन पर ट्रेन में चढ़ने के लिए प्रतीक्षा करते समय एक अभद्र कृत्य में लिप्त दिखाई देता है। बुजुर्ग व्यक्तियों सहित अन्य यात्रियों से घिरे इस जोड़े को सार्वजनिक सेटिंग की बिल्कुल भी परवाह नहीं है।

वीडियो में युवक कतार में खड़े होने के दौरान युवती के कपड़ों के अंदर अपना हाथ डालता हुआ दिखाई देता है, यह कृत्य काफी समय तक जारी रहता है। इस फुटेज ने चिंता बढ़ा दी है, कई सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने इस व्यवहार को सार्वजनिक स्थान के लिए अनुचित बताते हुए इस पर असहमति जताई है। अधिकारियों से इस तरह के व्यवहार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सार्वजनिक स्थान सभी के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और सम्मानजनक बने रहें। बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) ने अभी तक इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 'कर्नाटक पोर्टफोलियो' द्वारा पोस्ट किया गया था, जिसमें लिखा था, क्या बेंगलूरु दिल्ली मेट्रो संस्कृति की ओर बढ़ रहा है? नम्मा मेट्रो स्टेशन पर सार्वजनिक व्यवहार से बेंगलूरु में शालीनता पर सवाल उठते हैं। पोस्ट में निराशा और चिंता व्यक्त करते हुए कहा गया, कुछ लोग अब सार्वजनिक स्थानों पर जिस तरह का व्यवहार कर रहे हैं, उसे देखना बेहद निराशाजनक और चिंताजनक है।

मदावरा के पास नम्मा मेट्रो स्टेशन पर हाल ही में हुई एक घटना ने कई लोगों को हैरान और असहज कर दिया है। एक युवक अपनी प्रेमिका के साथ बेहद अनुचित व्यवहार करते हुए देखा गया, उसके साथ खड़े होकर अश्लील तरीके से उसके कपड़ों के अंदर हाथ डालता हुआ। इस तरह की हरकतें, खासकर मेट्रो स्टेशन जैसे सार्वजनिक स्थान पर, पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं।

सड़क हादसे में व्यक्ति की मौत

चिक्कबल्लापुर/शुभ लाभ ब्यूरो। चेलूर के यारबल्ली गांव के पास शुक्रवार रात केएसआरटीसी बस और दोपहिया वाहन के बीच टक्कर हो जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान मंजूनाथ (35) के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि यह घटना तब हुई जब मंजूनाथ अपनी पत्नी के गृहनगर मचुराल्ली गए थे। वह अपने 20 दिन के बच्चे और पत्नी की देखभाल करने के बाद रात में बाइक से गांव लौट रहे थे, तभी तुमकुर से मंसूरल्ली की ओर जा रही एक परिवहन बस और बाइक के बीच आमने-सामने टक्कर हो गई। खबर मिलते ही पीएसआई नागराजू और बेलूर पुलिस स्टेशन के स्टाफ ने घटनास्थल का दौरा किया, निरीक्षण किया और आगे की कार्रवाई की।

कर्नाटक सरकार के खिलाफ 60 प्रतिशत कमीशन के आरोपों को एसआईटी जांच में शामिल करें: बोम्मई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक कैबिनेट द्वारा पिछली भाजपा सरकार के खिलाफ 40 प्रतिशत कमीशन के आरोपों की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने के फैसले पर भगवा पार्टी के नेता बसवराज बोम्मई ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने शनिवार को मांग की कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों को भी एसआईटी के दायरे में लाया जाए। उन्होंने विभिन्न ठेकेदार संघों द्वारा लगाए गए आरोपों का हवाला देते हुए आग्रह किया कि एसआईटी को पिछले दो वर्षों में वर्तमान सरकार के खिलाफ लगाए गए 60 प्रतिशत कमीशन के आरोपों की जांच करनी चाहिए। उनकी यह टिप्पणी न्यायमूर्ति नागमोहन दास आयोग की रिपोर्ट के आधार पर एसआईटी जांच की घोषणा के एक दिन बाद आई है। राज्य में भाजपा के कार्यकाल के दौरान किए गए सिविल कार्यों में 40 प्रतिशत कमीशन के आरोपों की जांच के लिए सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के तहत गठित एक सदस्यीय जांच आयोग ने पिछले महीने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को 20,000 पन्नों की रिपोर्ट सौंपी थी। राज्य सरकार के फैसले के बारे में पूछे जाने पर बोम्मई ने कहा कि 40 प्रतिशत भ्रष्टाचार के आरोपों के बारे में झूठे प्रचार की जांच के लिए पहले ही एक आयोग का गठन किया जा चुका है। उन्होंने मांग की कि उस आयोग की रिपोर्ट की सामग्री सार्वजनिक की

जाए। बोम्मई ने कहा यह सरकार चीजों को छिपाने की कोशिश क्यों कर रही है? पिछले दो वर्षों में, इस सरकार के खिलाफ 60 प्रतिशत भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। इसे भी एसआईटी जांच में शामिल किया जाना चाहिए। कर्नाटक के पूर्व सीएम ने बताया कि लोक निर्माण, आबकारी और विद्युत ठेकेदार संघों ने खुले तौर पर आरोप लगाया है कि वर्तमान सरकार में 60 प्रतिशत भ्रष्टाचार व्याप्त है। उन्होंने कहा कि जांच में भाजपा के कार्यकाल के आरोप भी शामिल होने चाहिए। उन्होंने कहा राजनीतिक विरोधियों ने हमारे खिलाफ झूठे आरोप लगाए, लेकिन सबूत कहां हैं? अब सीएम सिद्धरामैया और डिप्टी सीएम डी के शिवकुमार कह रहे हैं कि अगर कमीशन की मांग की जा रही है तो लोगों को लोकायुक्त के पास शिकायत दर्ज करानी चाहिए। भाजपा के कार्यकाल के दौरान भी हमने यही कहा था- लेकिन कोई भी शिकायत लेकर आगे नहीं आया। वरिष्ठता के आधार पर पूरे हो चुके कार्यों के भुगतान रोके जाने के आरोपों का जवाब देते हुए बोम्मई ने दावा किया कि सरकार के पास पूरे हो चुके प्रोजेक्ट के भुगतान के लिए फंड नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया इसलिए, भले ही टेंडर दिए जा चुके हों, लेकिन ठेकेदार काम करने से कतरा रहे हैं। बोम्मई ने आगे आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार और सीएम सिद्धरामैया जाति जनगणना की राजनीति में लिप्त हैं। उन्होंने दावा किया सर्वेक्षण करने से पहले ही उन्हें आधिकारिक तौर पर इसे जाति जनगणना घोषित कर देना चाहिए था। इसके बजाय, उन्होंने इसे सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण के रूप में पेश किया और जाति से संबंधित डेटा एकत्र किया। उन्होंने कहा कि पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष ने रिपोर्ट पेश की, लेकिन न तो सचिव और न ही आयोग के अन्य सदस्यों ने उस पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने कहा अगर यह सरकार वास्तव में पिछड़े वर्गों की परवाह करती है, तो उन्हें रिपोर्ट सार्वजनिक करनी चाहिए और बताना चाहिए कि उनके कल्याण के लिए उनके पास क्या योजनाएं हैं। बोम्मई ने यह भी याद दिलाया कि सरकार ने कहा था कि कैबिनेट इस मुद्दे पर चर्चा करेगी, लेकिन अब इसे अगली कैबिनेट बैठक तक के लिए टाल दिया गया है। उन्होंने कहा वे इसका अध्ययन करने के लिए एक और कैबिनेट उपसमिति बना रहे हैं। बोम्मई ने आरोप लगाया मुख्यमंत्री केवल यह बात कर रहे हैं कि पिछड़े समुदाय किसी का पेट नहीं भरेंगे। पिछले तीन-चार सालों से वे इस मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं।

विशेष पिक्चर पोस्ट कार्ड की एल्बम की भेंट

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो बेंगलूरु की ओर से हाल ही में फ्रीडम पार्क में आयोजित विश्व नवकार महामंत्र दिवस कार्यक्रम के दौरान विशेष पिक्चर पोस्ट कार्ड व विशेष डाक टिकट का विमोचन किया गया था।

इसी बीच प्रधानमंत्री 15 सूत्रीय अल्पसंख्यक कल्याण कार्यक्रम समिति सदस्य एवं शिक्षाविद् महेन्द्र सिंघी, रेलवे अधिकारी अजय जैन व अन्य ने बेलगावी में महावीर जन्म कल्याणक के अवसर पर आयोजित समारोह में भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव समिति के पदाधिकारी, बेलगावी विधायक अभय पाटिल, पूर्व विधायक संजय पाटिल, समिति के कार्यदर्शी राजेंद्र कटारिया और सुनील हनमन्नावर को उसका एल्बम प्रदान किया। इस मौके पर बेलगावी जिलाधिकारी युवा आईएएस अधिकारी मोहमद रोशन, केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रोफेसर सिद्दू अलगुर, बेलगावी महापौर मंगेश पवार, उप महापौर वाणी विलास जोशी, जीतो बेलगावी के विक्रम जैन, भाजपा नेता एम.बी. जिरली, मनोज संचेती, भारतेश शिक्षण संस्थान के सचिव विनोद दोड्डनवर, सचिन पाटिल, जयतीर्थ सौदत्ती सहित अन्य उपस्थित थे।

चुनाव आयोग हमेशा मतदाताओं के साथ खड़ा था, है और सदैव खड़ा रहेगा : ज्ञानेश कुमार

रांची, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा है कि झारखंड की इस महान धरती पर मुझे सभी से मिलने और उनका अभिवादन करने का अवसर मिला है।

मैंने वालेंटियरस से बातचीत की, जिसके दौरान मुझे एहसास हुआ कि झारखंड में लोकतंत्र की जड़ें बहुत मजबूत हैं। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष से अधिक आयु के प्रत्येक नागरिक को निर्वाचक बनना चाहिए। चुनाव आयोग हमेशा मतदाताओं के साथ खड़ा था, है और सदैव खड़ा रहेगा।

श्री कुमार आज झारखंड के रामगढ़ के सीसीएल गेस्ट हाउस स्थित सभागार में वालेंटियर के साथ एक्सपेरिएंस शेयर कार्यक्रम के उपरांत मीडिया के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री कुमार ने कहा कि हर मतदान केंद्र पर एक बूथ लेवल अधिकारी नियुक्त किया जाता है और हर बूथ पर हर राजनीतिक दल को बूथ लेवल एजेंट नामित करने का अधिकार होता है। हर नागरिक एक निर्वाचक के रूप में सभी सुविधा अपने बूथ पर प्राप्त कर सकते है। अगर किसी व्यक्ति को निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी के निर्णय पर आपत्ती है तो वह जिला निर्वाचन पदाधिकारी/डीईओ के समक्ष अपील कर सकता है, साथ ही जिला निर्वाचन पदाधिकारी/डीईओ के निर्णय के विरुद्ध मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के समक्ष अपील दायर की जा सकती है। झारखंड में किसी भी जिला निर्वाचन पदाधिकारी/डीईओ या सीईओ कार्यालय के समक्ष कोई भी अपील लंबित नहीं है, जिसका मतलब है कि झारखंड में मतदाता सूची मतदाताओं एवं अन्य सभी सत प्रतिशत संतुष्टि के करीब है, इसके लिए झारखंड की निर्वाचन टीम सराहना की पात्र है।

इस अवसर पर श्री कुमार ने बताया कि मैं झारखंड में दो दिनों के लिए हूं इस बीच में कुछ कठिन स्थानों पर भी जाऊंगा।

इससे पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ने विगत के चुनावों में भाग लेने वाले वालेंटियर से एक्सपीरियंस शेयर कार्यक्रम को संबोधित किया एवं उनके द्वारा किए गए कार्यों को सराहा। इस एक्सपीरियंस शेयरिंग कार्यक्रम के स्वागत संबोधन में झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने वालेंटियरस को संबोधित करते हुए, कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के सर्वोच्च पद पर आसीन मुख्य चुनाव आयुक्त आज हम सब के बीच उपस्थित है एवं आप सभी के अनुभवों को साझा कर रहें है। आप सभी वालेंटियर से आग्रह है कि आपके मन में किसी भी प्रकार के प्रश्न है तो उसे बे-झिझक पूछें। इस मौके पर रामगढ़ के उपायुक्त-सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी चंदन कुमार ने अपने संबोधन में यहां उपस्थित वालेंटियर के कार्यों को सराहा एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम को रामगढ़ जिले के एसडीओ अनुराग तिवारी एवं वालेंटियर के मास्टर ट्रेनर श्री संजय कुमार राय ने भी संबोधित किया एवं कार्यक्रम के अंत में अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ नेहा अरोड़ा ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन उप सचिव श्री देव दास दत्ता द्वारा किया गया।

इस अवसर पर झारखंड के अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ नेहा अरोड़ा, रामगढ़ के उपायुक्त चंदन कुमार, एस पी अजय कुमार, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार सहित निर्वाचन एवं रामगढ़ जिले के पदाधिकारीगण, जिले के वालेंटियर एवं बीएलओ उपस्थित थे।

मदरसे के बलात्कारी मौलवी को 187 साल की सजा

कन्नूर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। केरल के कन्नूर जिले की पॉक्सो कोर्ट ने एक मदरसा मौलवी मोहम्मद रफी को 187 साल की सजा सुनाई है। कोर्ट ने 41 वर्षीय रफी को यह सजा एक 13 साल की नाबालिग बच्ची के साथ बार-बार रेप और उसके यौन शोषण के जघन्य अपराध को लेकर सुनाई है। मौलवी मोहम्मद रफी ने मासूम बच्ची जो उसके मदरसे में पढ़ने आती थी, उसका बार-बार बलात्कार किया।

इस घटना का खुलासा तब हुआ जब बच्ची मदरसे से घर आने के गुमसुम रहने लगी उसका ध्यान पढ़ाई पर जाता ही नहीं था, माता पिता को उसके व्यवहार और शारीरिक बनावट में बदलाव दिखा तो वह चिंतित हो उठे। जिसके बाद वह बच्ची को काउंसलर के पास ले गए, जहां बच्ची ने मौलवी द्वारा किए गए रेप और यौन शोषण की घटनाओं का खुलासा किया।

घटना की जानकारी के बाद बच्ची के माता-पिता ने मौलवी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई तब जाकर पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज हुआ। मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने रफी को दोषी पाया और कठोर सजा सुनाई। कोर्ट ने पोक्सो एक्ट की धारा 5(टी) के तहत 5 साल की सजा और 5 लाख रुपए का जुर्माना, धारा 5(एफ) के तहत भरोसा तोड़ने के लिए 35 साल की कैद और 1 लाख का जुर्माना, बार-बार यौन शोषण के लिए 35 साल की सजा, ओरल सेक्स के लिए 20 साल की कैद और 50 लाख का जुर्माना, और आईपीसी की धारा 376 के तहत रेप के लिए 25 साल की सजा और 1 लाख का जुर्माना लगाया। इसके अलावा, जान से मारने की धमकी देने के लिए भी सजा दी गई। हालांकि, कई सजाएं एक साथ चलेंगी, जिसके चलते रफी को अधिकतम 50 साल जेल में रहना होगा। मौलवी मोहम्मद रफी पहले से ही शादीशुदा है। लेकिन उसकी हरकतों के कारण उसकी बेगम ने तलाक ले लिया था।

अनियंत्रित वाहन नदी में गिरा पांच की मौत, एक घायल

टिहरी गढ़वाल/देहरादून, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल जनपद के देवप्रयाग क्षेत्र में शनिवार सुबह बिना नंबर का एक नया वाहन थार, अलकनंदा नदी में जा गिरा जिसमें एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गयी जबकि एक अन्य घायल है।

हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस और एसडीआरएफ ने वाहन सवार एक महिला को रेस्क्यू कर निकाल लिया जबकि काफी मेहनत उपरांत अन्य पांच के शव निकाले जा सके। मृतकों में एक दंपति और दो किशोर एक ही परिवार के हैं, जो फरीदाबाद (हरियाणा) निवासी हैं। जबकि एक मृत उनका रिश्तेदार है, जो रुड़की (उत्तराखंड) का निवासी है।

पुलिस अधीक्षक (एसपी), टिहरी, आयुष अग्रवाल ने बताया कि आज पुलिस चौकी भद्रेगांव को स्थानीय व्यक्ति द्वारा बादशाह ढाबे से पीछे देवप्रयाग की तरफ नदी में एक वाहन गिरने की सूचना मिली।

इस पर बिना समय गंवाए थानाध्यक्ष महिपाल सिंह रावत सहयोगी एसडीआरएफ व राहत बचाव उपकरण के साथ दुर्घटना स्थल पहुंचे। जहां एक थार कार ए /एफ नम्बर लिखा, नदी में मिला।

ये वाहन रुड़की से गोचर जा रहा था। जिसको सुनील गुसाई पुत्र होशियार सिंह गुसाई, निवासी 48, सैनिक कालोनी, फरीदाबाद, उम्र 44 वर्ष चला रहा था।

श्री अग्रवाल ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त वाहन में कुल छह लोग सवार थे। जिसमें एक महिला अनिता नेगी, पत्नी मदन सिंह नेगी, निवासी दुर्गा कालोनी, रुड़की उम्र 45 वर्ष गम्भीर रूप से घायल हो गयी।

उसे पुलिस एवं एसडीआरएफ टीम ने रेस्क्यू कर, घायल अवस्था में बेस अस्पताल श्रीकोट, श्रीनगर भेजा गया।

जहां उसका ईलाज जारी है। वाहन चालक सुनील के अलावा उसकी पत्नी मीना गुसाई, दो पुत्र क्रमशः धैर्य गुसाई, उम्र 14 वर्ष, सृजल गुसाई, उम्र 12 वर्ष और घायल रिश्तेदार महिला का पुत्र आदित्य गुसाई पुत्र मदन सिंह गुसाई, उम्र 16 वर्ष, निवासी दुर्गा कालोनी, रुड़की, हरिद्वार की नदी में डूबने से मृत्यु हो गयी। यह सभी शव कई घंटे बाद नदी की तेज धार से बरामद किए जा सके हैं।

एलओसी के बाद अब किश्तवाड़, डोडा और उधमपुर में सुरक्षा बढ़ाई गई

जम्मू, 12 अप्रैल (ब्यूरो)। घुसपैठ रोकने के लिए ड्रोन, चेहरे की पहचान करने वाली प्रणाली और वाहन स्कैनर जैसी जिन तकनीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है उसे अब आतंकवाद ग्रस्त जिलों में अपनाया जाने लगा है। अधिकारियों ने लोगों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना सुरक्षा बलों को देने का भी आग्रह किया है।

अधिकारियों ने यह भी बताया कि जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के छत्रू वन क्षेत्र में चल रही मुठभेड़ के दौरान तीन आतंकवादी मारे गए और हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा बरामद किया गया। 5 सेक्टर असम राइफल्स मुख्यालय में एक संयुक्त

प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए, 5 सेक्टर असम राइफल्स के कमांडर ब्रिगेडियर जेबीएस राठी और किश्तवाड़-डोडा-रामबन रेंज के उप महानिरीक्षक श्रीधर पाटिल ने कहा कि क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में खुफिया जानकारी मिलने के बाद 9 अप्रैल को अभियान शुरू हुआ था। ब्रिगेडियर राठी ने कहा कि भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर और जम्मू कश्मीर पुलिस का संयुक्त अभियान कठिन भूभाग और मौसम की स्थिति के बावजूद जारी रहा। उन्होंने कहा कि तलाशी दलों ने 11 अप्रैल को एक आतंकवादी और 12 अप्रैल को दो और आतंकवादियों को मार गिराया।

उन्होंने कहा कि बरामद हथियारों में एक एके राइफल और एक एम4 राइफल के अलावा अन्य सामान शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मारे गए आतंकवादियों की पहचान की पुष्टि की जा रही है। डीआईजी श्रीधर पाटिल ने कहा कि क्षेत्र में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था है और तलाशी अभियान जारी है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की पूरी तरह से सफाई और इसमें शामिल कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चरणबद्ध तरीके से अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि चल रहा अभियान क्षेत्र में आतंकवादी गतिविधियों का मुकाबला करने की एक बड़ी रणनीति का हिस्सा है। डीआईजी ने कहा कि सुरक्षा बलों ने किश्तवाड़, डोडा और उधमपुर जिलों में निगरानी और क्षेत्र वर्चस्व बढ़ा दिया है। उन्होंने बताया कि आतंकियों के आवागमन का पता लगाने और घुसपैठ को रोकने के लिए ड्रोन, चेहरे की पहचान करने वाली प्रणाली और वाहन स्कैनर जैसी तकनीकों का इस्तेमाल अब आतंकवाद ग्रस्त इलाकों में भी किया जा रहा है। अधिकारियों ने लोगों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना सुरक्षा बलों को देने का भी आग्रह किया।

संस्थान निजी पर सरकारी दर पर भर रहे बिजली बिल

प्रतिमाह करोड़ों रुपए के राजस्व का हो रहा नुकसान

लखनऊ, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। लखनऊ में बिजली सप्लाई को लेकर फर्जीवाड़ा सामने आया है। यहां बिजली महकमा निजी संस्थानों से सरकारी दरों पर बिजली वसूल रहा है। दूसरी तरफ मुख्यमंत्री से मुख्य सचिव बिजली के सुधार और उसकी निजीकरण के तिकड़म में लगे हुए हैं।

दुबग्गा खंड के बादशाहखेड़ा में शीलावती के नाम से दो किलोवाट का घरेलू कनेक्शन है। इस कनेक्शन की बिजली गुरुकुल पब्लिक स्कूल में जल रही है। स्कूल संचालक 5.50 से 6.50 रुपए प्रति यूनिट के रेट से बिल जमा कर रहे, मगर स्कूल का बिल नौ रुपए प्रति यूनिट के रेट से भरना चाहिए। इससे प्रति माह न्यूनतम 1000 रुपए की चपत लग रही है। ठाकुरगंज खंड के तहत बालागंज में एक नर्सिंग होम में नौ किलोवाट का बिजली कनेक्शन है। डॉक्टर प्रतिमाह नर्सिंग होम का बिल दुकान की टैरिफ में चुका रहे हैं। यहां प्रतिमाह औसतन 1000 यूनिट बिजली जलती है और बिल 7.50 से 8.75 रुपए प्रति यूनिट हिसाब से बिल भरा जाता है, जबकि ये बिल नौ रुपए प्रति यूनिट के रेट से जमा होने चाहिए। इससे प्रतिमाह 2000 रुपए का चूना लग रहा है।

चिनहट के कमता इलाके में एक डिग्री कॉलेज है, जिसमें महज पांच किलोवाट का बिजली कनेक्शन है। इसका बिल भी कॉमर्शियल रेट से जमा हो रहा। इलाकाई इंजीनियरों ने एक बार भी जांच करके पता नहीं लगाया

कि डिग्री कॉलेज का विद्युत लोड कितना है। ये केस यह बताने के लिए काफी हैं कि कैसे बिजली महकमा अपने ही राजस्व को चोट पहुंचा रहा है। निजी स्कूल, कोचिंग, नर्सिंग होम, ब्लड बैंक आदि के लिए विद्युत नियामक आयोग ने बिजली दरों का एक अलग टैरिफ बना रखा है, जिसे टैरिफ 4बी कहते हैं। लेकिन, निगम के अफसर-इंजीनियर टैरिफ 4बी के रेट से बिल वसूलने के बजाय कॉमर्शियल रेट से बिल बनाकर जमा करा रहे, जिससे प्रतिमाह करोड़ों रुपए की चपत लग रही है।

बता दें कि बिजली के कमर्शियल रेट के मुकाबले टैरिफ 4बी के रेट ज्यादा हैं। मिलीभगत यह है कि एजेंसियां प्रतिमाह एक खास मशीन से उपभोक्ताओं के बिल बनाती हैं, लेकिन वह भी शीर्ष स्तर पर इतने बड़े घालमेल की रिपोर्ट नहीं कर रहीं। पड़ताल में राजधानी का कोई भी अभियंता नहीं बता सका कि उसके खंड एवं उपकेंद्र इलाके में कितने निजी नर्सिंग होम, ब्लड बैंक, स्कूल, डिग्री कॉलेज व कोचिंग सेंटर हैं। लापरवाही का आलम यह कि मुख्यालय स्तर पर उपभोक्ताओं के अलग-अलग बनने वाले आंकड़े में भी इसका कहीं उल्लेख नहीं है।

मध्यांचल विद्युत वितरण निगम, लखनऊ के निदेशक (वाणिज्य) योगेश कुमार ने कहा, विद्युत नियामक आयोग ने 4बी नाम से बिजली की दरों का अलग टैरिफ बनाया है, जो निजी संस्थाओं पर लागू होता है। इसमें निजी नर्सिंग होम, ब्लड बैंक, निजी स्कूल व डिग्री कॉलेज, कोचिंग सेंटर आदि आते हैं। व्यावसायिक एवं 4बी, दोनों की बिजली दरें एवं फिक्स चार्ज अलग-अलग हैं। निजी संस्था में उपभोग की जाने वाली बिजली का बिल कमर्शियल वसूलना खंडीय इंजीनियरों की बड़ी ला-परवाही है। इसके लिए मुख्य अभियंता को आदेश देंगे कि वह टीम बनाकर चेकिंग कराएं। गलती को सुधारते हुए निजी संस्थाओं से सही टैरिफ में बिल की वसूली की जाए। नियमानुसार डिफरेंस भी वसूल किया जाए। राजधानी के निजी संस्थानों में 6000 प्राइमरी स्कूल, 800 इंटर कॉलेज, 175 डिग्री कॉलेज, 500 कोचिंग सेंटर, 1500 नर्सिंग होम और 1000 पैथॉलॉजी हैं। 1.40 लाख व्यावसायिक कनेक्शन हैं और 500 करोड़ की प्रतिमाह बिल वसूली की जा रही है।

आजमगढ़ में धर्मांतरण रैकेट का भंडाफोड़

नौकरी और पैसे का लालच देकर बना रहे थे ईसाई

आजमगढ़, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की आजमगढ़ पुलिस ने अहिरौला थाना क्षेत्र के अरुषा गांव में एक घर के अंदर चल रहे एक ईसाई धर्मांतरण रैकेट का भंडाफोड़ किया। जिस घर में धर्मांतरण की गतिविधि चलने की बात कही जा रही है, वहां 30 से अधिक पुरुष और महिलाएं जुटे हुए थे। पुलिस ने घर के मालिक गुलाबचंद और उसकी पत्नी बंदेयी को गिरफ्तार कर लिया है।

ग्रामीणों का आरोप है कि धर्मांतरण की इस गतिविधि में कुछ बाहरी लोग शामिल हैं। स्थानीय लोगों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए पैसे और नौकरी के लालच दिए जा रहे थे। इसके साथ उन्हें हिंदू देवी-देवताओं की पूजा नहीं करने की हिदायत भी

दी जा रही थी। कहा जा रहा है कि धर्मांतरण गतिविधि लंबे समय से चल रही थी। इसकी शिकायत हैप्पी सिंह नाम के एक स्थानीय व्यक्ति ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद इसका भंडाफोड़ हुआ। शिकायत मिलने पर पुलिस आरोपित के घर पहुंची और वहां से एक बाइबिल और कुछ पर्चे बरामद कर लिए। आरोपित पति-पत्नी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई और पूछताछ कर रही है।

सेना के यूएवी से जख्मी सैनिक की मौत

जम्मू, 12 अप्रैल (ब्यूरो)। जम्मू में सेना के ही अनमैन्ड एरियन व्हेकिल (यूएवी) के क्रैश हो जाने से जख्मी हुए, सैनिक नायक सुरेंद्र की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। रक्षा सुरक्षा कोर (डीएससी) के नायक सुरेंद्र दो दिन पहले जम्मू में एक हवाई क्षेत्र में निगरानी मिशन पर सेना के एक मानव रहित हवाई

वाहन (यूएवी) के दुर्घटनाग्रस्त होने से गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्होंने शनिवार को एक सैन्य अस्पताल में दम तोड़ दिया।

अलगाववाद से अलग हुआ जम्मू-कश्मीर मास मूवमेंट

श्रीनगर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बताया है कि जम्मू-कश्मीर मास मूवमेंट ने ऑल पार्टीज हुर्रियत कॉन्फ्रेंस से खुद को अलग कर लिया है। इस फैसले के साथ अब तक कुल 12 संगठन हुर्रियत से अलग होकर भारत के संविधान पर विश्वास जता चुके हैं।

अमित शाह ने इस कदम का स्वागत करते हुए कहा कि यह जम्मू-कश्मीर में

एकता और शांति की दिशा में एक अहम पहल है। हुर्रियत की स्थापना 1993 में 26 संगठनों के समूह के रूप में हुई थी, जो कश्मीर को भारत से अलग मानते थे। परंतु अब जम्मू-कश्मीर मास मूवमेंट ने स्पष्ट रूप से अलगाववाद को खारिज कर भारत की अखंडता के प्रति अपनी निष्ठा जताई है।

यह घटनाक्रम 9 अप्रैल को तीन अन्य संगठनों, जम्मू-कश्मीर इस्लामिक पॉलिटिकल पार्टी, मुस्लिम डेमोक्रेटिक लीग और कश्मीर फ्रीडम फ्रंट के हुर्रियत से अलग होने के दो दिन बाद सामने आया है।

इससे पहले भी 25 मार्च से लेकर अप्रैल के पहले सप्ताह तक कई संगठनों ने इसी तरह की घोषणाएं की हैं। अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार के नेतृत्व में घाटी में देशभक्ति की भावना और विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे

करणी सेना के अध्यक्ष ओकेंद्र राणा ने कहा, सपा सांसद को सीख देंगे

राणा सांगा का शौर्य भारतभूमि को स्वाभिमान से सिंचित करता रहेगा: योगी

- महान प्रतापी राजा राणा सांगा की जयंती पर सीएम योगी ने अर्पित की श्रद्धांजलि
- सपा सांसद की बेजा टिप्पणी के खिलाफ करणी सेना का गरा में जोरदार प्रदर्शन

लखनऊ, 12 अप्रैल (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परम प्रतापी राणा सांगा की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने राणा सांगा के शौर्य, राष्ट्रभक्ति और धर्मरक्षा के लिए उनके समर्पण को स्मरण करते हुए कहा, धर्मरक्षा हेतु समर्पित रहे परम प्रतापी राणा सांगा जी की जयंती पर उन्हें कोटिश: नमन। राष्ट्रभक्ति और त्याग की प्रतीक उनकी यशगाथा इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है। उनका शौर्य युगों-युगों तक भारतभूमि को स्वाभिमान से सिंचित करता रहेगा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने राणा सांगा के जीवन को प्रेरणादायी बताते हुए उनके योगदान को भारतीय इतिहास का गौरवपूर्ण हिस्सा करार दिया।

दूसरी तरफ, सपा सांसद रामजीलाल सुमन ने राणा सांगा के खिलाफ पिछले दिनों जो बेजा टिप्पणी की थी उसके खिलाफ आज करणी सेना ने आगरा शहर को अपने नियंत्रण में ले लिया। करणी सेना ने आगरा में जोरदार प्रदर्शन किया, जिसमें लाखों की संख्या में पुरुष और महिलाएं शामिल थीं। करणी सेना के तलवारधारी सदस्य प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे थे। करणी सेना के अध्यक्ष ओकेंद्र राणा ने सपा सांसद रामजी लाल सुमन के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा दर्ज करने, सपा सांसद की राज्यसभा सदस्यता समाप्त करने और करणी सेना के कार्यकर्ताओं पर दर्ज मुकदमे वापस लेने की मांग की। करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओकेंद्र राणा गढ़ी रामी में आयोजित रक्त स्वाभिमान सम्मेलन में शामिल हुए। मंच से उन्होंने कहा कि हमारी मांगें पूरी नहीं हुई तो हम कुछ भी कर सकते हैं। सपा सांसद रामजीलाल सुमन के बयान ने क्षत्रिय ही नहीं बल्कि सनातन समाज को ठेस पहुंचाई है। अब माफी से काम नहीं चलने वाला है। उन्होंने कहा कि मांगें नहीं मानी गईं तो करणी सेना सांसद के आवास पर कूच करेगी।

केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल ने सांसद रामजी लाल सुमन के राणा सांगा पर दिए गए बयान पर कहा कि रामजी लाल सुमन द्वारा हमारे राष्ट्र वीर राणा सांगा पर टिप्पणी किए जाने पर सभी राष्ट्रवादियों की भावना आहत हुई है। जो जाति, वर्ग, क्षेत्र, धर्म और अपने पुरखों का सम्मान नहीं करता, वह आगे नहीं बढ़ पाता है। रामजी लाल सुमन ने कहा कि बाबर को राणा सांगा ने बुलाया था लेकिन राणा सांगा तो इब्राहिम लोदी को पहले ही दो बार हरा चुके थे और उसे हराने के लिए उन्हें बाबर को बुलाने की जरूरत नहीं थी। इस बयान के लिए रामजी लाल सुमन को माफी मांगनी चाहिए।

उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था अब दूसरे पायदान पर

आठवें स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंची अर्थव्यवस्था

लखनऊ, 12 अप्रैल (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश की आर्थिक प्रगति देश भर में चर्चा का विषय है। उत्तर प्रदेश आज 27.5 हजार करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था के साथ यूपी देश की देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला राज्य बन गया है। देश की जीडीपी में उत्तर प्रदेश का योगदान 9.2 फीसद है। जीडीपी की ग्रोथ राष्ट्रीय औसत 9.6 फीसद की तुलना में 11.6 फीसद है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसे 2030 तक देश की नंबर वन अर्थव्यवस्था वाला राज्य बनाने को कृत संकल्पित हैं।

हाल ही में लखनऊ में योजना विभाग की ओर से आयोजित कार्यशाला में नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार ने कहा था कि करीब 56 फीसद युवा आबादी, नौ तरह के अलग कृषि जलवायु क्षेत्र, पानी की भरपूर उपलब्धता आदि के जरिए यह संभव है। उन्होंने अलग-अलग जिलों को आर्थिक गतिविधियों का केंद्र बनाने के लिए जिस एक्शन प्लान का जिक्र किया था, उस पर योगी सरकार पहले से काम कर रही है। एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना और एक जिला-एक जीआई (जियोग्राफिकल इंडिकेशन) इसकी कड़ी है। अब तो सरकार इससे भी आगे एक जिला एक पकवान के बाबत सोच रही है। ओडीओपी योजना प्रदेश की सफलतम योजना है। इसकी तारीफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भर कर चुके हैं। इंडोनेशिया जैसे देश भी इसकी इसके मुरीद हैं।

नीति आयोग ने राजकोषीय स्थित के संबंध में जारी रिपोर्ट में यूपी को फ्रंट रनर राज्य की श्रेणी में रखा है। भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ ने भी कर की प्राप्तियों में उत्तर प्रदेश को देश में दूसरे स्थान पर रखा है। पिछले पांच वर्षों से रेवेन्यू सरप्लस स्टेट की स्थित इस बात का प्रमाण है कि सरकार ने प्रभावी तरीके से कर चोरी, इसके लीकेज को खत्म किया है। इसमें डिजिटलाइजेशन को बढ़ाकर व्यवस्था में पारदर्शिता लाने की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। ऋण और जमा अनुपात (सीडी रेशियो) जो हर दम से प्रदेश की समस्या रही है उसमें भी अच्छा खासा सुधार हुआ है। 2016/2017 में यह 46 फीसद था। 2024 में बढ़कर 61 फीसद हो गया है। मौजूदा वित्तीय वर्ष में सरकार ने इसके लिए 67 से 70 फीसद का लक्ष्य रखा है। अर्थव्यवस्था में सुधार होने से बैंकों ने भी उत्तर प्रदेश के प्रोजेक्ट्स को फाइनेंस करने में रुचि दिखाई है। आरबी आई की अगस्त 2023 की बुलेटिन के अनुसार फंड आकर्षित करने में 16.2 फीसद की हिस्-सेदारी के साथ उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान पर है।

मुंबई हमले से पहले आगरा क्यों आया था तहव्वुर राणा?

आगरा, 12 अप्रैल (एजेंसियां)।

मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर राणा के अमेरिका से प्रत्यर्पण के बाद आगरा से जुड़ा रहस्य अब सामने आ सकता है। मुंबई हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा ने आगरा के एक होटल में प्रवास किया था। वह अपनी पत्नी के साथ यहां रुका था। मुंबई हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा ने हमले से पहले आगरा में भी रेकी की थी। वह अपनी पत्नी के साथ आगरा आया था। बालूगंज के एक होटल में रुका था। सुरक्षा एजेंसियों ने वर्ष 2011 में रिकॉर्ड खंगाला था मगर पुख्ता साक्ष्य नहीं मिल सके थे।

अमेरिका से प्रत्यर्पण के बाद तिहाड़ जेल भेजे गए मुंबई हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा के आगरा में आकर ताजमहल देखने और पत्नी के साथ होटल में रुकने की जानकारी मिली थी। तब सुरक्षा एजेंसियों ने विदेशी पर्यटकों का डाटा खंगाला था। तब बालूगंज के कई होटलों में छानबीन की गई थी। एलआईयू के पुलिस लाइन के ऑफिस में भी विदेशी पर्यटकों का ब्यौरा देखा गया था। तब तहव्वुर राणा और उसकी पत्नी के आगरा में ठहरने और ताजमहल देखने के बारे में पुख्ता जानकारी नहीं मिल सकी थी। आज तक यह साफ नहीं हो सका कि मुंबई हमले से पहले राणा आगरा में क्यों आया था? ऐसे में कयास यह लगाए गए थे कि तहव्वुर राणा ने पहचान बदलकर आगरा में प्रवास किया होगा। अब उसके भारत में आने के बाद एनआईए सहित अन्य सुरक्षा एजेंसियों की पूछताछ में कुछ राज सामने आ सकते हैं।

24 को कानपुर आएंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

कानपुर को मिलेंगी तीन प्रमुख परियोजनाएं

कानपुर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 अप्रैल को कानपुर में तीन प्रमुख परियोजनाओं उद्घाटन करेंगे। पीएम मोदी मेट्रो के दूसरे फेज, पनकी पावर प्लांट और नेयवेली लिग्नाइट पावर प्लांट जनता को समर्पित करेंगे। इसके साथ ही पीएम मोदी बिल्हौर के सोलर पावर प्लांट का उद्घाटन करने के साथ-साथ कई अन्य परियोजनाओं का भी शिलान्यास करेंगे। पीएम मोदी जनसभा को भी संबोधित करेंगे। इसके लिए निराला नगर स्थित रेलवे मैदान पर तैयारियां शुरू हो गई हैं।

मोदी की इस यात्रा से पहले तैयारियों का जायजा लेने जिलाधिकारी और पुलिस कमिश्नर के साथ अधिकारियों की टीम रेलवे मैदान पहुंची और वहां बनाए जा रहे हेलीपैड और अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। सीएम योगी भी तैयारियों का जायजा लेने कानपुर आएंगे। पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने बताया कि प्रधानमंत्री की यात्रा को सफल बनाने के लिए जल्द ही पार्टी की एक बड़ी बैठक की जाएगी। जिसमें पदाधिकारियों की भूमिका भी तय की जाएगी। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री जिले की विकास योजनाओं की समीक्षा के साथ पार्टी के जनप्रतिनिधियों और प्रमुख पदाधिकारियों के साथ अलग से बैठक भी करेंगे।

विद्युत वितरण क्षेत्र में बड़े सुधार को तैयार में योगी सरकार

सुधार के नाम पर निजीकरण की तैयारी

लखनऊ, 12 अप्रैल (एजेंसियां)।

योगी सरकार प्रदेश की विद्युत व्यवस्था के निजीकरण पर आमादा है। बिजली व्यवस्था में सुधार के नाम पर निजीकरण की तैयारियां निर्णायक दौर मैं आ चुकी हैं। विद्युत वितरण क्षेत्र में निजीकरण के विभिन्न पहलुओं को लेकर शनिवार को यूपी के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने बिजली क्षेत्र की प्रमुख हस्तियों एवं भागीदार संस्थाओं के साथ विचार विमर्श किया।

बैठक में मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने स्पष्ट रूप से कहा कि प्रदेश की प्रगति और जनता की भलाई के लिए विद्युत क्षेत्र में रिफॉर्म्स आज समय की मांग हैं। खासतौर पर दक्षिणांचल और पूर्वांचल डिस्कॉम में तत्काल रिफॉर्म्स किए जाने के लिए प्रदेश सरकार ने ऐतिहासिक निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि यदि हम आज विकसित भारत और ग्रोथ की बात कर रहे हैं तो यह विद्युत क्षेत्र में रिफॉर्म्स किए बिना संभव नहीं। इस दौरान, विभिन्न प्रदेशों के विद्युत वितरण से जुड़े विशेषज्ञों ने अपने प्रदेशों में रिफॉर्म्स और निजीकरण की सक्सेस स्टोरी को साझा किया।

कार्यक्रम में मुख्य सचिव ने कहा कि विद्युत व्यवस्था को बेहतर करने के लिए हमें टफ और सेंसिटिव निर्णय लेने होंगे। प्रदेश में रूरल डोमेस्टिक कंज्यूमर की बड़ी संख्या है। प्रदेश में 75 प्रतिशत भूमि पर कृषि की जाती है। इसमें विद्युत का अत्यंत महत्व है। इसी तरह प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में औद्योगिक विकास के लिए भी बाधारहित विद्युत आपूर्ति बहुत आवश्यक है।

सभी क्षेत्रों खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित उद्योगों को भी अनवरत विद्युत प्राप्त हो, इसके लिए जूरूरी है कि निजी क्षेत्र को वितरण में भागीदार बनाया जाए। कृषि क्षेत्र को अच्छी सिंचाई सुविधा मिले, लोगों के रहन-सहन, कृषि आय बढ़ाने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में उद्योगों की स्थापना के लिए दक्षिणांचल एवं पूर्वांचल डिस्कॉम का रिफॉर्म और निजी क्षेत्र की सहभागिता के लिए कार्य किया जा रहा है। इसमें उपभोक्ता, उद्योगों और कार्मिकों के हितों का पूरा ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि कोई भी

रिफॉर्म होता है तो शुरुआत में लोग उसका विरोध करते हैं, लेकिन जब इससे उनके जीवन में सुधार होता है तो वो इसे पसंद करते हैं। उन्होंने ग्रेटर नोएडा का उदाहरण देते हुए कहा कि अब लोग एनपीसीएल का कनेक्शन लेना चाहते हैं।

इसी तरह, दुनिया या देश में जहां कहीं भी रिफॉर्म्स हुए हैं, लोगों ने इसे पसंद किया है। इससे आपूर्ति में सुधार हुआ है, लाइन हानियां कम हुई हैं। उन्होंने कहा कि हमने जो प्रक्रिया शुरू की है, उसे बिना डरे, बिना रुके लक्ष्य तक पहुंचाना है। हमें किसी के विरोध के कारण दबाव में नहीं आना है। प्रदेश के उपभोक्ताओं तथा किसानों के हित में जो भी जरूरी है वह करना है।

प्रमुख सचिव ऊर्जा नरेंद्र भूषण ने कहा कि दिल्ली, उड़ीसा, चंडीगढ़ समेत देश के कई हिस्सों में विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए रिफॉर्म्स और निजीकरण किया गया है जो बेहद सफल भी रहा है। पावर सेक्टर में रिफॉर्म्स आज की मांग है। रिफॉर्म्स के लिए शॉर्ट टर्म बेनिफिट्स की बजाए हमें लांग टर्म बेनिफिट्स के बारे में सोचना होगा। यह एक अपॉच्युर्निटी है, जो बेहतर भविष्य के लिए आवश्यक है। इन रिफॉर्म्स में कंज्यूमर्स, अन्नदाता किसान, उद्योगों के साथ-साथ कार्मिकों का भी सहयोग बहुत महत्वपूर्ण है। हमारा उद्देश्य हर क्षेत्र में बाधारहित 24 घंटे विद्युत आपूर्ति तो है ही, साथ ही यह अफोर्डेबल हो यह भी आवश्यक है।

यूपीपीसीएल के चेयरमैन डॉ आशीष गोयल ने कहा कि प्रदेश सरकार ने बड़े पैमाने पर इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार किया है। सभी डिस्कॉम को सुदृढ़ करने के लिए सरकार प्रयासरत है। खासकर दक्षिणांचल और पूर्वांचल जैसे डिस्कॉम में सुधार की तत्काल आवश्यकता है। अध्यक्ष ने कहा कि दोनों डिस्कॉम अन्य की तुलना में बहुत पीछे है। उन्होंने कहा कि रिफॉर्म की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और सभी निर्धारित मानकों के अनुरूप की जा रही है। इसमें उपभोक्ता और कार्मिकों के हितों का पूरा ध्यान रखा गया है।

ओड़ीशा इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन के पूर्व चेयरमैन उपेंद्र नाथ बथेरा ने ओड़ीशा में निजीकरण की सक्सेस स्टोरी साझा की। उन्होंने बताया कि दो दशक में विभिन्न चुनौतियों को पार करते हुए ओड़ीशा ने अपनी यात्रा को पूरा किया है। इसका लाभ आज हर सेक्शन को मिल रहा है। उन्होंने अपने अनुभव साझा करने के साथ ही रिफॉर्म्स के लिए कई सुझाव भी दिए। इसी तरह, आईएसए के डीजी आशीष खन्ना ने भी विभिन्न राज्यों और देशों में बिजली रिफॉर्म्स के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने रिफॉर्म्स के लिए मजबूत राजनीतिक समर्थन को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि रिफॉर्म्स करते वक्त ट्रांसपेरेंसी सबसे आवश्यक है। टाटा पावर के प्रतिनिधि ने कहा कि दिल्ली सहित जहां-जहां भी हम विद्युत आपूर्ति कर रहे हैं वहां विद्युत कार्मिक और विद्युत उपभोक्ता दोनों खुश हैं। पहले से बेहतर कार्मिकों को तरक्की और काम करने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने बताया कि प्राइवेट सेक्टर में किस काम से बेहतर अवसर है। एक तरफ उपभोक्ताओं को जहां समय से बल मिलता है, बेहतर मेंटेनेंस होती है, विद्युत आपूर्ति बेहतर है, वहीं पर कार्मिकों को भी बेहतर सुविधाएं मिलती है और तरक्की के भी अवसर हैं। बैठक में में प्रबंध निदेशक पंकज कुमार ने भी अपने विचार रखे

प्रदेश के सभी 17 नगर निगमों में जांची जा रही पेयजल की शुद्धता

लखनऊ, 12 अप्रैल (एजेंसियां)।

योगी सरकार ने आम जनता की सेहत को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के 17 नगर निगमों में नल के पानी की जांच कराने का फैसला किया है। इस अभियान की कमान महिलाओं के हाथ में दी गई है। उन्हें अमृत मित्र नाम दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अमृत 2.0 योजना और राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (एनयूएलएम) के तहत स्वयं

सहायता समूह की 788 महिलाओं को विशेष रूप से प्रशिक्षित कर इस काम में लगाया गया है।

अमृत मित्र महिलाएं न सिर्फ घर-घर जाकर पानी की जांच कर रही हैं, बल्कि लोगों को शुद्ध पेयजल के महत्व के बारे में जागरूक भी कर रही हैं। इस अभियान ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ समाज की सोच भी बदली है। आज वही महिलाएं, जो कभी घर की चारदीवारी तक सीमित थीं, अब घर-घर जाकर जल की गुणवत्ता की जांच कर रही हैं और लोगों की सेहत की पहरेदार बन गई हैं। अनोखी पहल ने महिला सशक्तिकरण की एक नई मिसाल कायम की है। अब ये महिलाएं न सिर्फ आत्मनिर्भर बनी हैं, बल्कि स्वच्छता और स्वास्थ्य के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव भी ला रही हैं। अमृत मित्र महिलाओं की सफलता ने साबित कर दिया है कि अगर महिलाओं को सही अवसर और मंच मिले तो वे किसी भी क्षेत्र में इतिहास रच सकती हैं। योगी सरकार की यह पहल महिला सशक्तिकरण, स्वच्छता और स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक आदर्श मॉडल बनकर उभरी है।

100 क्विंटल से ऊपर गेहूं विक्रय पर किसानों को सत्यापन से छूट

किसानों के हित में सीएम योगी ने लिया बड़ा फैसला

लखनऊ, 12 अप्रैल (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसानों के हित में बड़ा फैसला लिया है। सीएम के निर्देश पर खाद्य एवं रसद विभाग ने सत्यापन प्रक्रिया को सरल बना दिया है। 100 क्विंटल से ऊपर गेहूं विक्रय पर किसानों को सत्यापन से छूट दे दी गई है। किसान अनुमानित उत्पादन के 3 गुने तक बिक्री कर सकेंगे, जिससे कि अभिलेखों में त्रुटि इत्यादि से गेहूं बेचने में उन्हें परेशानी न हो। योगी सरकार ने व्यवस्था की है कि पंजीकृत

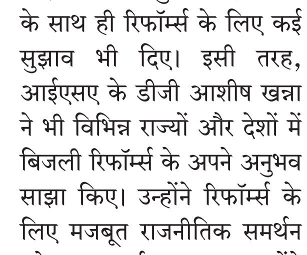

किसान सत्यापन के बिना भी 100 क्विंटल तक गेहूं बेच सकते हैं। सत्यापन के बाद कुल उत्पादकता के आधार पर अगेंस्ट उत्पादन क्षमता के तीन गुना तक गेहूं बेचने की सुविधा है, जिससे सत्यापन अथवा अभिलेखों में त्रुटि के कारण किसान को उत्पादित गेहूं बेचने में असुविधा न हो।

कुछ क्रिएटिव हो जाए!

कॉलम- इनडोर गेम्स

न स्कूल जाने का टेंशन, न ही होमवर्क की फिक्र। बस दिनभर मस्ती और खेल। क्या ?...धूप की वजह से आप नहीं जा पाते खेलने। अरे! कोई नहीं, हम हैं तो क्या गम है। इनडोर गेम्स का ये कॉलम आप सब के लिए ही तो है। जानिए इन रोचक खेलों के बारे में जिन्हें आप घर में बैठे-बैठे खेल सकते हैं। फिर देखिए क्या है खास इस बार... !

कहानी पढ़ना आपको अच्छा लगता है न और कई विज्ञापन भी ऐसे होते होंगे, जिन्हें देखकर हंसना बंद ही नहीं होता। आप सोचते होंगे न कि ये तो कोई खास लोग ही होंगे, जो इतनी अच्छी कहानियां लिख लेते होंगे या फिर इतना मजेदार विज्ञापन बना लेते होंगे। आपको लगता होगा कि काश हममें भी ये खास हुनर होते। हो स न इनडोर गेम्स की मदद लीजिए।

कहानी बुनो

कहानी बुनना, एक अनोखी कला है। हो सकता है ये आपके भीतर हो या फिर आपके किसी दोस्त के पास ये खूबी मौजूद हो। इस खेल के जरिए आप उसकी इस खूबी का पता लगा सकते हैं।

कितने खिलाड़ी :

इस खेल के लिए कम से कम दस खिलाड़ी चाहिएं। ताकि दो टीम में बांटे जा सकें।

क्या चाहिए

पेन या पेन्सिल छोटे-छोटे कार्ड या काग़ ।

यूं खेलें इसे

अब जितने भी खिलाड़ी हैं, उनकी दो टीम बना लीजिए। अब एक टीम के सदस्य दूसरी टीम के सदस्यों को कागज के टुकड़ें देंगे और पेन्सिल पर उनसे एक शब्द लिखने को कहेंगे। अब सभी से कागज की वो पर्चियां लेकर उसी टीम के एक सदस्य को बुलाकर उस देंगे। पर्चियों पर लिखे शब्दों को एक कहानी में पिरोने के लिए कहें। कहानी को गढ़ने के लिए एक मिनट का समय दें और सुनाने के लिए दो मिनट का। यही प्रक्रिया दूसरी टीम के सदस्य भी करें। जिस टीम की कहानी सबसे ज्यादा मजेदार होगी, वो टीम इस खेल की विजेता होगी। बुन लीजिए, अपनी कहानी भी।

एड गुरु बनते हैं!

किसी को अपनी बात समझाने में आप कितने माहिर हैं, ये परखने के लिए इस खेल से बेहतर और कुछ भी नहीं। आइए जानते हैं कैसे खेलें इसे।

कितने खिलाड़ी

इस खेल को खेलने के लिए आठ से दस खिलाड़ियों की आवश्यकता होगी।

क्या चाहिए : दो बैग

कुछ समान, जैसे- पेन्सिल, पेन, रबर, हेयर क्लिप...आदि।(घर में ऐसे सामान जो आसानी से मिल जाते हैं और जिन्हें उस बैग में रखा जा सकता है।)

यूं खेलें

इस खेल में शामिल खिलाड़ियों की दो टीम बना लीजिए। समान से भरे बैग भी दोनों टीम में एक-एक दे दीजिए। पहली टीम दूसरी को अपने पास रखे बैग में से एक समान निकाल देगी। दूसरी टीम को मिले समान को बतौर उत्पाद लेना है। इस उत्पाद के लिए मजेदार विज्ञापन तैयार कीजिए। सभी टीम से एक-एक सदस्य को बुलाइए और उसके द्वारा तैयार किए विज्ञापन को सुनाने के लिए कहिए।

अगर आपके पास वीडियोकैम है तो इसे रिकॉर्ड भी कर सकते हैं। इस विज्ञापन के लिए एक समय सीमा भी निर्धारित कीजिए। आप इसके लिए हर खिलाड़ी को 10-15 मिनट का समय दे सकते हैं। अब जिस भी टीम के सबसे ज्यादा खिलाड़ियों ने अच्छे विज्ञापन बनाए हैं, वो होगी विजेता।

उड़ जाए ये पंख

कभी कागज का कोई टुकड़ा फूंक मार कर उड़ाया है। बस यही तो करना है इसमें, पर कागज की जगह है यहां एक पंख।

कितने खिलाड़ी

इसमें चार से पांच खिलाड़ियों की आवश्यकता होगी।

क्या चाहिए : जितने खिलाड़ी उतने पंख।

यूं खेलें : इस खेल में शामिल सभी खिलाड़ियों को एक-एक पंख दें। अब एक खिलाड़ी को बोले कि अपनी फूंक के सहारे पंख को हवा में ही रखे। पांच मिनट पंख को हवा में रखने वाला खिलाड़ी विजेता होगा, वहीं अगर एक स्थान से दूसरे स्थान पर यानी एक कमरे से दूसरे कमरे तक ले जाने वाले खिलाड़ी को अतिरिक्त अंक मिलेंगे। है न एक्साइटिंग। तो कीजिए मौज ही मौज में सीखने की तैयारी...

कविता

रसीले आम

भाते हमें रसीले आम।
लम्बे, गोल, गठीले आम।

फजली, नीलम, कलमी, हापुस,
तोतापरी, दशहरी, लंगड़ा।
कोई भी कम नहीं किसी से,
डाल-डाल पर करते भंगड़ा।

कहीं छिपे शर्मीले आम।
भाते हमें रसीले आम।

केसरिया कपड़ों में कोई,
कोई हरा-हरा अलबेला।
गाल किसी के लाल टमाटर,
कोई पीला छैल-छबीला।

कैसे रंग-रंगीले आम।
भाते हमें रसीले आम।

ऊधम करते अमराई में,
सब्जीमंडी में मुस्काते।
अलग-अलग ढेरों में बैठे,
सबको अपने पास बुलाते।

खुशबूदार सजीले आम,
भाते हमें रसीले आम।

इनको खाते पप्पू-गप्पू,
सलमा-सीता, दादा-नानी।
एक नजर से जो भी देखे,
उसके मुंह में आए पानी।

आओ हम भी छीलें आम,
भाते हमें रसीले आम।

प्राचीन वैदिक विवाह संस्कार और आधुनिक सह-जीवन संबंध

भारतीय संस्कृति जो अति प्राचीन संस्कृति है और इस संस्कृति को अपनाने के कारण ही भारत विश्वगुरु कहलाता और बड़े सम्मान और आदर के साथ विश्व में जाना जाता था। हमारी संस्कृति में विवाह की आयु पुरुष और स्त्री के लिए निर्धारित थी। पुरुष और स्त्री गुरुकुल में विद्या प्राप्ति के बाद ही ग्रहस्थाश्रम में प्रवेश करते थे। ऐसा कहा जाता है कि भारतवर्ष में सन् 1685 में 72 लाख गुरुकुल चलते थे, जहां पर वैदिक संस्कृति सिखाई, पढ़ाई और लिखाई जाती थी। सभी आश्रमों में सर्वश्रेष्ठ आश्रम ग्रहस्थाश्रम ही कहा जाता था, इस आश्रम में प्रवेश के पहले ब्रह्मचर्य तपस्या गुरुकुल से मिलती थी।

गृहस्थाश्रम में आनंद है, तपस्या है, सुख है, साथ में बड़ा दायित्व भी। वानप्रस्थ और सन्यास आश्रमों की देख रेख, सेवा, दान, पुण्य आदि इसी आश्रम पर निर्भर रहते हैं। साथ में विवाह के बाद संतानों का पालन पोषण भी। इसी पवित्र आश्रम में पति और पत्नी अगले सात जन्मों तक साथ रहने की प्रार्थना करते हैं और एक दूसरे के लिए जीवन अर्पित करते हैं और उन्नति के राह पर मोक्ष प्राप्ति की राह पर चलते हैं।

पति अपने व्यवसाय आदि में व्यस्त रहता है तो पत्नी घर के सभी कार्य करना और अपने वृद्ध माता-पिता आदि परिवार की सेवा करना और संतानों के भविष्य के लिए अच्छे-अच्छे संस्कार देना, यह दिनचर्या हुआ करती।

अपनी सन्तान को गुरुकुल में प्रवेश के बाद और भी कई कलाओं और वेदों को पढ़कर विद्वान बने और सुगुण संपन्न हो, यह कामना रहती थी। यह था एक वैदिक सनातनी दंपति की कार्यशैली - एक उद्देश्य, एक लक्ष्य।

अब हम देख रहे हैं कि पश्चिमी देशों में सह - जीवन संबंध (लाइव इन रिलेशनशिप) बहुत ही तेजी से इसकी बढ़ोतरी हुई है।

अब समाज में उसके दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं। वहां के लोग इस ग्रसित जीवन से बाहर आना चाहते हैं। हमारी संस्कृति को ग्रहण करना चाहते हैं। और हम है की इस दूषित संस्कृति को भारत में प्रवेश दे दिए है। हमें आश्चर्य होता है कि ऋषि मुनियों और वेदों से मिली/ प्राप्त हुई इतनी आनंदित करने वाली संस्कृति को अंगूठा बताकर इसमें तेजी से बढ़ोतरी हो रही है जो हमारे सभ्य समाज को नरक दिशा में ले जाती है।

इस पवित्र वैवाहिक जीवन जो वैदिक संस्कृति से मिलता है, उसे नहीं अपनाकर पश्चिम में प्रचलित संस्कृति से सभ्यता को नष्ट कर रहे हैं और पूरे समाज को बिल्कुल ही गलत राह में ले जा रहे हैं।

एक अनुमान के अनुसार अगर कोई सही-सही कदम ना उठाए तो अगले 20 वर्षों में भारत की आबादी का 80% से 85% सह-जीवन संबंध पर रहेगा। यह बहुत ही चिंतनीय विषय है। हमारे पूर्वजों द्वारा इतना अच्छा, मधुर एवं पवित्र संस्कारों से दूर होकर यह समाज अंधकारमय जीवन की ओर अग्रसर हो रहा है।

समाज को तुरंत ही इस दिशा में कदम उठाना चाहिए और समाज में आने वाले पाप संबंधों को दूर हटाने और सनातनी संबंधों को जागृत करने, अपने पुराने प्रचलित पवित्र पति-पत्नी के रिश्तों में और संसार का उपकार करने वाले स्वस्थ परंपरा को जागृत करने की आवश्यकता है।

पश्चिम के देशों में समस्या बढ़ती जा रही है, जैसे-जैसे व्यक्ति एक उम्र पार कर जाता है। वहां का समाज हमारे पवित्र रिश्तों से बहुत कुछ सीखना चाहता है अपनाना चाहता है और हमारे पास वहां की संस्कृति को अपनाया जा रहा है। जिसके लिए हमें भविष्य अंधकारमय दिख रहा है। हमें अपनी आगे आने वाली पीढ़ी को इससे बचाना चाहिए। भारतवर्ष सोने की चिड़िया, विश्व गुरु तभी कहलायेगा जब हम इस पवित्र वैदिक सनातन वैवाहिक संबंध में बन्दे रहेंगे।

– भक्त राम,
हैदराबाद

अमेरिका में 24 घंटे में दूसरा विमान हादसा

फ्लोरिडा में छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त, तीन लोगों की मौत

वॉशिंगटन, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका में 24 घंटे के अंदर दूसरा विमान हादसा हुआ है। न्यूयॉर्क के बाद फ्लोरिडा में एक छोटे विमान (सेसना 310 आर) के दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार सभी तीन लोगों की मौत हो गई। न्यूयॉर्क के विमान हादसे में छह लोगों की मौत हो गई थी। स्थानीय अधिकारियों और अमेरिका संघीय उड्डयन प्रशासन के अनुसार, यह हादसा शुक्रवार सुबह फ्लोरिडा के बोका रैटन में हुआ।

सूत्रों के अनुसार, बोका फायर रेस्क्यू के सहायक अग्निशमन प्रमुख माइकल लासेल ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि विमान में स्पष्ट रूप से कुछ यांत्रिक समस्याएं थीं और यह मिलिट्री ट्रेल पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। आसमान से गिरने पर यह सबसे पहले कार से टकराया। इसके बाद उसमें आग लग गई। आग के कारण वह पेड़ से टकरा गया।

अमेरिका संघीय उड्डयन प्रशासन ने कहा कि सेसना 310 आर ने सुबह 10.15 बजे बोका रैटन हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी। यह टल्हासी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर जा रहा था। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड के विमानन दुर्घटना जांचकर्ता कर्ट गिब्सन के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त होने से पहले यह लगभग आठ से 10 मिनट तक हवा में रहा। बोका रैटन के मेयर स्कॉट सिंगर ने कहा, 'हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ित परिवारों और सभी प्रभावितों के साथ हैं।' बताया गया है कि सड़क पर छोटा विमान जिस कार से टकराया, उसमें मौजूद एक व्यक्ति घायल हो गया। टक्कर के बाद कार रेलवे ट्रैक पर पहुंच गई। इस कारण रेलवे मार्ग को भी रोकना पड़ा। हादसे के बाद बोका रैटन एयरपोर्ट के पास कई सड़कें बंद कर दी गईं। इससे पहले गुरुवार को न्यूयॉर्क में एक टूरिस्ट हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया था। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई । मृतकों में तीन बच्चे भी शामिल हैं। इस हादसे में दिग्गज टेक कंपनी सीमेंस के सीईओ अगस्टिन एस्कोबार और उनका पूरा परिवार मारा गया।

खबरें संक्षेप में

पाकिस्तान में 5.5 तीव्रता का भूकंप, इस्लामाबाद से खैबर पख्तूनख्वा तक कांपी धरती

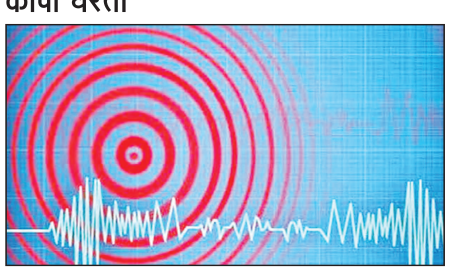

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कई शहरों में आज दोपहर भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए। राजधानी इस्लामाबाद से खैबर पख्तूनख्वा तक इसका प्रभाव दिखा। इससे नागरिकों में दहशत और चिंता फैल गई। लोग घरों से बाहर निकल आए। द न्यूज इंटरनेशनल के अनुसार, शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, समूचे अटक और चकवाल में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के पेशावर, मर्दन, मोहमंद और शबकदर में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। हालांकि, किसी भी प्रभावित क्षेत्र से अभी तक किसी के हताहत होने या नुकसान की रिपोर्ट नहीं मिली। पाकिस्तान के राष्ट्रीय भूकंपीय निगरानी केंद्र के अनुसार, भूकंप दोपहर 12.31 बजे आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.5 दर्ज की गई। इसकी गहराई 12 किलोमीटर थी। भूकंप का केंद्र रावलपिंडी से 60 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में, अक्षांश 33.90 उत्तर और देशांतर 72.66 पूर्व पर स्थित था। इस्लामाबाद के एक व्यक्ति ने कहा कि सेक्टर एफ-11 में उसकी इमारत बायीं और दायीं ओर झुक गई। सेक्टर के लोग अपने घरों से बाहर निकल आए।

ढाका में बैशाख मंगल शोभायात्रा से पहले फूंका फासीवाद का मुखौटा

ढाका। यूनेस्को से अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्य 'बैशाख मंगल शोभायात्रा' निकलने से पहले फासीवाद का मुखौटा (प्रतीकात्मक चित्र) आगे के हवाले कर दिया गया। यह शोभायात्रा 14 अप्रैल को निकलनी थी। इससे ढाका विश्वविद्यालय में तनाव है। इसे ढाका विश्वविद्यालय के ललित कला संकाय (चारुकोला) ने बनाया था। ढाका ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार, ढाका यूनिवर्सिटी के प्रॉक्टर एसोसिएट प्रोफेसर सैफुद्दीन अहमद ने कहा कि यह घटना आज सुबह हुई। हालांकि, यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि आग कैसे लगी। प्रॉक्टर ने बताया कि फासीवाद के मुखौटे के साथ कबूतर की तस्वीर भी जलाई गई। उन्होंने कहा कि अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि आग किसने लगाई। सीसीटीवी फुटेज की जांच करने की कोशिश की जा रही है। ललित कला संकाय के डीन प्रोफेसर अजहरुल इस्लाम ने कहा कि यह पता लगाने के लिए कुछ समय चाहिए कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है। घटना की जांच के लिए समिति का गठन किया जाएगा। सीसीटीवी फुटेज प्राप्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि बैशाख मंगल शोभायात्रा को बांग्लादेश में मंगोल शोभायात्रा भी कहा जाता है। बांग्लादेश में बंगाली नव वर्ष (पहला बैशाख) के अवसर पर ढाका विश्वविद्यालय के ललित कला संकाय के शिक्षकों और छात्रों के तत्वावधान में पारंपरिक शोभायात्रा निकाली जाती है।

पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ चिकित्सा जांच कराने लंदन पहुंचे

लंदन। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ कल लंदन पहुंचे। बेलारूस की यात्रा पूरी कर लंदन पहुंचे शहबाज के दो दिन रुकने की योजना है। उनके बड़े भाई पीएमएल-एन अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ शनिवार को दो सप्ताह के लिए ब्रिटेन की राजधानी पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री शहबाज देर शाम ल्यूटन हवाई अड्डे पर उतरे। शहबाज का आज लंदन में स्वास्थ्य परीक्षण होना है। द न्यूज इंटरनेशनल के अनुसार, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ रविवार रात इस्लामाबाद में प्रवासी पाकिस्तानी सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए स्वदेश वापस लौटेंगे। पीएमएल-एन के सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री आज चिकित्सा जांच के लिए जाएंगे और रविवार को उनकी दो बैठकें होंगी। वे कई वर्षों से लंदन में स्वास्थ्य जांच से गुजर रहे हैं। स्वदेश रवाना होने से पहले प्रधानमंत्री एवेन फील्ड फ्लैट्स में अपने बड़े भाई नवाज से मिलेंगे। प्रधानमंत्री शहबाज ने शुक्रवार को कहा कि बेलारूस ने पूर्वी यूरोपीय राष्ट्र में राष्ट्र निर्माण प्रयासों में योगदान देने के लिए 150,000 से अधिक युवा, अत्यधिक कुशल पाकिस्तानी श्रमिकों को आमंत्रित करने के लिए उदार प्रस्ताव दिया है।

ईरान-अमेरिका तनाव चरम पर

अमेरिकी सेना ने चारों तरफ से घेरा, परमाणु वार्ता से पहले युद्ध की आहट !

■ अगर कूटनीतिक कोशिशें नाकाम होती हैं, तो स्थिति सीधे सैन्य टकराव की ओर बढ़ेगी

तेहरान, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य पूर्व की जमीन एक बार फिर युद्ध के साये में है। अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु वार्ता से पहले जो सैन्य गतिविधियां तेज़ हुई हैं, उनसे हालात असामान्य रूप से तनावपूर्ण हो गए हैं। अमेरिका की सैन्य तैनाती और सामरिक साजो-सामान यह संकेत दे रहे हैं कि अगर कूटनीतिक कोशिशें नाकाम होती हैं, तो स्थिति सीधे सैन्य टकराव की ओर बढ़ सकती है।

जानकारी अनुसार अमेरिका ने परमाणु वार्ता से पहले ही सैन्य तैनाती करते हुए ईरान को चारों ओर से घेरने जैसा काम किया है। अमेरिका ने अब तक दो एयरक्राफ्ट कैरियर्स कार्ल विंसन और ट्रूमैन की तैनाती कर दी है। यूएसएस कार्ल विंसन, 90 फाइटर जेट्स, 6000 सैनिकों के साथ तैनात हैं। यूएसएस हेरी एस ट्रुमन (एफ/ए-18, ई-2सी, एस-3, ब्लैक हॉक) मध्य पूर्व में सक्रिय रूप से तैनात कर दिए हैं।

इन दोनों स्ट्राइक ग्रुप्स के पास एफ-35सी स्टील्थ फाइटर, ईए-18जी इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर जेट, बंकर बस्टर और यहां तक कि परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम बी-2 बॉम्बर्स भी हैं।

इज़राइल ने 1000 सैनिकों को किया बर्खास्त

तेल अवीव। इज़राइली डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने गाज़ा युद्ध की आलोचना करने वाले करीब 1000 रिजर्व सैनिकों को बर्खास्त कर दिया है। यह इज़राइली सेना में अब तक की सबसे बड़ी बर्खास्तगी मानी जा रही है, जो युद्ध के खिलाफ सार्वजनिक रूप से बोलने की वजह से हुई है। जानकारी अनुसार जिन सैनिकों को बड़ी संख्या में बर्खास्त किया गया दरअसल इन सैनिकों ने सरकार के नाम एक सार्वजनिक पत्र लिखा था। इस पत्र में कहा गया था कि गाज़ा में जारी जंग अब सैन्य नहीं, बल्कि राजनीतिक मकसदों की पूर्ति कर रही है। उन्होंने युद्धविराम की मांग करते हुए कहा कि, यह लड़ाई न तो बंधकों को छुड़ा पा रही है और न ही हमास को खत्म कर रही है। इसके चलते सैनिक, बंधक और आम नागरिक मारे जा रहे हैं। इस सार्वजनिक पत्र पर सैकड़ों रिटायर्ड अफसरों और वायुसेना के रिज़र्व कर्मियों ने दस्तखत किए थे, जिसमें प्रसिद्ध रिज़र्व नेविगेटर अलोन गुर का नाम भी शामिल है। इससे नाराज नेतन्याहू सरकार ने एक हजार रिजर्व सैनिकों को बर्खास्त कर दिया। आईडीएफ के प्रवक्ता ने कहा कि यह बयानबाज़ी सैन्य अनुशासन और एकता के खिलाफ है। हमारी प्राथमिकता देश की सुरक्षा है। जब हम कई मोर्चों पर जूझ रहे हैं, तब ऐसे सार्वजनिक बयानों से हमारी एकता और सैन्य नीति कमजोर होती है।

ईरान को चारों ओर से घेरा

डिएगो गार्सिया द्वीप से बी-2 बॉम्बर्स उड़ान भरने के लिए तैयार। साइप्रस, इजरायल, ओमान जैसे रणनीतिक लोकेशन्स पर सैन्य मौजूदगी मजबूत। थाड और प्रट्रियॉट डिफेंस सिस्टम्स पहले से सक्रिय। एफ-35 लड़ाकू विमानों की पहले से मौजूदगी, ऑपरेशन शुरू होने की संभावना जताती को काफी है। इस प्रकार से अमेरिका ने ईरान को चारों ओर से घेर रखा है।

शनिवार को ईरान-अमेरिका की ओमान में बैठक होनी है। ईरान के उप विदेश मंत्री अब्बास अराघची और अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के बीच संभावित मुलाकात। बताया गया है कि बैठक की कोई तस्वीर/वीडियो जारी नहीं की जाएगी— जिससे ये संकेत मिलता है कि ये सीधी बातचीत हो सकती है, जबकि पहले ईरान ने इससे इनकार किया था। ऐसे में आशंका भी जाहिर की जा रही है कि यह बैठक कहीं दिखावा मात्र तो नहीं है, क्योंकि युद्ध का सारा साजो-सामान तो तैनात कर दिया गया है। ईरानी विदेश मंत्रालय का कहना है कि हम कूटनीति को एक मौका दे रहे हैं, लेकिन पहले से कोई निर्णय नहीं लेंगे। अमेरिका को इस रवैये की सराहना करनी चाहिए।

सिर्फ दबाव की रणनीति?

राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो अमेरिका की भारी सैन्य तैनाती डिप्लोमेसी थ्रू डॉमिनेंस की रणनीति हो सकती है— बातचीत से पहले दबाव बनाना। लेकिन इतनी बड़ी सैन्य तैनाती सिर्फ दिखावा नहीं होती। यह संकेत भी हो सकता है कि अमेरिका टू स्ट्राइक इफ नेसेसरी यानी जरूरत पड़ने पर हमला करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

ईरान की तरफ से अब तक कोई आक्रामक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन खामेनेई के सलाहकार शमखानी ने कहा कि यह वार्ता अप्रत्यक्ष है और व्यावहारिक प्रस्ताव मौजूद हैं। ईरान ने यह भी कहा है कि वे एक निष्पक्ष और वास्तविक समझौता चाहते हैं, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता नहीं करेंगे।

नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह को तलब कर संसदीय समिति से हिदायत देने की सांसदों की मांग

■ ज्ञानेन्द्र शाह 28 मार्च की घटना में शामिल थे या नहीं, जांच हो

काठमांडू, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। नेपाल में राजशाही समर्थकों के प्रदर्शन के दौरान 28 मार्च को हुई हिंसक घटना पर चर्चा के लिए पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह को संसदीय समिति के समक्ष बुलाने की मांग की गई है। संसद की विधि, न्याय एवं मानवाधिकार समिति की बैठक में नेपाली कांग्रेस और सीपीएन (यूएमएल) के कुछ सांसदों ने इसकी मांग की है। सांसदों ने कहा कि पूर्व राजा को चर्चा के साथ ही हिदायत देने के लिए संसदीय समिति के समक्ष बुलाना जरूरी है।

गृहमंत्री रमेश लेखक की उपस्थिति में शनिवार को हुई बैठक में सत्तारूढ़ दल के सांसदों ने इस बात पर जोर दिया कि 28 मार्च की हिंसक घटना की गहन जांच के लिए पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह को भी तलब किया जाना चाहिए। नेपाली कांग्रेस के सांसद और संयुक्त महासचिव जीवन परियार ने कहा कि पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह को हिंसा की घटना में उनकी संलिप्तता के बारे में पूछताछ के लिए बुलाया जाना चाहिए। नेपाली कांग्रेस की सांसद नगीना यादव ने कहा कि पूर्व राजा को बुलाकर 28 मार्च की घटना से उनके संबंध और इस प्रदर्शन के लिए उन्होंने निर्देश दिया या नहीं, यह पूछना जरूरी है। नगीना यादव ने कहा कि यह मानवाधिकारों का उल्लंघन है

या नहीं, क्या एक नागरिक के तौर पर पूर्व राजा को ऐसा करने की अनुमति है?

सीपीएन (यूएमएल) की सांसद नैनकला थापा ने कहा कि संविधान की नजर में सभी नागरिकों को समान मानवाधिकार प्राप्त हैं। किसी को भी अराजकता और अमानवीय व्यवहार में लिप्त होने का अधिकार नहीं है। संविधान की नजर में सभी समान हैं। पूर्व राजा के मानवाधिकार सामान्य जनता के समान ही हैं, इससे अधिक कुछ नहीं, इसलिए उन्हें किसी भी बहाने से छूट नहीं देनी चाहिए। सीपीएन (यूएमएल) की मुख्य सचेतक महेश बरतौला ने 28 मार्च की हिंसक घटना में निष्पक्ष जांच की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ज्ञानेन्द्र शाह तिनकुने घटना में शामिल थे और उन्हें इसके लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। राजशाही के पक्ष में हुए प्रदर्शन में 2 लोगों की मौत हो गई थी। बैठक में राजा समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के सांसद ध्रुव बहादुर प्रधान ने आरोप लगाया कि 28 मार्च की तिनकुने की घटना को राज्य द्वारा जानबूझकर दबाया गया।

मसरूर एयरबेस पर आतंकी हमले की साजिश नाकाम

कराची। पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों ने एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम कर देश को एक भयावह त्रासदी से बचा लिया है। कराची स्थित मसरूर एयरबेस—जहां परमाणु हथियारों के होने की आशंका जताई जाती है—को निशाना बनाने की आतंकी योजना को विफल कर दिया गया है। इस हमले की साजिश तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकियों द्वारा रची गई थी। इस घटना के बाद सवाल उठाए जा रहे हैं कि यदि आतंकी अपने मकसद में कामयाब हो जाते और उनके हाथ परमाणु हथियार लग जाते तब पाकिस्तान का हाल क्या होता? लोगों ने खुदा का शुक्र अदा किया है कि आतंकी अपनी योजना में सफल नहीं हो पाए, वर्ना कुछ भी हो सकता था।

नेपाल ने भूकंप प्रभावित म्यांमार को भेजी 27 टन राहत सामग्री, अब तक 3,590 मौतें

काठमांडू, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। नेपाल सरकार ने भूकंप प्रभावित म्यांमार को 27 टन राहत सामग्री भेजी है। नेपाल के अधिकारियों ने यांगून अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर म्यांमार के अधिकारियों को राहत सामग्री सौंपी। विदेश मंत्रालय में दक्षिण पूर्व एशिया के प्रमुख संयुक्त सचिव तपस अधिकारी ने यह जानकारी दी। राहत सामग्री में खाद्य पदार्थ, दैनिक उपयोगी वस्तुए और दवाएं शामिल हैं।

यांगून एयरपोर्ट पर नेपाली राजदूत हरीश चंद्र घिमिरे और म्यांमार के अधिकारी इस दौरान उपस्थित थे। आने वाले दिनों में नेपाल की तरफ से और किस तरह से सहयोग किया जा सकता है इसको लेकर दोनों देशों के अधिकारियों के बीच संक्षिप्त चर्चा भी हुई। इस दौरान नेपाल के एक

अधिकारी ने याद दिलाया कि म्यांमार सरकार ने 2015 के भूकंप के दौरान नेपाल की भी सहायता की थी।

म्यांमार के एक अधिकारी हेउ वाई लविन ने बताया कि भूकंप में अब तक 3,590 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 4,800 घायल हो गए हैं और 148 लापता हैं। नेपाली राजदूत घिमिरे ने बताया कि म्यांमार में लगभग 150,000 नेपाली काम कर रहे हैं और उनमें से 18 भूकंप में मारे गए थे। इस आपदा में करीब 15 नेपाली अभी भी लापता हैं। 28 मार्च को 7.7 तीव्रता का भूकंप आया था।

व्हाइट हाउस की सजावट बदली, ओबामा की जगह पर ट्रंप की फोटो लगाई

वाशिंगटन, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास व्हाइट हाउस की सजावट (डेकोरेशन) में अप्रत्याशित बदलाव किया गया है। इसके तहत पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की आधिकारिक तस्वीर को हटा दिया गया है। इस स्थान पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पिछले साल वायरल हुई फोटो को लगाया गया है।

व्हाइट हाउस ने अपने आधिकारिक अकाउंट में इस बदलाव को साझा किया है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल जुलाई में पेंसिल्वेनिया के बटलर काउंटी के मैदान में एक रैली के दौरान डोनाल्ड ट्रंप पर गोलीबारी की गई थी। इस हमले में ट्रंप के कान को छूते हुए गोली निकल गई थी। इसके बाद ट्रंप की एक फोटो दुनियाभर में वायरल हुई थी। इसमें ट्रंप मुट्ठी बांधकर मजबूती से लड़ने का इशारा करते हैं। यही फोटो व्हाइट हाउस में लगाई गई है।

ओबामा का फोटो 2022 में व्हाइट हाउस के स्टेट फ्लोर के फोयर में सीढ़ियों के पास लगाया गया था। अब उसे सामने की दूसरी दीवार में शिफ्ट किया गया है। यहां पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश का फोटो लगा था। बुश के फोटो को शिफ्ट कर उनके पिता जॉर्ज एच डब्ल्यू बुश की तस्वीर के पास लगाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि 2022 में तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडेन और उनकी पत्नी जिल बाइडेन ने ओबामा की तस्वीर के अनावरण के लिए व्हाइट हाउस में पूर्व राष्ट्रपति ओबामा और उनकी पत्नी मिशेल की मेजबानी की थी। इससे पहले डेमोक्रेट बिल क्लिंटन ने रिपब्लिकन जॉर्ज एच डब्ल्यू बुश और राष्ट्रपति बुश ने क्लिंटन की मेजबानी की थी।

ओबामा ने 2012 में बुश के आधिकारिक चित्र के अनावरण के लिए व्हाइट हाउस में जॉर्ज डब्ल्यू बुश और उनकी पत्नी लॉरा का स्वागत किया था। मगर ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान ओबामा की मेजबानी नहीं की थी। व्हाइट हाउस की परंपरा के मुताबिक हाल ही के दो राष्ट्रपतियों के फोटो फोयर में लगे होते हैं। डोनाल्ड ट्रंप की नई तस्वीर व्हाइट हाउस ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर साझा की। खास बात यह है कि डोनाल्ड ट्रंप की फोटो को बिना किसी पूर्व सूचना के लगाया गया है। ट्रंप वर्तमान और पूर्व राष्ट्रपति दोनों हैं।

सुप्रीम कोर्ट कहेगा तो अब्रेगो गार्सिया को अल साल्वाडोर की जेल से अमेरिका लाया जाएगा: ट्रंप

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एयर फोर्स वन पर पत्रकारों से बातचीत में अपने फैसले पर बड़ी बात कही। उन्होंने कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट कहेगा तो वह किल्मर अब्रेगो गार्सिया को अमेरिका वापस लाएंगे। उनके मन में सुप्रीम कोर्ट के लिए बहुत सम्मान है। ट्रंप का यह बयान सुप्रीम कोर्ट की कल की टिप्पणी के बाद आया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि ट्रंप प्रशासन को अब्रेगो गार्सिया को वापस लाने में सुविधा प्रदान करनी चाहिए, क्योंकि प्रशासन ने स्वीकार किया है कि उसने गलती से गार्सिया को अल साल्वाडोर की जेल में निर्वासित कर दिया था। सूत्रों के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप प्रशासन से कहा था कि वह इस संबंध में अपने आगामी कदमों की जानकारी दे। ट्रंप ने आज रात एयर फोर्स वन में कहा कि वह निचली अदालत के आदेशों का पालन करने के लिए बाध्य नहीं होंगे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'मैं निचली अदालत की बात नहीं कर रहा हूं, मैं सुप्रीम कोर्ट का बहुत सम्मान करता हूं। अगर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उसे वापस लाया जाए, तो मैं शीर्ष अदालत के फैसले को स्वीकार करूंगा।' उल्लेखनीय है कि एब्रेगो गार्सिया को पिछले महीने अल साल्वाडोर की एक कुख्यात मेगाजेल में उन लोगों के साथ भेजा गया था, जिनके बारे में प्रशासन का दावा है कि वे वेनेजुएला के गिरोह के सदस्य हैं। उनके वकीलों ने कहा है कि मूल रूप से अल साल्वाडोर के रहने वाले एब्रेगो गार्सिया अमेरिका में वैधानिक रूप रह रहे थे और गिरोह की हिंसा से बचने के लिए उन्होंने अपना देश छोड़ दिया था।

लखनऊ ने गुजरात को छह विकेट से हराया, पूरन–मार्करम ने जड़े अर्धशतक

लखनऊ,12 अप्रैल (एजेंसियां) । आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस की जीत का सिलसिला थम गया है। लगातार चार जीत के बाद गुजरात को लखनऊ सुपर जायंट्स ने 6 विकेट से हराया। इकाना स्टेडियम पर गुजरात की सलामी जोड़ी ने 73 गेंदों 120 रनों की साझेदारी बनाई। इसके बाद भी टीम 20 ओवर में 180 रन ही बना सकी। एडेन मार्करम और निकोलस पूरन की विस्फोटक पारी से लखनऊ ने आखिरी ओवर में ही मुकाबला अपने नाम कर लिया। लखनऊ की यह लगातार तीसरी और कुल चौथी जीत है। 34 गेंदों पर 7 छक्के और एक चौका लगाकर निकोलस पूरन ने 61 रन बनाए।गुजरात के लिए कप्तान शुभमन गिल ने 60 रन बनाए जबकि उनके साथी ओपर

साई सुदर्शन ने 56 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। सुदर्शन ने सत्र का अपना चौथा अर्धशतक लगाया और गिल के साथ मिलकर बड़े स्कोर के लिए मंच तैयार किया। लेकिन घरेलू टीम के गेंदबाजों ने जोरदार वापसी की और तीन विकेट चटकाकर स्कोरिंग गति पर ब्रेक लगा दिया। पहले विकेट के लिए सत्र की सर्वश्रेष्ठ साझेदारी के बाद मेहमान टीम आखिरी आठ ओवरों में सिर्फ 60 रन ही बना सकी।

सुदर्शन और गिल की जोड़ी ने लगभग हर ओवर में बाउंड्री जमाई और घरेलू गेंदबाजों को परेशान किया। गुजरात की टीम ने छठे ओवर में अपना अर्धशतक पूरा किया जब सुदर्शन ने आवेश खान (32 रन देकर एक विकेट) की गेंद को बैकवर्ड स्क्वायर लेग पर चौके के लिए पहुंचाया। मेहमान टीम ने पावरप्ले में 64 रन बनाए। गिल ने जहां आक्रामक होकर बल्लेबाजी की, वहीं सुदर्शन ने संयमित होकर दूसरे छोर पर उनका साथ निभाया।कप्तान ने नौवें ओवर में दिग्वेश राठी (30 रन देकर एक विकेट) की गेंद पर एक रन लेकर 31 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। गुजरात टाइटंस ने 10 ओवर तक बिना किसी नुकसान के 103 रन बना लिए थे। सुदर्शन ने फाइन लेग बाउंड्री पर स्वीप करके अपना अर्धशतक पूरा किया। मेजबान टीम को आखिरकार 13वें ओवर की पहली गेंद पर सफलता मिली जब आवेश की गेंद पर गिल लांग ऑन बाउंड्री के करीब मारक्रम को कैच दे बैठे।टाइम आउट के बाद साई सुदर्शन ने बिश्नोई (36 रन देकर दो विकेट) की गेंद को एक्स्ट्रा कवर के ऊपर से उठा दिया लेकिन निकोलस पूरन ने शानदार कैच लपक लिया। बिश्नोई ने इसी ओवर में वाशिंगटन सुंदर को भी अपना शिकार बनाया।

जोस बटलर (16 रन) बड़ी पारी नहीं खेल पाए और दिग्वेश राठी का शिकार बन गए। शार्दुल ठाकुर अंतिम ओवर में हैट्रिक बनाने की कोशिश में थे लेकिन चूक गए।मिचेल मार्श की जगह ऋषभ पंत सलामी बल्लेबाज करने उतरे। वह तेजी से रन बनाने में असफल रहे लेकिन एडेन मार्करम के साथ ऐसा नहीं था। उन्होंने पहले ही ओवर में मोहम्मद सिराज को चौका मारा। सिराज के ने अपने दूसरे ओवर में 20 रन दे दिए। इस ओवर में चार चौके लगए। यहीं से लखनऊ के बल्लेबाजों का दबदबा बन गया। पावरप्ले के बाद लखनऊ ने 61 रन बना लिए थे। मार्करम ने 20 गेंद पर 28 जबकि पंत ने 16 गेंदों पर 17 रन मारे थे। 7वें ओवर में 21 रनों की पारी खेलने के बाद पंत आउट हो गए।उसके बाद बैटिंग करने उतरे पूरन अलग ही मूड में थे।

पहला कालम

पंकज आडवाणी का जलवा, डब्ल्यूबीएल विश्व मैचप्ले बिलियर्ड्स चैंपियनशिप में जीता रजत पदक

नई दिल्ली। भारत के सबसे दिग्गज क्यू (बिलियर्ड्स और स्नूकर) खिलाड़ियों में शामिल पंकज आडवाणी को डब्ल्यूबीएल विश्व मैचप्ले बिलियर्ड्स चैम्पियनशिप के फाइनल में डेविड कॉजियर के खिलाफ मामूली अंतर से हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। पंद्रह चरण के मुकाबलों के फाइनल में दोनों खिलाड़ियों ने पूरा दमखम दिखाया। आडवाणी ने 2–0 की बढ़त के साथ अच्छी शुरूआत की, लेकिन उनके प्रतिद्वंद्वी ने आयरलैंड के कार्लो में खेले गए फाइनल मुकाबले में शानदार वापसी की। ब्रिटेन के खिलाड़ी ने आखिरी चरण के मुकाबले को जीतने के साथ ही 8–7 (19–100, 0–100, 100–47, 100–52, 19–100, 100–0, 49–100, 100–3, 34–100, 4–100, 100–85, 31–100, 100–53, 100–43, 100–28) से खिताब अपने नाम कर लिया। आडवाणी अब रविवार से आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स में अपने खिताब का बचाव करेंगे उतरेंगे, जिसे वह 2016 से जीतते आ रहे हैं। यह विश्व चैंपियनशिप समयबद्ध प्रारूप में आयोजित की जाएगी, जिसमें दुनिया भर के खिलाड़ियों से बड़े ब्रेक की उम्मीद की जाती है।

फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैमः एरिगैसी को फिर मिली हार, फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम में नेपोमनियाचची से हारे

पेरिस। दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी को यहां चल रहे फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम में पांचवें से नौवें स्थान के टाईब्रेक के शुरूआती गेम में इयान नेपोमनियाचची ने हरा दिया। जर्मनी के युवा ग्रैंडमास्टर विन्सेंट कीमर ने पहले दौर के टाईब्रेकर में नेपोमनियाचची को हराकर सराहनीय प्रदर्शन किया। इस साल की शुरूआत में जर्मनी में आयोजित पहले ग्रैंड स्लैम के विजेता कीमर ने अमेरिकी स्टार हिकारू नाकामुरा को काले मोहरों से ड्रॉ पर रोककर प्रभावित करना जारी रखा। भारत की उम्मीदें क्वार्टर फाइनल में खत्म हो गईं थीं, लेकिन अर्जुन ने नेपोमनियाचची के खिलाफ कुछ अच्छी चाल चलीं। लेकिन रूस का खिलाड़ी काफी संयमित होकर खेला। मैग्नस कार्लसन को अमेरिकी फैबियानो कारुआना ने ड्रॉ पर रोका जबकि नाकामुरा ने कीमर के साथ अंक बांटे।

बिली जीन किंग कप टेनिसः भारत ने जीता लगातार तीसरा मैच, वैदेही-श्रीवल्ली के दम पर चीनी ताइपे को हराया

पुणे। युवा श्रीवल्ली भामिदीपती और वैदेही चौधरी के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने चीनी ताइपे को 2–1 से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की और शुक्रवार को यहां बिली जीन किंग कप एशिया–ओशनिया ग्रुप एक में प्ले–ऑफ स्थान की ओर एक बड़ा कदम बढ़ाया। इस जीत से भारत अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। वैदेही ने फेंग एन लिन को हराकर दो मैचों में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। वैदेही ने दो घंटे नौ मिनट में 6–2, 5–7, 6–4 से जीत दर्ज कर मेजबान टीम को 1–0 की बढ़त दिला दी। दूसरे मैच में श्रीवल्ली ने टूनार्मेंट में अपना बेहतरीन रिकॉर्ड कायम रखा और दुनिया की 207वीं रैंकिंग वाली जोआना गारलैंड के खिलाफ कड़े मुकाबले में लगातार चौथी जीत दर्ज की। 304वीं रैंकिंग वाली श्रीवल्ली ने दो घंटे 38 मिनट में 6–2, 7–6 (7–3) के स्कोर के साथ मुकाबला अपने नाम कर मेजबान टीम के लिए बराबरी सुनिश्चित कर दी। दिन के अंतिम मैच में चीनी ताइपे की युगल जोड़ी यी त्सेन चो और फैंग–हसीन वू ने सुपर टाई–ब्रेक में एक घंटे 31 मिनट में अंकिता रैना और प्रार्थना थोम्बरे की भारतीय जोड़ी को 2–6, 6–4, 6–10 से हराया। भारत शनिवार को कोरिया गणराज्य के खिलाफ जीत के साथ अपने क्वालीफिकेशन स्थान को पक्का करना चाहेगा।

जीत की पटरी पर लौटी हैदराबाद, पंजाब को आठ विकेट से हराया, अभिषेक–हेड चमके

हैदराबाद,12 अप्रैल (एजेंसियां) । अभिषेक शर्मा की विध्वंसक शतकीय पारी से सनराइजर्स हैदराबाद ने पंजाब किंग्स को 8 विकेट से हरा दिया। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम की यह इस सीजन की दूसरी जीत है। इसके साथ ही सनराइजर्स हैदराबाद ने इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास का दूसरे सबसे बड़े लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल करने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। मुकाबले में पंजाब किंग्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर के खेल में 245 रन का स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में सनराइजर्स ने अभिषेक के शतक और ट्रेविस हेड की फिफ्टी से 18.3 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 247 रन बनाकर आसानी से मैच को अपने नाम कर लिया।मुकाबले में लक्ष्य का पीछा करने उतरी सनराइजर्स की टीम के लिए अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड ने मिलकर पहले विकेट के लिए 171 रनों की साझेदारी की। पंजाब के खिलाफ इन दोनों बल्लेबाजों ने अपनी तूफानी बैटिंग से मैच को एकतरफा बना दिया। हालांकि, इस दौरान ट्रेविस हेड 37 गेंद में 66 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन अभिषेक शर्मा का तूफान जारी रहा।ट्रेविस हेड के विकेट

के बाद अभिषेक शर्मा और ज्यादा विस्फोटक हो गए। सबसे पहले अभिषेक ने 19 गेंद में अपनी फिफ्टी पूरी की थी। इसके बाद अगले 50 रन बनाने में उन्होंने 21 गेंद का सामना किया। इस तरह अभिषेक शर्मा ने सिर्फ 40 गेंद में अपना शतक पूरा कर लिया। आईपीएल में अभिषेक शर्मा का यह पहला शतक था। सिर्फ इतना ही अभिषेक इस लीग में सनराइजर्स के लिए दूसरा सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। सनराइजर्स की तरफ से फास्टेस सेंचुरी का रिकॉर्ड ट्रेविस हेड के नाम है। ट्रेविस हेड ने साल 2024 में आरसीबी के खिलाफ यह रिकॉर्ड बनाया था।40 गेंद में शतक लगाने के साथ ही अभिषेक शर्मा आईपीएल इतिहास में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। अभिषेक पंजाब किंग्स के खिलाफ 55 गेंद में 141 रनों की पारी खेल कर आउट हुए। अपनी इस पारी में उन्होंने 10 छक्के और 14 चौके भी लगाए। इस मामले में उन्होंने केएल राहुल को पीछे छोड़ा है। केएल राहुल 132 रनों की पारी के साथ सबसे बड़ी इनिंग्स खेलने वाले भारतीय बल्लेबाज थे।सिर्फ सनराइजर्स ही नहीं, बल्लेबाजी में पंजाब किंग्स के खिलाड़ियों ने भी धूम मचाई थी। पंजाब ने कप्तान श्रेयस अय्यर (82) के तूफानी अर्धशतक और प्रियांश आर्य (36), प्रभसिमरन सिंह (42) तथा मार्कस स्टॉयनिस (नाबाद 34) की आतिशी पारियों से छह विकेट पर 245 रन का विशाल स्कोर बनाए थे। इस सीजन का पंजाब किंग्स ने दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाया।कप्तान श्रेयस ने 36 गेंदों में छह चौके और छह छक्के उड़ाते हुए 82 रन ठोक डाले। प्रियांश ने 13 गेंदों पर 36 रन में दो चौके और चार छक्के उड़ाए। प्रभसिमरन ने 23 गेंदों पर 42 रन में सात चौके और एक छक्का मारा। नेहाल वढेरा ने 22 गेंदों पर 27 रन में दो चौके और एक छक्का लगाया। प्रियांश और प्रभसिमरन ने चार ओवर में 66 रन जोड़कर पंजाब को पॉवरप्ले में तूफानी शुरुआत दी। अय्यर ने वढेरा के साथ तीसरे विकेट के लिए 73 रन की साझेदारी की।ग्लेन मैक्सवेल और शशांक सिंह क्रमशः तीन और दो रन बनाकर हर्षल पटेल का शिकार बने। श्रेयस अय्यर 18वें ओवर में 205 के स्कोर पर आउट हुए लेकिन स्टॉयनिस ने पारी के आखिरी ओवर में शमी पर लगातार चार छक्के मारकर पंजाब को 245 के विशाल स्कोर तक पहुंचा दिया।

सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिपः यूपी पुलिस के खिलाड़ियों ने जीते सर्वाधिक पदक, बरेली की झोली खाली

बरेली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश एथलेटिक्स संघ की ओर से रुहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली में आयोजित दो दिवसीय 28वीं उत्तर प्रदेश सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप का शुक्रवार को समापन हो गया। अंतिम दिन यूपी पुलिस के खिलाड़ियों ने सर्वाधिक पदक जीते। मेजबान बरेली के खिलाड़ियों ने निराश किया। सिर्फ दो खिलाड़ी ही पदक जीतने में कामयाब हुए। अंतिम दिन बरेली की झोली में कोई पदक नहीं आया। उत्तर प्रदेश एथलेटिक्स एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष नीरज कुमार ने बताया कि खिलाड़ियों की एंट्री और सर्टिफिकेट की प्रक्रिया ऑनलाइन कर दी गई है।

अब प्रत्येक खिलाड़ी को भारतीय एथलेटिक्स संघ की वेबसाइट पर जाकर खुद को पंजीकृत करना होगा। खिलाड़ियों को एक नंबर मिलेगा, जिसके माध्यम से व जिला व राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर सकेंगे। इस व्यवस्था को लागू करने से खिलाड़ियों की उम्र को लेकर किए जा रहे फजीर्वाड़े पर रोक लगाई जा सकती है। पुरस्कार वितरण जिला एथलेटिक्स संघ बरेली के अध्यक्ष जयप्रकाश देवनानी की ओर से किया गया।

हैदराबाद में हुए सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स के बीच हुए मैच में हैदराबाद टीम के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए शुभ लाभ सर्कुलेशन मैनेजर मो. ताहिर। ज्ञात हो कि उक्त मैच मेंअभिषेक शर्मा की विध्वंसक शतकीय पारी से सनराइजर्स हैदराबाद ने पंजाब किंग्स को 8 विकेट से हरा दिया। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम की यह इस सीजन की दूसरी जीत है।

चिली में फुटबॉल मैच शुरू होने से पहले दो फैंस की मौत; बेहतरीन कोच में शुमार बीनहैकर का निधन

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। चिली में दो क्लब की टीमों के बीच मैच शुरू होने से पहले दो फैंस की मौत हो गई। स्थानीय अभियोजक ने बताया कि गुरुवार को मेजबान कोलो कोलो और ब्राजील के फोटार्लेजा के बीच सैंटियागो के एस्टाडियो मोनुमेंटल के पास कोपा लिबटार्डोरेस मैच शुरू होने वाला था। इससे पहले दो प्रशंसकों की मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक, फैंस के एक समूह ने स्टेडियम में जबरन घुसने का प्रयास किया और आयोजन स्थल की एक सुरक्षात्मक बाड़ को तोड़ दिया। पीड़ित कथित तौर पर उनके नीचे फंस गए थे।

बाद में 70वें मिनट में मैदान में फैंस अनियंत्रित हो गए और इस वजह से मैच को स्थगित कर दिया गया। हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि यह पहले हुई मौतों से संबंधित था या नहीं। तब स्कोर 0-0 पर था। रिपोर्ट के मुताबिक, स्थानीय प्रशंसकों के एक समूह ने पिच पर वस्तुएं फेंककर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। फोटार्लेजा के खिलाड़ी लॉकर रूम में छिपने के लिए भागे, जबकि कप्तान एस्टेबन पावेज और आटुर्रो विडाल के नेतृत्व में कोलो कोलो के खिलाड़ियों ने प्रशंसकों को शांत करने की कोशिश की।

उरुग्वे के गुस्तावो तेजेरा के नेतृत्व में रेफरी टीम ने खिलाड़ियों को सूचित किया और मैच रोक दिया गया है और सभी खिलाड़ी लॉकर रूम में चले गए। बाद में यह घोषणा की गई कि मैच आधिकारिक रूप से स्थगित कर दिया गया है। दक्षिण अमेरिका में फुटबॉल की शासी संस्था ने कहा, 'कोलो कोलो और फोटार्लेजा के बीच मैच शुरू होने से पहले एस्टाडियो मोनुमेंटल के पास दो प्रशंसकों की मौत पर कॉनमेबोल को गहरा दुख है। हम उनके परिवारों और प्रियजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।'

लियो बीनहैकर का 82 वर्ष की आयु में निधन

रियल मैड्रिड और दो विश्व कप टीमों के कोच रहे डच फुटबॉल के महान खिलाड़ी लियो बीनहैकर का निधन हो गया। वह 82 वर्ष के थे। उन्होंने विश्व कप में दो राष्ट्रीय टीमों का नेतृत्व किया है और रियल मैड्रिड के साथ तीन लीग खिताब भी अपने नाम किया था। एम्स्टर्डम क्लब ने गुरुवार देर रात उनके निधन की घोषणा करते हुए एक बयान में कहा, 'बीनहैकर एक कोचिंग आइकन और अयाक्स में एक शानदार व्यक्तित्व थे।' हालांकि, उनके निधन का कारण नहीं बताया गया। उन्होंने 1970, 80 और 90 के दशक में अयाक्स क्लब को कोचिंग दी और उसके साथ दो डच लीग खिताब जीते।

सिगरा स्टेडियम सर्वाधिक 200 खिलाड़ी तैराकी में जबकि सबसे कम जिमनास्टिक्स में 75 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है।

सिगरा स्टेडियम में होंगे 11 प्रकार के खेल, 1255 खिलाड़ी लेंगे प्रशिक्षण

वाराणसी, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। सिगरा के डॉ. संपूणार्नंद स्पोट्र्स स्टेडियम में 11 खेलों में 1255 खिलाड़ी प्रशिक्षण लेंगे। क्षेत्रीय खेल कार्यालय ने खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी है। क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी विमला सिंह ने बताया कि स्टेडियम में दो सत्र में ट्रेनिंग दी जाएगी। सर्वाधिक 200 खिलाड़ी तैराकी में जबकि सबसे कम जिमनास्टिक्स में 75 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है। बताया कि एक कोच अधिकतम 40 खिलाड़ियों को ही प्रशिक्षण दे सकते हैं। इसके लिए बड़ी संख्या में खिलाड़ियों ने प्रवेश फॉर्म खरीदा है। खिलाड़ियों को ट्रायल के आधार पर ही प्रवेश दिया जा रहा है। तैराकी में अंडर-12 आयुवर्ग के 200 प्रशिक्षुओं ने प्रवेश लिया है।

वर्ल्ड कप किक बॉक्सिंग की उपविजेता बनी पूजा

थाईलैंड में खेली गई वर्ल्ड कप किकबॉक्सिंग में वाराणसी की पूजा पटेल उपविजेता बनी हैं। 50 किलो भारवर्ग में, फाइनल में उन्हें उज्बेकिस्तान की खिलाड़ी ने हरा दिया। कोच गोपाल बहादुर शाही ने बताया कि पूजा अपने मेहनत के दम पर वहां तक पहुंची हैं। बनारस आने पर उनका स्वागत किया जाएगा।

प्रादेशिक शतरंज प्रतियोगिता में वाराणसी के स्वर श्रीवास्तव ने कांस्य पदक जीता है। प्रतियोगिता सीतापुर में 7 से 9 अप्रैल तक खेली गई। वाराणसी जिला शतरंज एसोसिएशन के मानद सचिव विजय कुमार ने बताया कि अंडर-11 में वाराणसी के खिलाड़ी ने सात चक्रों की बाजी खेली। साढ़े पांच अंक के साथ स्वर तीसरे स्थान पर रहे।

17 को होगा प्रादेशिक हॉकी टीम का चयन

सातवां खेलो इंडिया यूथ गेम्स सात मई से बिहार के राजगीर में खेला जाएगा। हॉकी यूपी के महासचिव डॉ. आरपी सिंह ने बताया कि चयन ट्रायल 17 अप्रैल को लखनऊ के मोहम्मद शाहिद हॉकी स्टेडियम में होगा।

पेनल्टी कॉर्नर से गोल कर रोशनी ने दिलाई जीत

हॉकी वाराणसी की ओर से आयोजित शिविर में खिलाड़ियों ने अभ्यास मैच खेला। इसमें रोशनी के पेनल्टी कॉर्नर से गोल की बदौलत विकास क्लब ने एलबीएस क्लब को एक गोल से हरा दिया। मैच का पहला हाफ, गोल रहित बराबरी पर छूटा। दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया। मैच का एकमात्र गोल रोशनी पटेल ने 17वें मिनट में किया। यहां सेवेन ए साईड मैच में 20-20 मिनट का दो हाफ खेला गया।

शतरंज प्रतियोगिता में खेलेंगे ढाई सौ खिलाड़ी

ओपेन रैपिड शतरंज प्रतियोगिता 14 अप्रैल को जगतगंज स्थित एक होटल के बैंक्वेट हॉल में खेली जाएगी। एसकेवीटी किंग्स चेस एकेडमी की ओर से इस प्रतियोगिता में देश के कई राज्यों के ढाई सौ से अधिक खिलाड़ी खेलेंगे।

आयोजन सचिव विनित राज तिवारी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में वाराणसी के अलावा दिल्ली, कोलकाता, बंगलूरू, हैदराबाद, सहित कई राज्यों व जनपदों खिलाड़ी खेलेंगे। इसमें इंटरनेशनल मास्टर खिलाड़ी आर्यन वार्ष्णेय भी शामिल होंगे। प्रथम स्थान पाने वाले खिलाड़ी को एक लाख ग्यारह हजार रुपये पुरस्कार दिया जाएगा। ओपेन, महिला, वरिष्ठ नागरिक और कनिष्ठ आयु वर्ग की 5 कैटेगरी में ट्रॉफी व मेडल्स दिये जाएंगे।

कोलकाता के फुटबॉल स्टेडियम की तर्ज पर वाराणसी में अंतरराष्ट्रीय स्तर का फुटबॉल स्टेडियम शिवपुर में बनेगा। इसका ब्लूप्रिंट भी तैयार हो चुका है। इसकी आधारशिला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रखेंगे। वाराणसी में फुटबॉल 1938 से व्यवस्थित रूप से खेली जा रही है।

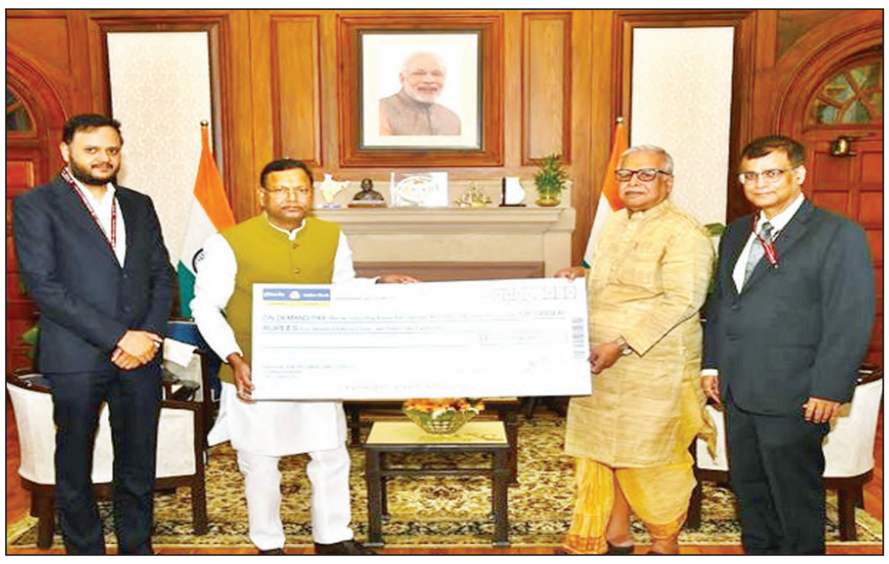

रोज वैली पोंजी घोटाला : केंद्र सरकार ने 7.5 लाख पीड़ितों की मदद के लिए उठाया बड़ा कदम

परिसंपत्ति निपटान समिति को 515 करोड़ का डीडी सौंपा

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने परिसंपत्ति निपटान समिति के अध्यक्ष रिटायर्ड जस्टिस डीके सेठ को शनिवार को 515.31 करोड़ रुपये का डिमांड डॉफ्ट सौंपा। समिति का गठन रोज वैली पोंजी घोटाले में वैध निवेशकों को उनकी संपत्ति लौटाने के उद्देश्य से किया गया था। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी।

अनुमान है कि इस राशि का उपयोग एसेट डिस्पोजल कमेटी के पास अब तक दर्ज किए गए 31 लाख दावों में से लगभग 7.5 लाख पीड़ितों को धन वापस दिलाने के लिए किया जाएगा। इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एडीसी को 22 करोड़ रुपये की राशि सौंपी थी जिसका उपयोग 32,319 वैध निवेशकों को धन वापस दिलाने के लिए किया गया था।

मंत्रालय के मुताबिक ईडी ने वर्ष 2015-17 में मनी ट्रेल की जांच करके और 2,987 अलग-अलग बैंक खातों का पता लगाकर 515.31 करोड़ रुपये की धनराशि जब्त की थी, जिसमें निर्दोष पीड़ितों से एकत्र की गई धनराशि को भेजा गया था। इसके बाद कानून की उचित प्रक्रिया के बाद उक्त बैंक खातों को जब्त या अटैच कर दिया गया और न्यायाधिकरण द्वारा कुर्की की पुष्टि के बाद उन्हें 700 से अधिक सावधि जमा में बदल दिया गया। ईडी पश्चिम बंगाल, ओडिशा, असम और त्रिपुरा राज्यों में रोज वैली ग्रुप के खिलाफ पांच धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के मामलों की जांच कर रहा है।

उल्लेखनीय है कि ईडी ने 1,172 करोड़ रुपये की अन्य चल और अचल संपत्तियां भी जब्त की हैं, जो परिसमापन और पीड़ितों को वापस करने की प्रक्रिया में है। ईडी ने इन सभी मामलों में पीएमएलए के तहत विशेष अदालतों के समक्ष अभियोजन शिकायतें दायर की हैं।

खबरें संक्षेप में

इंडियन ओवरसीज बैंक ने कर्ज पर ब्याज दर 0.25% घटाई, नई दरें लागू

नई दिल्ली/चेन्नई। पंजाब नेशनल बैंक सहित 4 अन्य बैंकों के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के एक और बैंक इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) ने रेपो रेट से संबद्ध ब्याज दर में 0.25 फीसदी की कटौती की है। नई दरें 12 अप्रैल, 2025 से प्रभावी हो गई हैं। बैंक ने शनिवार को एक बयान में बताया कि बैंक ने रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट (आईपी) को 25 आधार अंकों (0.25 फीसदी) की कटौती के साथ मौजूदा 9.10 फीसदी से घटाकर 8.85 फीसदी कर दिया है। यह कटौती 12 अप्रैल 2025 से प्रभावी हो गई है। यानी कि आज के बाद से बैंक से लोन लेने वालों लोगों की ईएमआई कम हो जाएगी और उनको कम रुपये ब्याज को तौर पर चुकाने होंगे। आईओबी की विज्ञप्ति के मुताबिक परिसंपत्ति देयता प्रबंधन समिति ने 11 अप्रैल को आयोजित अपनी बैठक में ग्राहकों को रेपो दर में कटौती का लाभ देने का निर्णय लिया। इसके बाद बैंक ने तत्काल प्रभाव से बैंक की रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट में 25 आधार अंकों की कटौती की है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक में नीतिगत दर रेपो रेट को 6.25 फीसदी से घटाकर 6 फीसदी कर दिया है। इसके बाद इंडियन ओवरसीज बैंक सहित पांच बैंक ने लोन पर ब्याज दरें घटाई है।

भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन पहुंचेगा नई ऊंचाई पर

नई दिल्ली। भारत सरकार ने अपने सेमीकंडक्टर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मिशन को तेज़ी से आगे बढ़ाने का किया ऐतिहासिक प्रयास। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की कि भारत ने 2030 तक 500 अरब डॉलर के इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन की उत्कृष्टता की दिशा में कदम बढ़ाया है। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए, भारत में कई योजनाएं और पहले शुरू की गई हैं। मंत्री ने बताया कि भारत में 25 ऐसे चिपसेट डिजाइन किए जा रहे हैं जिनकी बौद्धिक संपदा भारत के पास होगी। इन चिप्स का इस्तेमाल सुरक्षा से जुड़े उपकरणों में किया जाएगा। सरकार ने देशभर के 240 कॉलेजों और संस्थानों को उन्नत चिप डिजाइन टूल्स भी दिए हैं। इन टूल्स का उपयोग करके छात्रों ने पहले 20 चिप्स का निर्माण किया है जो अब मोहाली स्थित सेमीकंडक्टर लैब में तैयार हो जाएगा। इस पहल से भारत में स्टार्टअप्स और प्रतिभा विकास को मिलेगी मजबूत सहायता। इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण में पिछले दशक में 17 फीसदी की सीएजीआर से 5 गुना वृद्धि हुई है और 25 लाख से अधिक नौकरियां पैदा हुई हैं। इसके अलावा, भारत में एआई क्षेत्र में उच्च कंप्यूटिंग क्षमता उपलब्ध करवाने के लिए जीपीयू आधारित कंपनियों का नया पैनल भी तैयार हो रहा है। सरकार ने 27 विशेष ऐप जैसे कृषि, मौसम, जलवायु और शिक्षा से जुड़े एआई समाधान विकसित किए जा रहे हैं। इस सफलता के लिए मंत्री ने भी डिजिटल निजी डेटा सुरक्षा अधिनियम के महत्व को उजागर किया और विश्वसनीय डेटा की गुप्तता सुनिश्चित करने के लिए सरकार का पूरा समर्थन जताया।

वैश्विक पोत परिवहन उद्योग पर लगेगा कार्बन कर

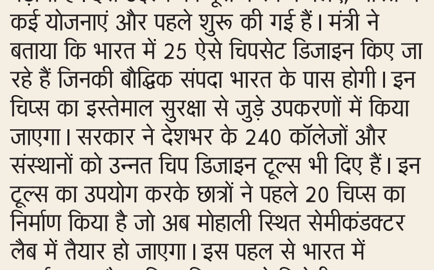

नई दिल्ली। भारत समेत 62 अन्य देशों ने संयुक्त राष्ट्र की पोत परिवहन एजेंसी के उद्योग पर पहले वैश्विक कार्बन कर लगाने की मंजूरी दी है। इस हिसाब से जहाजों को कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए कार्रवाई करनी होगी। यह निर्णय स्वच्छ प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण कदम है। लंदन में आयोजित एक सप्ताह की गहन बातचीत के बाद अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) ने इस मामले पर निर्णय लिया। इस समझौते के अनुसार, 2028 से जहाजों को कम उत्सर्जन वाले ईंधन का उपयोग करना होगा या फिर प्रदूषण के लिए शुल्क भुगतान करना होगा। इस से 2030 तक लगभग 40 अरब अमेरिकी डॉलर की राशि जुटाई जा सकती है। यह समझौता अंतरराष्ट्रीय जलवायु नीति के लिए एक बड़ी सफलता माना जा रहा है और इसके माध्यम से समुद्री क्षेत्र को कार्बन मुक्त बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने की कोशिश की जाएगी।

बीते सप्ताह शेयर बाजार में मामूली गिरावट
सेंसेक्स 429.40 अंक बढ़कर हुआ बंद

■ निफ्टी 524.75 अंक बढ़कर 22,923 पर बंद

मुंबई, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ की वजह से बीते सप्ताह पिछले सप्ताह मामूल गिरावट के साथ बंद हुए। पिछले सप्ताह गुरुवार को महावीर जयंती के अवसर पर शेयर बाजार में अवकाश रहने की वजह से एक दिन कम कारोबार हुआ। घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को भारी गिरावट देखी गई। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 4000 अंक के करीब गिरकर 71,449.94 पर खुला और 2,226.79 अंक गिरकर 73,137.90 पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 1000 अंक से ज्यादा की गिरावट लेकर 21,758.40 पर खुला और 742.85 अंक गिरकर 22,161.60 पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में बढ़त के कारण मंगलवार को शेयर बाजार में रौनक लौट आई। सेंसेक्स 1175.90 की बढ़त के साथ 74,313.80 अंक पर खुला और 1,089.18 अंक उछलकर 74,227.08 अंक पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी तेजी आई, यह 390 अंक से ज्यादा के साथ 22,446.75 पर खुला और 374.25 अंक या 1.69 प्रतिशत बढ़कर 22,535.85 पर बंद हुआ। बुधवार को शुरुआती कारोबार में बीते दिन शेयर बाजार की तेज रफ्तार ब्रेक लगाते हुए सेंसेक्स और निफ्टी नकारात्मक रुख के साथ कारोबार करते दिखे।

सेंसेक्स 554.02 अंक गिरकर 73,673.06 अंक पर खुला और 379.93 अंक या 0.51 प्रतिशत गिरकर 73,847.15 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 178.85 अंक गिरकर 22,357 अंक पर खुला और 182.6 अंक या 0.81 प्रतिशत गिरकर 22,353.25 अंक पर बंद हुआ। अमेरिका की ओर से 9 जुलाई तक 90 दिनों के लिए भारत पर पर लगने वाले जवाबी टैरिफ को टालने की घोषणा के बाद शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में बेंचमार्क शेयर सूचकांक उछले। सुबह बीएसई सेंसेक्स 1,469.21 अंक बढ़कर 75,342.70 अंक पर खुला और 429.40 अंक बढ़कर 22,828.55 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 472.25 बढ़कर 22,871.40 के स्तर पर खुला 524.75 अंक या 2.34 प्रतिशत बढ़कर 22,923.90 अंक पर बंद हुआ।

बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच बेहतर प्रदर्शन करेगा भारत

मुंबई। वैश्विक ब्रोकरेज फर्म ने भारत पर ओवरवेट कॉल जारी कर कहा है कि बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत दूसरे उभरते बाजारों (ईएम) से बेहतर प्रदर्शन को तैयार है। अपने नए नोट में वैश्विक ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि हालांकि सूचकांक के पूर्ण प्रदर्शन का अनुमान लगाना कठिन है, लेकिन भारत को अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन करने वाला देश बने रहना चाहिए। वैश्विक ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि अमेरिका और चीन की मांग के प्रति भारत का सीमित जोखिम एक की-बफर है। सबसे बड़ा निर्यात पार्टनर होने के बावजूद भी अमेरिका को भारत का निर्यात देश के सकल घरेलू उत्पाद का मात्र 2.3 प्रतिशत है। व्यापार अधिशेष भी उतना ही मामूली है, इससे अमेरिका की सख्त व्यापार नीति का प्रभाव कम हो जाता है। अमेरिका ने भारतीय वस्तुओं पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। लेकिन यह आंकड़ा चीन, इंडोनेशिया और ताइवान पर लगे शुल्कों की तुलना में अभी भी कम है।

इस सप्ताह सिर्फ 3 दिन खुलेंगे शेयर बाजार

मुंबई। शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए यह खबर बेहद जरूरी है। अप्रैल के मध्य में लगातार छुट्टियों के चलते ट्रेडिंग के मौके बेहद सीमित रहने वाले हैं। दो लॉन्ग वीकेंड पड़ने के कारण शेयर बाजार दो बार लगातार तीन-तीन दिन तक बंद रहेगा। ऐसे में निवेशक अगले हफ्ते केवल तीन दिन ही बाजार में निवेश कर सकते हैं। 15 अप्रैल मंगलवार, 16 अप्रैल बुधवार और 17 अप्रैल गुरुवार को ही ट्रेडिंग के मौके मिलेंगे। पूरा शेड्यूल इस प्रकार है- 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती के चलते बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कोई कामकाज नहीं होगा। 18 अप्रैल 2025 शुक्रवार को गुड फ्राइडे के चलते शेयर बाजार में कोई कामकाज नहीं होगा और 19 अप्रैल शनिवार के चलते शेयर बाजार में कोई कामकाज नहीं होगा।

एपीडा ने अरुणाचल प्रदेश में आयोजित की अंतरराष्ट्रीय क्रेता-विक्रेता बैठक

■ 50 से अधिक एफपीओ और 200 किसानों के साथ बातचीत

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र से कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने अरुणाचल प्रदेश सरकार के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सह क्रेता-विक्रेता बैठक (आईबीएसएम) की मेजबानी की।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि एपीडा ने प्रदेश सरकार के सहयोग से अरुणाचल प्रदेश और भारत के व्यापक पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) से कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात को प्रोत्साहन देने के लिए अरुणाचल प्रदेश के तवांग में कलावांगपो कन्वेंशन हॉल में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सह क्रेता-विक्रेता बैठक (आईबीएसएम) का आयोजन किया। बैठक में अरुणाचल प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव (सीएस) मनीष गुप्ता, भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय सचिव सिराज हुसैन और एपीडा के अध्यक्ष अभिषेक देव सहित केंद्र और भारत सरकार के कई अधिकारी मौजूद थे।

मंत्रालय के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सह क्रेता-विक्रेता बैठक में संयुक्त अरब अमीरात, नेपाल और भूटान सहित 3 देशों के 11 अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के बीच असम, महाराष्ट्र, दिल्ली, हैदराबाद, कर्नाटक, गुजरात और पश्चिम बंगाल सहित 7 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) के 17 भारतीय निर्यातकों के साथ सीधी बातचीत संभव हुई। देशभर के निर्यातकों ने इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले अरुणाचल प्रदेश के 50 से अधिक एफपीओ और 200 किसानों के साथ बातचीत की और कृषि उपज की गुणवत्ता, उपलब्धता और उत्पादन मात्रा को समझा।

एपीडा अध्यक्ष अभिषेक देव ने इस बैठक में प्रमुख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों में भागीदारी के लिए अरुणाचल प्रदेश से किसान उत्पादक संगठनों /किसान उत्पादक कंपनियों (एफपीसी) की पहचान करने के लिए प्रोत्साहित किया, ताकि बाजार तक पहुंच, प्रचार और आउटरीच हो सके। एपीडा कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात को विकसित करने, सुविधा प्रदान करने और बढ़ावा देने के लिए काम करता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

राष्ट्रपति के...

इस समय से अधिक किसी भी देरी के मामले में उचित कारणों को दर्ज किया जाना होगा और इस मामले में सम्बन्धित राज्य को भी जानकारी देनी होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राष्ट्रपति के किसी विधेयक को मंजूरी न देने की स्थिति में राज्य सरकारें अदालत का रुख कर सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर राष्ट्रपति किसी कानूनी आधार पर विधेयक को रोकते हैं, तो इस संबंध में भी विधेयक की संवैधानिकता का फैसला वह सुप्रीम कोर्ट करेगा, न कि राष्ट्रपति। राष्ट्रपति के किसी विधेयक पर दिए गए फैसले को भी सुप्रीम कोर्ट सुन सकता है और फैसला पलट सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जैसे राज्यपाल के पास किसी विधेयक को लम्बे समय तक लटका कर रखने के लिए शक्ति नहीं है, यही बात राष्ट्रपति पर भी लागू होती है। कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल और राष्ट्रपति, दोनों के पास जेबी-वीटो की शक्तियां नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि जेबी-वीटो या पॉकेट-वीटो उस शक्ति को कहा जाता है जब राष्ट्रपति या राज्यपाल अपने पास भेजे गए किसी विधेयक को लेकर कोई फैसला नहीं लेते। वह न इस पर मंजूरी देते हैं और न इसको वापस विधानमंडल को लौटाते हैं। इसके चलते वह विधेयक लंबित की श्रेणी में रहता है और क़ानून नहीं बनता।

संविधान के अनुच्छेद 201 में यह व्यवस्था की गई है कि राष्ट्रपति के समक्ष राज्यपाल द्वारा भेजे गए किसी विधेयक पर अनुकूल या प्रतिकूल निर्णय लेने का अधिकार राष्ट्रपति का है। राष्ट्रपति विधेयक विधानमंडल को वापस लौटाने की बात राज्यपाल से कह सकता है या फिर उसे मंजूर भी कर सकता है। ऐसी स्थिति में 6 माह के भीतर दोबारा विधानमंडल को राष्ट्रपति के पास अपना विधेयक भेजना होता है। वह इसे पुराने स्वरूप में ही भेज सकते हैं या बदलाव भी कर सकते हैं। दूसरे मौके पर राष्ट्रपति इस पर क्या निर्णय लेता है, इस को लेकर संविधान में समय सीमा तय नहीं है। राष्ट्रपति सिर्फ राज्यपाल द्वारा भेजे गए विधेयक ही नहीं बल्कि संसद द्वारा पारित विधेयक के संबंध में भी कर सकता है। यह कदम राष्ट्रपति रहने के दौरान ज्ञानी जैल सिंह ने उठाया था।

उन्होंने राजीव गांधी की सरकार द्वारा 1986 में पारित भारतीय डाक कानून (संशोधन) को लटका कर रखा था और मंजूरी नहीं दी थी। यह कानून उसके बाद लटका ही रहा और इसे मंजूरी नहीं मिल सकी। राष्ट्रपति के जेबी-वीटो का यह एक बड़ा उदारहण था। सुप्रीम कोर्ट के राष्ट्रपति को लेकर दिए गए इस फैसले के बाद न्यायपालिका के दखल को लेकर चर्चा चालू हो गई है। संविधान में राष्ट्रपति को देश का प्रमुख बताया गया है। आलोचकों का कहना है कि राष्ट्रपति के ऊपर समय-सीमा लगाना उसकी शक्तियों को कतरने जैसा है। इसके अलावा उसके हर निर्णय को अपनी सुनवाई के दायरे में लाने पर भी यही बात कही जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट का राष्ट्रपति के ही निर्णय को न्यायिक दायरे में लाना इसलिए भी ज्यादा चर्चा में है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट में जजों की नियुक्ति भी राष्ट्रपति के हस्ताक्षर से होती है। इसी के चलते प्रश्न उठाए जा रहे हैं कि सुप्रीम कोर्ट में नियुक्तियां करने वाले राष्ट्रपति को न्यायिक दायरे में कैसे खींचा जा सकता है। इसे विशेषज्ञों ने न्यायिक दखल और कार्यपालिका पर अतिक्रमण कहा है। गौरतलब है कि संविधान में स्पष्ट तौर पर न्यायपालिका और सरकार के काम बांटे गए हैं। कई मौकों पर सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के कामों को लेकर फैसले दिए हैं, जिससे विवाद पैदा हुआ है।

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयुक्तों को नियुक्त करने की प्रक्रिया में भी सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को भी शामिल कर दिया था। इसे भी न्यायिक दखल माना गया था। 2015 में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए पास किया गया एनजेएसी कानून भी सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया था। आलोचक इन्हें न्यायिक दखल का उदाहरण मानते हैं। केरल के राज्यपाल राजेन्द्र आर्लेकर ने भी इस निर्णय को लेकर तीखी टिप्पणी की है। उन्होंने पूछा है कि यदि संविधान में बदलाव सुप्रीम कोर्ट कर रहा है, तो फिर विधानसभा और संसद किसलिए बनाई गई है। उन्होंने कहा कि इस मामले को एक बड़ी बेंच को भेजा जाना चाहिए था। राष्ट्रपति की शक्तियों को लेकर सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर सरकार कोई एक्शन लेगी या नहीं, लोगों को इसका इंतजार है।

राष्ट्रपति शासन...

धुलियानगंगा स्टेशन के पास ट्रैक जाम कर दिया था। इसके बाद बीएसएफ को बुलाना पड़ा। राष्ट्रीय राजमार्ग 12 को जाम करने वाले मुस्लिम उपद्रवियों ने दो पुलिस थानों को भी फूंक डाला। मंगलवार से शुरू हुआ उत्पात शनिवार की रात तक चलता रहा। इस दौरान 10 पुलिस कर्मी भी घायल हो गए हैं। बंगाल में यह हिंसा 7 अप्रैल से जारी है। इलाके में इंटरनेट सेवा को बंद कर दिया गया है। इसके साथ ही इलाक़े में बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। पुलिस ने चार जिलों से अभी तक 120 से अधिक हिंसक प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, सूती थाना क्षेत्र से 70 लोगों को, शमशेरगंज इलाके से 41 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने राज्य में हिंसा का संज्ञान लिया है। उन्होंने इस विषय पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से चर्चा की है। उन्होंने केंद्रीय बलों को उपद्रवियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया है। गवर्नर बोस के बयान का एक वीडियो राजभवन ने जारी किया है। उसमें राज्यपाल ने कहा है कि सार्वजनिक व्यवस्था को बाधित नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विरोध का स्वागत है, लेकिन हिंसा का नहीं। विरोध के नाम पर लोगों के जीवन से छेड़छाड़ नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा कि जो उपद्रवी सोचते हैं कि वे कानून को अपने हाथ में ले सकते हैं तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

हिंसा को लेकर पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने राज्य की ममता बनर्जी सरकार पर हमला बोला है। भाजपा नेता ने कहा कि बंगाल में अराजकता की स्थिति है। वहां कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब होती जा रही है। शुभेंदु ने कहा, कुछ कट्टरपंथी समूह संविधान और कानून का विरोध करते हुए खुलेआम हिंसा कर रहे हैं। आम लोग असुरक्षित हैं। बंगाल भाजपा के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने भी ममता बनर्जी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि हिंसा पर ममता बनर्जी के निर्देश पर पुलिस कुछ नहीं कर रही है। पुलिस चुपचाप बैठी हैं। ममता बनर्जी राज्य को बांग्लादेश बनाने की कोशिश कर रही हैं। हिंसा पर उतारू भीड़ द्वारा न केवल सड़क मार्ग, बल्कि रेल यातायात को भी बाधित किया गया है। पत्थरबाजी में कई पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। जिन गाड़ियों को फूंका गया है उनमें पुलिस के वैन और सार्वजनिक बसें शामिल हैं।

साइबर गुलामी...

को बचाया, हालांकि उन्होंने इस बात का विवरण नहीं दिया कि ऑपरेशन म्यांमार के भीतर किया गया था या नहीं।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (महाराष्ट्र साइबर) यशस्वी यादव ने कहा, आरोपियों में ऐसे मददगार शामिल हैं जिन्होंने पीड़ितों को म्यांमार ले जाने में मदद की। उन्होंने कहा, मामले की जांच के दौरान गोवा पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया, जबकि हमने मुख्य आरोपी को मुंबई से गिरफ्तार किया, जो एक भारतीय था। उन्होंने कहा कि 60 पीड़ितों में से कुछ को आरोपी बनाया जा सकता है, अगर उनकी इसमें भूमिका पाई जाती है।

अधिकारी ने बताया कि रैकेटियर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए पीड़ितों से संपर्क करते थे और उन्हें थाईलैंड और अन्य पूर्वी एशियाई देशों में उच्च वेतन वाली नौकरियों का लालच देते थे। एजेंटों ने पीड़ितों के लिए पासपोर्ट और फ्लाइट टिकट की व्यवस्था की और उन्हें पर्यटक वीजा पर थाईलैंड भेजा। वहां उतरने के बाद, उन्हें म्यांमार सीमा पर भेज दिया गया, जहां उन्हें छोटी नावों में नदी पार कराई गई। म्यांमार में प्रवेश करने पर, पीड़ितों को सशस्त्र विद्रोही समूहों द्वारा नियंत्रित संरक्षित परिसरों में ले जाया गया, जहां उन्हें डिजिटल गिरफ्तारी घोटाले से लेकर नकली निवेश योजनाओं तक के साइबर धोखाधड़ी करने के लिए मजबूर किया गया।

बचाए गए पीड़ितों ने पूछताछ में बताया कि आर-ोपी एजेंट भारत से नौकरी के इच्छुक लोगों को लुभाते थे। इनमें से कुछ कंपनियां रोजगार एजेंसियों की आड़ में काम करते थे। एक पीड़ित सतीश ने कहा कि उसे थाईलैंड में एक रेस्तरां प्रबंधक के रूप में नौकरी की पेशकश की गई थी। थाईलैंड पहुंचने के बाद, एजेंट हमें म्यांमार सीमा पर ले गया और हमें पता नहीं था कि उसने हमें प्रति व्यक्ति 5,000 डॉलर में बेच दिया है। पीड़ितों ने बताया कि पहले दिन ही हमारे पासपोर्ट जब्त कर लिए। वे हमें पीटते थे और जबरन वसूली, डिजिटल गिरफ्तारी और धोखाधड़ी सहित साइबर धोखाधड़ी करने के लिए मजबूर करते थे।

पीड़ितों ने कहा, अगर कोई काम करने से मना करता था, तो आरोपी व्यक्ति कार्यस्थल पर तैनात बंदूकधारी के जरिये हमें डराते थे। उनमें से कुछ को अंग निकालने की धमकी भी दी गई थी। उन्होंने कहा कि जिस इलाके में इन लोगों को ले जाया गया, उसे म्यावड्डी के नाम से जाना जाता है, जो विद्रोहियों के नियंत्रण में है और वहां के लोग अपने साथ एके-47 राइफल और स्वचालित हथियार रखते हैं।

हजार किलो...

परीक्षणों के दौरान, बम से कई स्टेशनों से एकीकृत किया गया और जमीन से लेकर द्वीप तक लक्ष्य साधे गए। डीआरडीओ और भारतीय वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने इन परीक्षणों में भाग लिया और इनकी समीक्षा की।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गौरव के सफल विकास परीक्षणों के लिए डीआरडीओ, भारतीय वायुसेना और संबंधित उद्योग भागीदारों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि लंबी दूरी के ग्लाइड बम के विकास से सशस्त्र बलों की मारक क्षमता में काफी वृद्धि होगी। इन सफल परीक्षणों से इस घातक हथियार को भारतीय वायु सेना (आईएएफ) में शामिल करने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। एलआरजीबी को डीआरडीओ के अनुसंधान केंद्र इमारत (हैदराबाद) ने स्वदेशी रूप से विकसित किया है।

सिख धर्म के लिए बेहद खास है बैसाखी

हर साल वैशाख माह के पहले दिन बैसाखी का पर्व मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, बैसाखी के दिन ही सूर्य मीन राशि से निकलकर मेष राशि में गोचर करते हैं। इस बार बैसाखी का पर्व 13 अप्रैल को मनाया जाएगा। इस शुभ अवसर लोग घरों में खास पकवान और नाच-गाने का आयोजन किया जाता है। क्या आपको पता है कि बैसाखी का त्यौहार कैसे मनाया जाता है?

वैदिक पंचांग के अनुसार, 13 अप्रैल को वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि तिथि है। इसी दिन बैसाखी का पर्व मनाया जाता है और प्रतिपदा तिथि से वैशाख माह की शुरुआत होती है।

ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 04 बजकर 28 मिनट से 05 बजकर 13 मिनट तक

विजय मुहूर्त - दोपहर 02 बजकर 30 मिनट से 03 बजकर 21 मिनट तक

गोधूलि मुहूर्त - शाम 06 बजकर 45 मिनट से 07 बजकर 07 मिनट तक

निशिता मुहूर्त - रात्रि 11 बजकर 59 मिनट से 12 बजकर 44 मिनट तक

सूर्योदय और सूर्यास्त का समय

सूर्योदय - सुबह 05 बजकर 58 मिनट पर
सूर्यास्त - शाम 06 बजकर 46 मिनट पर
चन्द्रोदय- शाम 07 बजकर 12 मिनट पर
चंद्रास्त- कोई नहीं।

कैसे मनाई जाती है बैसाखी

* इस दिन सुबह स्नान करने के बाद लोग गुरुद्वारों में भजन और प्रार्थना करते हैं। गुरुद्वारों को अधिक सुंदर तरीके से सजाया जाता है और खास रौनक देखने को मिलती है।

* गुरुद्वारे में माथा टेकने के साथ ही जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए कामना करते हैं।

* इसके अलावा धार्मिक कार्यक्रम और जुलूस का आयोजन किया जाता है।

* घरों में सरसों का साग और मक्के की रोटी समेत कई तरह के पकवान बनाए जाते हैं।

इस उपाय से करियर में सफलता

अगर आपको जीवन में अधिक मेहनत करने के बाद भी करियर में सफलता नहीं मिल रही है, तो ऐसे में बैसाखी के दिन गरीब लोगों में मूंग की दाल की खिचड़ी का दान करें। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से साधक को करियर में सफलता मिल सकती है। इसके अलावा अन्न और धन का करना चाहिए। इससे साधक को जीवन में शुभ परिणाम देखने को मिलते हैं।

खालसा साजना दिवस बैसाखी

13 अप्रैल सन 1699 का वह बैसाखी वाला दिन जहां पंजाब की पवित्र, ऐतिहासिक भूमि आनंदपुर,केशगढ़ साहिब,पंजाब में श्री गुरु गोविंद सिंह जी ने खालसा पंथ का निर्माण कर इतिहास के सुनहरे पन्नों में एक नए अध्याय को सदा के लिए जोड़ दिया। खालसा अकाल पुरख की फौज , परगटीयो खालसा परमातम की मौज, खालसा मेरो रूप है खास, खालसे मै हो करहो निवास । कहकर एक नए पंथ खालसा पंथ का निर्माण किया। बैसाखी का पर्व विशेष रूप से उत्तर भारत में बड़े ही हर्षोल्लास एवं पारंपरिक रीति रिवाज के साथ मनाया जाता है। यह केवल मात्र उत्सव नहीं, अपितु भारत के इतिहास में हिंदू धर्म एवं विशेष कर सिख धर्म समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत के नवयुग के निर्माण का उत्सव है। यह पर्व धार्मिक एकता, भाईचारा और धार्मिक परंपराओं का अनुष्ठान है। गुरु गोविंद सिंह जी ने 9 वर्ष की आयु में अपने पिता के शीश का संस्कार किया तब उनके बाल मन ने औरंगज़ेब द्वारा किए गए अन्याय, निरीह जनता पर किए गए अत्याचार,एवं अमानुषिक प्रवृतियों का दमन करने का दृढ़ संकल्प कर लिया था। समय के साथ यह संकल्प और भी दृढ़ होता गया ।इसी के परिणाम स्वरुप सन 1699 में उन्होंने एक नए युग ,नई सोच और नई पहचान को खालसा का रूप देकर खालसा पंथ को जन्म दिया। यही खालसा साजना दिवस के रूप में प्रतिवर्ष 13 अप्रैल को सारे विश्व में बड़े हर्ष एवं उल्लास, सत्कार एवं सम्मान के साथ मनाया जाता है। इस नए युग का आरंभ गुरु गोविंद सिंह जी ने बैसाखी के पर्व पर करने का अगर फैसला किया था तो वह सर्वदा उचित ही था। बैसाखी पर्व नववर्ष के आगमन के साथ ही खालसा पंथ के जन्म ने सिख इतिहास एवं भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ लिया, जहां अन्याय एवं उत्पीड़न के विरुद्ध जन सामान्य एक साथ खड़ा हुआ। गुरुजी ने अन्याय एवं अत्याचार का अंत करने के लिए खालसा पंथ की स्थापना की। सिखों को एक विशिष्ट पहचान एवं शक्ति प्रदान की जो जाति एवं धर्म से ऊपर उठकर एक साथ खड़े होने की भावना को बढ़ावा देती है। खालसा भक्ति एवं शक्ति का समन्वय है।

प्रतिबद्धता और सामाजिक जागरूकता की उच्चतम विशेषताओं को कायम रखता है। समाज तथा राष्ट्र निर्माण के सर्वांगीण विकास के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले सरबंस दानी श्री गुरु गोविंद सिंह जी का जन्म 26 दिसंबर सन 1666 में माता गुजरी जी तथा पिता श्री गुरु तेग बहादुर जी के घर पटना बिहार में हुआ। बाल्यावस्था से ही गुरुजी के विचारों में प्रगल्भता एवं कृति में स्पष्टता थी। पूर्व गुरुओं की शिक्षा और बलिदान त्याग ,साहस उन्हें विरासत में संस्कारों के रूप में मिला था। पंद्रहवी सदी में तत्कालीन समाज में फैली विषमता ,असमानता ऊंच नीच, जाति पाति के कुचक्र में दबे कुचले सामान्य जन को इससे निकालने का जो बीड़ा श्री गुरु नानक देव जी ने उठाया था उसे श्री गुरु गोविंद सिंह जी ने पूर्ण किया। मानस की जात सबै एके पहचानबो का संदेश देकर समस्त जन समूह को मानवता के मंच पर खड़ा किया ।और ऊंच नीच ,जाति पाति से परे मानवता को ही मनुष्य की सबसे बड़ी पहचान बताया। इस कार्य को बैसाखी के पवित्र पर्व पर 13 अप्रैल सन 1699 में आनंदपुर साहिब पंजाब की पवित्र भूमि में खालसा पंथ का निर्माण कर गुरुजी ने सदियों से चली आ रही सामाजिक विडंबनाओ का अंत किया और एक ऐसे नव समाज का निर्माण किया जहां सब समान कहलाए। आपने बैसाखी के पर्व पर भारत वर्ष के कोने-कोने से हजारों की संख्या में जनसमूह को एकत्रित हो उपस्थित रहने का आह्वान किया।हजारों की संख्या में जन समूह आनंदपुर साहिब पहुंचा जहां गुरुजी ने भरी सभा में अपना शीश देने का आवाहन किया। तब भिन्न भिन्न स्थान एवं जाति के पांच सत सज्जन अपना शीश भेंट देने गुरुजी के समक्ष प्रस्तुत हुए ।जिन्हें गुरुजी ने स्वयं अमृत पान कराया जो पंच प्यारे कहलाए,पश्चात गुरुजी ने उनसे अमृत पान कर सिंह सजे। पंज प्यारे बने वे थे दया राम(भाई दया सिंह जी), धर्मदास(भाई धर्म सिंह जी),मोहकम चंद(भाई मोहकम सिंह जी,)हिम्मत राय (भाई हिम्मत सिंह जी)और साहब चंद(भाई साहब सिंह जी)। सभी ने गुरु गोविंद सिंह जी की आज्ञा को शिरोधार्य माना तथा अपना शीश भेंट दिया। अपने गुरु के प्रति इतनी निष्ठा तथा आदर का ही परिणाम था कि गुरुजी ने इन पांचो को केसरिया वेशभूषा तथा पांच कंकारों,- केश,किरपान, कड़ा,कंघा, कचहरा से सुसज्ज कर कटोरे में जल तथा माताजी जीतो जी द्वारा बतासे मिला उस अकाल पूरख परमात्मा को याद करते हुए गुरबाणी का पाठ करते हुए अमृत बनाया।

गुरुजी ने गुरु बन अपने हाथों से उन्हें अमृत पान कराया तथा पश्चात स्वयं चेला बनकर उनसे अमृत पान किया। गुरुजी ने इस महान कार्य को कर वाह वाह गोविंद सिंह आपे गुरु चेला के कथन को सार्थक कर दिखाया।खालसा पंथ का निर्माण श्री गुरु गोविंद सिंह जी की दूरदृष्टि तथा भविष्य में आने वाली चुनौतियों का सामना करने ,अपने परवर्ती गुरुओं की शिक्षा को सदैव के लिए अंगीकार करने हेतु, मानवता की सर्वोच्चता बनाए रखने हेतु किया गया महानतम कार्य है।खालसा पंथ का निर्माण अमानुषिक प्रवृत्तियों एवं विचारों का दमन करना तथा न्याय की प्रतिष्ठापना करना है। सभी को समान अधिकार प्रदान करना, दीन दुखियों की मदद करना,समाज के पतित, दुत्कारे हुए जन सामान्य को सम्मान के साथ जीवन जीने का अधिकार प्रदान करना है। सतमार्ग का अंगीकार करते हुए उस काल पूरख परमेश्वर की रजा में रहना आदि खालसा पंथ के मुख्य उद्देश्य हैं। खालसा वह है जहां भक्ति और शक्ति का समन्वय हो। खालसा एक संत, सिपाही और एक सिख बनकर अपने मानवीय उच्चतम गुणों का निर्वाह करता है। वह ना किसी से डरता है न किसी को डराता है । गुरूजी द्वारा दिए गए पंज कंकारो का अंगीकार करता है। सभी को परमात्मा की संतान मानकर सभी के साथ प्रेम पूर्वक व्यवहार करना खालसा को विशेष बनता है। खालसा अन्याय तथा अत्याचार के विरुद्ध डटकर मुकाबला करता है। दीन दुखियों की मदद करता है और हमेशा मानवता की सेवा में, सरबत के भले में अपना जीवन व्यतीत करता है। ऐसे पवित्र खालसा साजना दिवस बैसाखी की सभी को अनंत शुभकामनाएं।

-डॉ. राजेंद्र कौर महाजन

मानवता के प्रवर्तक महाराजा अग्रसेन जी का संक्षिप्त जीवन परिचय

महाराजा अग्रसेन अग्रोहा के राजा थे, वह मानवता के बहुत बड़े प्रवर्तक थे, उनका जन्म भगवान श्रीराम के कुल सूर्यवंश में महाराजा बल्लभसेन के पुत्र के रूप में द्वापरयुग के अंत एवं कलयुग के प्रारंभ में अर्थात महाभारत काल के समय 5178 वर्ष पूर्व प्रतापपुर में हुआ था। अग्रसेन जी के पिता वल्लभसेन प्रतापपुर के राजा थे, वल्लभसेन के दो पुत्र हुए बड़े पुत्र का नाम अग्रसेन और छोटे पुत्र का नाम शौर्यसेन था। अग्रसेन जी बाल्यावस्था से ही बहुत होनहार, शूरवीर, बुद्धिमान एवं तेजस्वी बालक थे, उन्होंने 14 वर्ष की आयु तक तांडव ऋषि के आश्रम में गुरुकुल की शिक्षा प्राप्त की, वहीं पर उन्होंने अट्ठारह पुराणों का, चारों वेदों का, सभी उपनिषदों एवं धर्मग्रंथों अध्ययन किया और अस्त्र-शस्त्र की विद्या में पूर्ण निपुण हुए।

गुरुकुल से शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात अग्रसेन जी वापस अपने पिता के पास प्रतापपुर आये, उसी समय महाभारत युद्ध लड़ने का निमंत्रण पांडवों की ओर से उनके पिता को मिला और उन्होंने मात्र 15 वर्ष की आयु में अपने पिता के साथ पांडवों की ओर से कुरुक्षेत्र के मैदान में महाभारत के युद्ध में हिस्सा लिया और भगवान श्रीकृष्ण के सानिध्य में महाभारत का धर्मयुद्ध लड़ा, महाभारत के युद्ध में उनके पिता नौवें दिन भीष्म पितामह के हाथों वीरगति को प्राप्त हुए, अग्रसेन जी ने 18 दिनों तक महाभारत का युद्ध धर्म की मर्यादा में रहकर लड़ा और किसी भी निहत्थे योद्धा पर वार नहीं किया, अग्रसेन जी ने महाभारत के युद्ध में भगवान श्रीकृष्ण के मुखारविंद से भगवत गीता के 18 अध्यायों को भी सुना और गीता के उन 18 अध्यायों को अपने जीवन में धारण किया और उनको अपने जीवन का आधार बनाया। महाभारत युद्ध की समाप्ति पर जब धर्मराज युधिष्ठर सभी राजाओं का धन्यवाद कर रहें थे जब वह युवराज अग्रसेन का धन्यवाद करने लगे तब भगवान श्रीकृष्ण बीच में बोल पड़े कि हे धर्मराज युधिष्ठर यह कोई साधारण राजा नहीं है इस महाभारत युद्ध के बाद द्वापरयुग समाप्त हो जाएगा और कलयुग प्रारंभ होगा तथा कलयुग में धर्म की स्थापना करने के लिए अग्रसेन ने अवतार लिया है। श्रीकृष्ण जी ने अग्रसेन जी को कहा कि जाओ अग्रसेन कलयुग में धर्म की स्थापना करो और श्रीकृष्ण ने अग्रसेन जी को अपना आशीर्वाद देकर विदा किया। उसके बाद अग्रसेन जी की भेंट गर्ग ऋषि से हुई, गर्ग ऋषि ने उन्हें पुरे संसार की महामाया आद्य महालक्ष्मी की आराधना करने के लिए प्रेरित किया तब अग्रसेन जी ने लगातार 1100 दिनों तक एक पांव पर खड़े होकर अग्रोहा की धरती पर आद्य महालक्ष्मी जी की कठोर तपस्या की।

अग्रसेन जी ने लगातार 1100 दिनों तक एक पांव पर खड़े होकर अग्रोहा की धरती पर आद्य महालक्ष्मी जी की कठोर तपस्या की। अग्रसेन जी की तपस्या से प्रसन्न होकर दिवाली वाले दिन आद्य महालक्ष्मी ने साक्षात् दर्शन देकर उन्हें सुख-समृद्धि एवं जन-कल्याण का आशीर्वाद दिया। आद्य महालक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त करके अग्रसेन जी ने अग्रोहा गणराज्य का निर्माण किया, अग्रोहा को 18 गणराज्यों में विभाजित कर एक विषाल साम्राज्य की स्थापना, अग्रसेन जी ने मणिपुर (नागवंश) के राजा महिधर की कन्या माधवी के साथ विवाह किया और 18 पुत्रों व 1 पुत्री को जन्म दिया और गर्ग ऋषि के आदेश पर अपने राज्य की प्रजा के कल्याण के लिए 18 कुंडीय यज्ञों का आयोजन किया, जीव-जंतुओं पर दया करते हुए उन्होंने यज्ञ में होने वाली पशु बलि पर प्रतिबंध लगाकर यज्ञ में नारियल की आहुति का चलन प्रारम्भ किया और पूरी दुनिया को अहिंसा परमो धर्म; का सन्देश दिया। 18 कुंडीय यज्ञ करवाने वाले 18 ऋषियों के नाम पर 18 गोत्र बनें, यज्ञों के पूर्ण होने के बाद महाराजा अग्रसेन जी ने अपने 18 पुत्रों को 18 गौत्र प्रदान किए। जिसमें गर्ग, गोयन, गोयल, कंसल, बंसल, सिंहल, मित्तल, जिंदल, बिंदल, नागल, कुच्छल, भंदल, धारण, तायल, तिंगल, ऐरण, मधुकुल एवं मंगल सम्मिलित है।

यज्ञों में पशु बलि पर प्रतिबंध लगाने के कारण उन्हें क्षत्रिय वर्ण का त्याग करके वैश्य वर्ण धारण करना पड़ा, अग्रसेन जी ने गरीब एवं जरूरतमंद व्यक्तियों की बिना अहसास दिलाये सहायता करने और मानवकल्याण के लिए अपने राज्य अग्रोहा में अंत्योदय योजना लागु की, अतः अग्रोहा राज्य के हर संपन्न परिवार द्वारा अन्य किसी राज्य से अग्रोहा आने वाले हर जरूरतमंद या गरीब व्यक्ति को गले लगाकर एक ईंट-एक रुपया देने की परंपरा प्रारम्भ की, जिसके परिणास्वरूप वह व्यक्ति ईंटों से अपना घर बनायें और पैसों से अपना व्यापार प्रारम्भ करके अपना एवं मानवजाति का भला कर सकें। यह परंपरा आज भी पूरे विश्व में बहुत सार्थक है। उस समय नागवंश (मणिपुर) में चल रही बहुपत्नी प्रथा को समाप्त करके अग्रसेन जी ने राजा महिधर की सभी कन्याओं से विवाह ना करके सिर्फ माधवी जी से विवाह किया और एक पत्नी प्रथा को समाज में लागु किया, साथ ही महिला सशक्तिकरण व महिलाओं के सम्मान को बढ़ाया, और अर्धनारीश्वर के सिद्धांत को मानव मात्र के लिए लागू कराया। देवताओं का राजा इंद्र जब अग्रसेन जी और माधवी जी के विवाह से नाराज हुए तो उन्होंने अग्रोहा राज्य में वर्षा बंद कर दी जिस कारण पुरे राज्य में भयंकर सूखा पड़ गया, तब उस विषम परिस्थिति में अग्रसेन जी ने किसानों के हितों की रक्षा के लिए पहली नहरी योजना लागू की, यह देख इंद्र और अधिक क्रोधित हुआ और अग्रसेन जी को युद्ध के लिए ललकारा, तब अग्रसेन जी ने इंद्र को युद्ध में हराकर अपने राज्य की जनता व किसानों का भला किया, यह देख नारदमुनि ने अग्रसेन जी और इंद्र का समझौता कराया तथा इंद्र ने अग्रसेन जी से मित्रता की और उन्हें आशीर्वाद देकर स्वर्ग चले गए।

मानवता के कल्याणहेतु भगवान अग्रसेन जी ने प्रारम्भ की एक ईंट-एक रुपया की परंपरा

महाराजा अग्रसेन के अपने राज्य अग्रोहा में एक प्रथा प्रारम्भ की थी, जब कोई भी परिवार बाहर से अग्रोहा आकर बसता था, तो प्रत्येक संपन्न व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी समझकर उस बाहर से आने वाले व्यक्ति को एक मुद्रा-एक ईंट भेंट करता था, उसका लाभ यह होता था कि बाहर से आने वाला व्यक्ति बहुत ही आसानी से अपना घर-परिवार बसा कर व्यापार करना प्रारम्भ कर देता था और उसका जीवन स्तर भी अन्य संपन्न व्यक्तियों जैसा हो जाता था, एक ईंट एक मुद्रा की परंपरा अन्तोदय योजना को समाज में प्रारम्भ कर सम्पूर्ण समाज को एक नई दिशा प्रदान करने वाले कलयुग के अवतारी महाराजा अग्रसेन जी ने मानवकल्याण हेतु मानवतावादी (वसुधैव कुटुम्बकम) विचारधारा को जमीनी स्तर पर कार्यान्वित किया वो भी सैंकड़ो साल पहले। जय हो

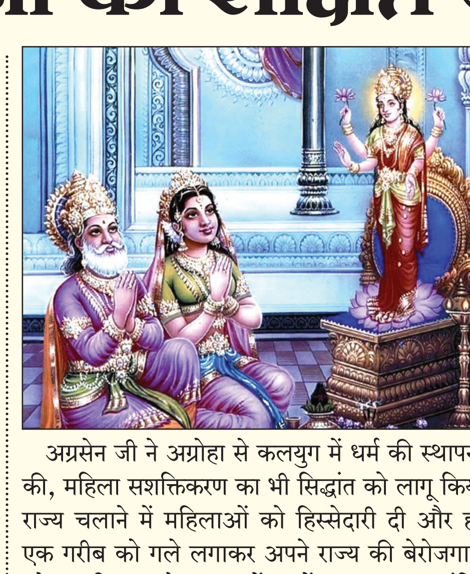

अग्रसेन जी ने अग्रोहा से कलयुग में धर्म की स्थापना की, महिला सशक्तिकरण का भी सिद्धांत को लागू किया राज्य चलाने में महिलाओं को हिस्सेदारी दी और हर एक गरीब को गले लगाकर अपने राज्य की बेरोजगारी को दूर किया और राज्य में चारों तरफ सुख, शांति, समृद्धि और यश-वैभव की हवा चलायी। आज के समय में भी अग्रसेन जी के द्वारा स्थापित उनके अट्ठारह सिद्धांत पूरे विश्व में बहुत प्रसांगिक है इन सब का उल्लेख जैमिनी ऋषि के द्वारा लिखित श्रीअग्र भागवत पुराण में विस्तार से मिलता है। अग्रसेन जी मानवता के प्रवर्तक थे, गरीबों के मसीहा थे, वह कलयुग में धर्म के संस्थापक थे, अहिंसा के पुजारी थे, और उन्होंने राजा और प्रजा के बीच के भेद को खत्म कर हर आदमी को गले लगाया और यह कहे कि कलयुग में सच्चे रामराज की उन्होंने स्थापना की, ऐसे थे महान युगपुरुष महाराजा अग्रसेन जी।

महाराज श्री अग्रसेन जी के पुत्रों के विवाह सहित अन्य प्रसंग

श्रीअग्रसेन जी महाराज का विवाह महारानी माधवीजी से हुआ। जिनके 18 पुत्र तथा 18 पुत्र वधू एवं एक कन्या थी। सबसे बड़े पुत्र विभुसेन का विवाह पुत्रवधू चित्रा के साथ, दूसरे पुत्र विक्रम सेन का पुत्रवधू शुभा, तीसरे पुत्र विजय सेन पुत्रवधू कांति, नीरज सेन संघ रेणुका, नगेंद्र सेन संघ शिरा, श्रीमंत सेन संजय पुत्रवधू माला, सोम सेन संक्रांति पुत्रवधू शांति, श्रीराम अशोक सेन पुत्रवधू सावित्री, सिद्धार्थ सेन पुत्रवधू तारा, लोकपति सेन पुत्रवधू प्रभावती, अजय सेन पुत्रवधू शीला, अनिल सेन पुत्रवधू स्वाति, अमर सेन पुत्रवधू शेरमा, सुरेश सेन पुत्रवधू सखी, धरणीधर सेन पुत्रवधू प्रिया, अतुल सेन पुत्रवधू सुकन्या, सुदर्शन सेन पुत्रवधू हेमवती, गणेश्वर सेन पुत्रवधू नागमणि तथा एक पुत्री ईश्वरी का विवाह काशीराज पुत्र महेश के साथ हुआ था। इंद्रियों ऋषियों के नाम पर 18 पुत्रों को गोत्र में बैठकर अग्रवंशी स्थापित किया। उन्होंने कहा कि भगवान अग्रसेन को भगवान राम और भगवान श्री कृष्ण दोनों का आशीर्वाद प्राप्त था।अग्र भागवत एक बहुत ही प्राचीन धार्मिक ग्रंथ है। यह ग्रंथ जिम्मेदारी, समर्पण, कर्तव्य और पुरुषार्थ की भावना को जागृत करने पर आधारित है। मानव जीवन सृष्टि का सबसे बड़ा रूप है और मनुष्य के रूप में जन्म लेना ईश्वर का आशीर्वाद है। श्रीमद्भागवत के बाद अग्रभागवत शुरू होती है। भागवत को समझने से व्यक्ति न केवल भगवान को जान पाता है, बल्कि उनके करीब भी पहुँचता है। हृदय और आत्मा को शुद्ध करने के लिए कोई साबुन नहीं बनाया गया है। संतों की संगति में भागवत कथा सुनने से हृदय और आत्मा की शुद्धि होती है।

मां लक्ष्मी से पाया था इन्होंने विशेष वरदान

महाराजा अग्रसेन को श्रीराम का वंशज माना गया है। अश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि यानि शारदीय नवरात्रि के पहले दिन हर साल महाराजा अग्रसेन की जयंती मनाई जाती है। महाराज अग्रसेन, अग्रवाल अर्थात वैश्य समाज के जनक कहे जाते हैं। इन्होंने व्यापारियों के राज्य की स्थापना की थी यही वजह है कि अग्रसेन जी के जन्मोत्सव पर व्यापारी क्षेत्र से जुड़े लोग विधि विधान से उनकी पूजा करते हैं।

मां लक्ष्मी से पाया आशीर्वाद

मान्यता है एक बार महाराजा अग्रसेन के राज्य में सूखा पड़ गया था। धन-अन्न के लाले पड़ गए थे। तब लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए उन्होंने कठोर तप किया तो मां लक्ष्मी ने उन्हें साक्षात दर्शन दिए और धन वैभव प्राप्त करने का आशीर्वाद दिया।

अग्रवालो के प्रथम पितृदेव

मान्यता है यदि किसी को पितृदोष हो, संतान नहीं हो रही हो, विवाह नहीं हो रहा हो, या जीवन में और कोई समस्या हो तो वे एकबार हमारी पित्र भूमि अग्रोहाधाम जाकर हमारे प्रथम पित्र देव के चरणों में अरदास करे, के आप के कुल की समस्य सुलझाए प्रभु, हमारी समस्या में सुधार होते ही हम एक बार फिर अग्रोहा आकर सवामनी करेंगे, बस इतना ही कहना है। आप को चमत्कार दिखेगा। सभी समस्याओं का समाधान अवश्य होता है। अग्रोहा में ठहरने के लिए 104 एयर कंडीशन रूम और भोजन की पूर्ण व्यवस्था है।

- शशिकांत अग्रवाल
राष्ट्रीय संघटन मंत्री
अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन

रेजिना फिल्म जाट की लेडी विलेन बन फिल्म में दे रही सनी देओल को टक्कर

डायलॉग और खौफनाक रोल से कांपे दर्शक

सनी देओल ने फिल्म जाट से टॉलीवुड डेब्यू कर लिया है। जाट एक पैन इंडिया फिल्म है, जो बीती 10 अप्रैल को रिलीज हुई है। फिल्म में सनी का जाट अवतार दिख रहा है। जाट ने अपनी रिलीज के दो दिन पूरे कर लिए हैं और फिल्म ने इन दो दिनों में 20 करोड़ रुपये से ज्यादा का बिजनेस कर लिया है। दर्शकों को जाट बेहद पसंद आ रही है। थिएटर्स तालियों और सीटियों से गूंज रहे हैं। गदर 2 के बाद सनी ने जाट से पर्दे पर वापसी की है। फिल्म में सिर्फ सनी के धाकड़ रोल ही नहीं बल्कि इसके विलेन राणतुंगा (रणदीप हुड्डा) और लेडी विलेन (रेजिना कैसेंड्रा) ने अपने खौफनाक अवतार से दर्शकों का पसीना छुड़ा दिया है।

फिल्म जाट में रेजिना कैसेंड्रा एक्टर रणदीप हुड्डा के विलेन किरदार राणतुंगा की पत्नी भारती के रोल में हैं। राणतुंगा और भारती ने फिल्म में लोगों के बीच अपनी दहशत पैदा कर रखी है और वो मिनट-मिनट में लोगों को मार काट कर खून बहा देते हैं। जब लेडी विलेन का सामना जाट से होता है, थिएटर्स दर्शकों के शोर से गूंज उठता है। रेजिना के बारे में बता दें, वह कई साउथ फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। उन्हें ज्यादातर नेगेटिव रोल में ही देखा गया है। रेजिना ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत तमिल फिल्म कंडा नाल मुधाल से की थी।

रेजिना कैसेंड्रा की खास फिल्में

साल 2012 में रेजिना को तेलुगू फिल्म मनासुलो श्रुति से पहचान मिली। फिल्म में वह अहम भूमिका में नजर आई थीं। फिल्म में अपनी अदायगी के लिए उन्हें सिम्मा अवार्ड फॉर बेस्ट फीमेल डेब्यू से नवाजा गया था। रूटीन लव स्टोरी, केडी बिल्ला किल्लाडी रांगा, पावर और पिल्ला नुव्वु लेनी जीविथम एक्ट्रेस की खास फिल्में हैं। रेजिना बेहद खूबसूरत हैं और उन्हें देखने के लिए सोशल मीडिया पर उनके फैंस की भीड़ जमा है। एक्ट्रेस को सोशल मीडिया पर 20 लाख से ज्यादा फैंस फॉलो करते हैं। वह आए दिन सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं।

कमांडो के 12 साल

विपुल अमृतलाल शाह की एक्शन हिट के आइकॉनिक सीन्स जो आज भी हैं एवरग्रीन

विपुल अमृतलाल शाह उन फिल्ममेकर्स में से हैं जो हमेशा दमदार कहानियों और क्वालिटी सिनेमा के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कई हिट फिल्में प्रोड्यूस की हैं, लेकिन अगर कोई प्रोजेक्ट सबसे ज़्यादा याद किया जाता है, तो वो है 'कमांडो'। विद्युत जामवाल को लेकर बनाई गई ये फिल्म इतनी पॉपुलर हुई कि एक पूरी एक्शन थ्रिलर फ्रेंचाइज़ी बन गई। साफ है, विपुल शाह को जब कंटेंट पर भरोसा होता है, तो वो पूरा दम लगाकर उसे बड़ा बना देते हैं।

आज 'कमांडो: ए वन मैन आर्मी' को रिलीज़ हुए पूरे 12 साल हो गए हैं। जब ये फिल्म आई थी, तो इसके एक्शन सीन और स्टंट्स को देखकर हर कोई दंग रह गया था। विद्युत जामवाल की फुर्ती, दमदार बॉडी लैंग्वेज और रॉ एक्शन ने बॉलीवुड में एक नया ट्रेंड सेट कर दिया था। इस फिल्म की कहानी भी काफी टाइट थी, एक ऐसा अकेला आदमी जो पूरे सिस्टम और गुंडों से भिड़ जाता है, वो भी बिना किसी सुपरपावर के। रियल एक्शन, बिना बॉडी डबल के स्टंट्स और विद्युत का स्वैग सबने मिलकर इसे खास बना दिया। इस खास मौके पर चलिए, याद करते हैं 'कमांडो: ए वन मैन आर्मी' के कुछ बेस्ट और पावर-पैक्ड सीन्स, जिन्होंने इसे एक कल्ट एक्शन फिल्म बना दिया।

फोर्स में विद्युत जामवाल की धमाकेदार एंट्री पोस्टर से ही साफ थी!

कमांडो: ए वन मैन आर्मी का सबसे आइकोनिक सीन कौन-सा है, अगर ये पूछा जाए, तो जवाब होगा विद्युत जामवाल की हीरोइक एंट्री, जब वो फोर्स पोस्टर को फाड़ते हुए बाहर आते हैं। एकदम परफेक्ट बैकफ्लिप मारकर गुंडे को ढेर कर देना, फिर पोस्टर तोड़ते हुए दमदार अंदाज़ में लैंड करना। बस, यहीं से तय हो गया था कि ये एक्शन हीरो बाकी सबसे अलग है। उस एक सीन में ही डर, हिम्मत और धुआंधार स्टाइल सब कुछ था।

डेयरडेविल ब्रिज जंप: विद्युत का हाई ऑक्टेन स्टंट पूजा चोपड़ा के साथ

कमांडो: ए वन मैन आर्मी के सबसे दमदार सीन में एक वो पल भी है जब विद्युत जामवाल को जयदीप अहलावत और उसके गुंडों ने पुल पर चारों तरफ से घेर लिया होता है। सबको लग रहा होता है कि अब तो कोई रास्ता नहीं बचा, लेकिन तभी विद्युत तीन आदमियों पर छलांग लगाते हैं, फुर्ती से पूजा चोपड़ा को थामते हैं और सीधे नदी में छलांग लगा देते हैं। पूरा सीन ऐसा है कि देखने वाला भी थम जाए।

जयदीप अहलावत का सिहरन पैदा कर देने वाला गुस्सा

कमांडो में अमृत AK-74 कंवल सिंह के रोल में जयदीप अहलावत ने अपनी सबसे जबरदस्त परफॉर्मेंस दी थी। एक सीन में जब पूजा चोपड़ा उनकी बात नहीं मानती, तो वो पहले उस पर जोर से चिल्लाते हैं, और फिर अचानक एकदम ठंडे, लेकिन डरावने ह्यूमर में बदल जाते हैं। उनकी आंखों में जो पागलपन और अंदाज़ में जो सनक थी, वो सीन को एकदम खौफनाक बना देती है। ऐसा परफॉर्मेंस जो देखने वालों के रोंगटे खड़े कर दे।

संजय दत्त ने नशे में वाइफ मान्यता के साथ किया बॉल डांस?

वायरल वीडियो देख लोग बोले- भाई में खलनायक अभी जिंदा है

90 के फेमस हीरो संजय दत्त के गुड लुक्स और पर्सनालिटी का आज भी कोई जवाब नहीं हैं, इसलिए लड़कियां आज भी उन पर दिल हारती हैं। लेकिन संजय दत्त का दिल उनकी बीवी मान्यता पर टिका हुआ हैं। शादी से पहले भले ही उनके सैकड़ों अफेयर रहे हो, लेकिन अब संजय वन मैन वूमेन हैं और अपनी वाइफ मान्यता को बेहद प्यार करते हैं। उनका यही प्यार एक वीडियो में नजर आया, जिसमें वह अपनी वाइफ मान्यता के साथ रोमांटिक अंदाज में डांस करते हुए नजर आए। सोशल मीडिया पर इस रोमांटिक कपल का वीडियो खूब पसंद किया जा रहा हैं।

इंस्टाग्राम पर बॉलीवुड के हैंडसम हंक हीरो संजय दत्त का एक वीडियो शेयर किया गया हैं। इसमें वह ब्लू कलर का टक्सीडो सूट पहने नजर आ रहे हैं। उनकी वाइफ मान्यता ब्लैक और व्हाइट कलर की छोटी सी ड्रेस पहने बेहद खूबसूरत लग रही हैं और दोनों पार्टी के बीच में रोमांटिक अंदाज में डांस करते हुए नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर संजय और मान्यता का यह वीडियो खूब पसंद किया जा रहा हैं, हजारों लोग इसे लाइक कर चुके हैं। एक यूजर ने कमेंट किया बाबा फुल टाइट हैं। तो एक अन्य यूजर ने लिखा- हम तो संजय सर की काबिलियत के दीवाने हैं, ओल्ड इस डायमंड। इसी तरह से कई यूजर्स ने हसबैंड वाइफ की जोड़ी को कमाल बताया, तो कइयों ने संजय दत्त के नशे में होने की बात भी कही। वहीं एक यूजर ने लिखा- भाई में खलनायक अभी जिंदा है।

2008 में हुई थी संजय और मान्यता की शादी

बता दें कि बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त ने 2008 में मान्यता दत्त के साथ गोवा में शादी की थीं। शादी से पहले उन्होंने 2 साल तक डेटिंग भी की। यह संजय और मान्यता की पहली शादी नहीं हैं। मान्यता की पहली शादी मेराज उर रहमान से हुई थीं, वहीं संजय दत्त की पहली शादी रिचा शर्मा से हुई थीं, जिनका 1996 में ब्रेन ट्यूमर की वजह से निधन हो गया था। इसके बाद उन्होंने रिया पिल्लई से भी शादी की, लेकिन उनकी यह शादी भी लंबे समय तक नहीं चल पाई। इसके बाद संजय और मान्यता को एक दूसरे में हमसफर मिला। दोनों के जुड़वा बच्चे भी हैं, जिनका नाम इकरा और शहरान दत्त हैं।

शैनन के कोचेला 2025 में देंगी प्रस्तुति बनीं भारतीय मूल की पहली स्वतंत्र गायिका, बोलीं- यह अविश्वसनीय...

सिंगर शैनन के। इतिहास रचने जा रही हैं। वह अप्रैल, 2025 में कोचेला महोत्सव में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली पहली भारतीय मूल की कलाकार होंगी। यह महोत्सव कैलिफोर्निया के इंडियो के एम्पायर पोलो क्लब में 11 अप्रैल, 2025 से 13 अप्रैल, 2025 तक और 18 अप्रैल, 2025 से 20 अप्रैल, 2025 तक आयोजित किया जाएगा। शैनन ने कार्यक्रम में प्रस्तुति देने के लिए अपनी उत्सुकता व्यक्त की शैनन के। के लिए यह गर्व का क्षण है क्योंकि वह कोचेला 2025 में अपनी शुरुआत कर रही हैं और इस कार्यक्रम में प्रस्तुति देने वाली कुछ भारतीय प्रतिभाओं में से एक हैं। शैनन की टीम द्वारा शेयर किए गए प्रेस नोट में कहा गया है कि यह प्रतिष्ठित कार्यक्रम किसी अविश्वसनीय चीज़ की शुरुआत मात्र है। उनके लिए यह एक सपना है।यहां वह इंडी-पॉप गानों के अलावा कुछ सबसे मशहूर बॉलीवुड ब्लॉकबस्टर गानों का फ्यूजन पेश करेंगी। उनकी परफॉर्मेंस लिस्ट में गिव मी योर हैंड, ए लॉन्गटाइम, ऑलवेज, रन,

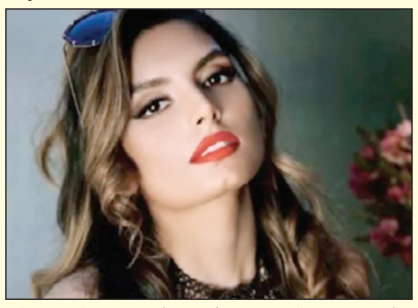

रिट्रेस, ओएमटी और कई अन्य गाने शामिल हैं। गिव मी योर हैंड गाना एक बहुत बड़ा हिट है, जिसने उन्हें अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई और उन्होंने सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय गायिका का पुरस्कार भी जीता।16 जून, 2001 को जन्मी शैनन ने रॉयल एकेडमी ऑफ़ म्यूज़िक, लंदन से संगीत की पढ़ाई की। उन्होंने अमेरिका के प्रतिष्ठित ली स्ट्रैसबर्ग थिएटर एंड फ़िल्म इंस्टीट्यूट में भी अभिनय किया है। 2018 में शैनन ने दिग्गज गायक सोनू निगम के साथ मिलकर लव सॉन्ग ओएमटी रिलीज़ किया।

बिना कीमोथैरेपी के हुआ शर्मिला टैगोर के कैंसर का इलाज

बेटी सोहा अली खान ने किया खुलासा

बॉलीवुड सुपरस्टार शर्मिला टैगोर ने साल 2023 में बताया कि उन्होंने कैंसर से लड़ाई की। फैंस इस बात से शॉक्ड थे कि एक्ट्रेस ने पब्लिक को भनक तक नहीं लगने दी कि वह किस दौर से गुजरीं। लेकिन अब शर्मिला टैगोर की बेटी सोहा अली खान ने मां के उस दौर की बात की और कुछ डिटेल शेयर कीं। नयनदीप रक्षित के यूट्यूब चैनल में सोहा अली खान ने कहा, मेरे परिवार में बहुत नुकसान हुआ है। हम सभी तनावपूर्ण स्थितियों से गुजरे हैं, जैसा कि हर कोई करता है।

उन्होंने आगे कहा, मेरी मां उन बहुत कम लोगों में से एक थीं, जिन्हें स्टेज ज़ीरो पर फेफड़े के कैंसर का पता चला था, और कोई कीमोथेरेपी नहीं, कुछ भी नहीं। यह उनके शरीर से निकाला गया और अब वह पूरी तरह ठीक हैं। जो लोग नहीं जानते उन्हें बता दें कि शर्मिला टैगोर की हेल्थ के बारे में 2023 में कॉफी विद करण में पता चला जब एक्ट्रेस बेटे सैफ अली खान के साथ पहुंची थीं। होस्ट करण जौहर ने खुलासा किया कि शर्मिला टैगोर रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में शबाना आजमी के रोल के लिए पहली पसंद थीं। उन्होंने कहा, मैंने शबानाजी द्वारा निभाया गया किरदार शर्मिला जी को ऑफर किया था। वह पहली पसंद थीं। लेकिन उनकी उस समय हेल्थ की वजह से वह हां नहीं कर पाईं। यह मेरा पछतावा है। इस पर शर्मिला टैगोर ने कहा, कोविड उस समय चरम पर था। वे (परिवार) वास्तव में इससे नहीं जूझ रहे थे, हमें टीका नहीं लगाया गया था। मेरे कैंसर के बाद।।। वह नहीं चाहते थे कि मैं वह जोखिम उठाऊं।

गौरतलब है कि शर्मिला टैगोर हाल ही में बंगाली फिल्म पुरतवान में नजर आईं। इससे पहले 2023 में वह मनोज बाजपेयी के साथ गुलमोहर में दिखीं, जिसे तीन नेशनल अवॉर्ड बेस्ट फीचर फिल्म इन हिंदी और बेस्ट स्क्रीनप्ले (डायलॉग) मिले।

ऑनस्क्रीन व्यक्तित्व इमरान हाशमी के लव लाइफ और शादी में बना था बाधा

इमरान हाशमी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी बोल्ड और रोमांटिक इमेज के लिए लोकप्रिय हुए। फैंस ने उन्हें लवर बॉय के रोल में पसंद किया। उन्हें 'सीरियल किसर' का टैग मिला। एक्टर ने उस इमेज को बदलने की पूरी कोशिश की। हालांकि फैंस अक्सर उन्हें अपने पुराने अंदाज में देखने की मांग करते हैं। लेकिन, हाल ही में एक इंटरव्यू में, मर्डर और जन्नत जैसी फिल्मों में गंभीर किरदार निभाने के लिए जाने जाने वाले इमरान हाशमी ने कहा कि किया कि उनका ऑन-स्क्रीन व्यक्तित्व उनकी लव लाइफ और शादी में बाधा बन गया। इमरान हाशमी ने खुलासा किया कि उनके ससुराल वाले उनकी गर्लफ्रेंड परवीन से उनकी शादी के लिए राजी नहीं थे।

इमरान हाशमी अपनी पर्सनल लाइफ को मीडिया की चकाचौंध से दूर रखना पसंद करते हैं। उन्होंने हाल ही में अपनी लव स्टोरी के बारे में खुल कर बात की। उन्होंने अपने पॉडकास्ट शो में रणवीर अल्लाहबादिया से बातचीत की। उन्होंने खुलासा किया कि उनकी पत्नी परवीन शाहनी के साथ उनका रिश्ता तब शुरू हुआ, जब उन्होंने अपनी पहली फिल्म की शूटिंग शुरू की। तब से वह उनके साथ हैं और उन्होंने तीन साल बाद शादी करने का फैसला किया।

उन्होंने कहा, मैंने परवीन को उसी दिन से डेट करना शुरू कर दिया था, जिस दिन मैंने अपनी फिल्म की शूटिंग

शुरू की थी। हमने तीन साल बाद 2006 में शादी कर ली। उनके परिवार के लिए मुझे समझना बहुत मुश्किल था, जिसने इस अजीबोगरीब इमेज बनाई थी। उन्हें आश्चर्य हुआ कि क्या वह हमारी बेटी के लिए सही है।

2006 तक इमरान की ऑन-स्क्रीन पर्सनालिटी और 'सीरियल किसर' टैग इंडस्ट्री के अंदर और बाहर व्यापक रूप से जाना जाने लगा था। नतीजतन, उनका परिवार जो शोबिज का हिस्सा नहीं था, उनके रिश्ते को लेकर संशय में था। हालांकि, एक्टर ने अपनी ऑन-स्क्रीन भूमिकाओं और ऑफ-स्क्रीन व्यक्तित्व के बीच अंतर समझाकर उन्हें समझाने की कोशिश की। उस समय को याद करते हुए उन्होंने कहा,कोई स्वीकृति नहीं थी, शुरुआत में विरोध हुआ, लेकिन जब मैंने थोड़ा मना लिया, तो परिवार को यह समझाने के लिए जाना पड़ा कि वह मैं नहीं हूं। बस मुझ पर भरोसा रखें कि वह मेरा किरदार है, तो वहा से चीजें थोड़ी आसान हो गई और मैंने उसका हाथ थाम लिया।

इमरान हाशमी का वर्क फ्रंट

इमरान हाशमी को आखिरी बार 2023 में टाइगर 3 में बड़े पर्दे पर देखा गया था। बाद में उन्होंने मौनी रॉय, महिमा मकवाना, राजीव खंडेलवाल और अन्य के साथ अपनी वेब सीरीज़ शोटाइम से लोगों का दिल जीत लिया। वह जल्द ही ग्राउंड ज़ीरो में एक बीएसएफ अधिकारी की भूमिका निभाते हुए नज़र आएंगे, जो 25 अप्रैल को रिलीज़ होने वाली है। इमरान की आने वाली फ़िल्मों में शूटआउट एट बायकुला और आवारापन 2 शामिल हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

कोई शुभ समाचार मिलेगा. मन में उत्साह बना रहेगा. आप अपने प्रियजनों को दूसरों के साथ थोड़ा और अधिक दोस्ताना देखते हैं. अपने प्रिय की ख़ामियों को ढूंढने में समय बर्बाद न करें. अविवाहित लोगों को विवाह या प्रेम प्रस्ताव मिल सकते हैं. परिवार में वैचारिक मतभेद खत्म हा सकते हैं. घर–परिवार या पड़ोस में कोई कठिन परिस्थिति बने तो सकारात्मक रहें. कुछ लोगों के लिए आकस्मिक यात्रा दौड़–भाग भरी और तनावपूर्ण रहेगी.

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

कार्यस्थल पर बहुत ऊर्जावान रहेंगे. आप अपने व्यवहार में अत्यधिक सफल होंगे और ग्राहकों के साथ स्थायी संबंध बनाएंगे. आप अपनी योग्यता को साबित करने के लिए बेहतर अवसरों का लाभ उठाएंगे. आपके सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. आप बच्चों से खुश रहेंगे और अपने जीवनसाथी के साथ संतोषप्रद जीवन का लाभ उठाएंगे. स्वास्थ्य के सन्दर्भ में आज आप चिड़चिड़े हो सकतें हैं. आराम करने के लिए पर्याप्त समय लें.

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

पैसों की स्थिति में सुधार हो सकता है. इनकम बढ़ाने के कुछ अच्छे मौके भी आपको मिल सकते हैं. जिनसे आप खुद भी हैरान हो सकते हैं. हाल ही में कुछ नए दोस्त मिल सकते हैं. आप अपनी पसंद या मनमर्जी के कामों के लिए उत्सुक होंगे. जिस स्थिति का सामना कर रहे हैं, उससे आपको फायदा ही होगा. जो खास बात है उसे गंभीरता से ही लें. आज अपनी सोच पॉजिटिव रखें और काम करने के तरीके में बदलाव करें. सब ठीक हो जाएंगा.

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

ऑफिस में आज काम का बोझ अधिक हो सकता है, लेकिन शाम तक पूरा काम आसानी से निपटा लेंगे.साथ ही काम पूरा करने में आपको किसी सहकर्मी की मदद भी मिल सकती है.आपके करियर में अचानक बदलाव आ सकता है, जिससे आपको धन लाभ का अवसर प्राप्त होगा.आज आपके कुछ नए दोस्त बन सकते हैं. वैवाहिक जीवन खुशहाल बना रहेगा.आज आपको कुछ चीज़ों का खास ध्यान रखना चाहिए और जोखिम भरे काम को करने से बचना चाहिए. बहते जल में तिल प्रवाहित करें, आर्थिक पक्ष मजबूत होगा.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

कारोबारी आज अपनी आंखें खुली रखें, उन्नति का कोई बढ़िया अवसर आपको मिल सकता है. स्वास्थ्य बेहतर बना रहेगा. घर में परेशानियाँ पैदा हो सकती हैं लेकिन अपने साथी को छोटी–छोटी बातों के लिए ताने देने से बचें. आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियाँ में जाएगा. सामान्य रूप से आज आपका दिन मिलाजुला रहेगा. परिवार के बड़े लोगों का आपको आज सहयोग मिलेगा. जीवनसाथी से किसी घरेलु समस्या

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपके लिए दिन सामान्य रहेगा. लेन–देन और निवेश के मामलों में नई प्लानिंग करेंगे. आपके आसपास चहल–पहल भी रहेगी. आपकी एकाग्रता चरम पर होगी और एक साथ कई काम भी संभालने पड़ सकते हैं. लोगों से मिलने या परिवार के साथ कहीं जाने का कार्यक्रम बन सकता है. काम और मेहनत दोनों ज्यादा रहेंगे, लेकिन आपको सफलता मिल सकती है.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आपको बहुत सारे लाभ मिल सकते हैं. किन्तु यदि आप आर्थिक लाभ हेतु आसान तरीकों की तलाश करते हैं तो आप केवल बुरे परिवर्तनों को आमंत्रित कर रहें हैं. व्यापारिक गतिविधियों से आपको अच्छा लाभ हो सकता है. वित्तीय मामलों में आपको सावधान रहना चाहिए । अगर आपकी प्लानिंग दोषपूर्ण है तो आपके बिज–नेस–पार्टनर के साथ रिश्ते कड़वे हो सकते हैं. अविवाहितों के जीवन में आज प्रेम का प्रवेश हो सकता है । रिश्तेदारों से सम्बन्ध सुदारने के लिए आज का दिन अनुकूल है ।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज कुछ लोग आपसे प्रभावित हो सकते हैं.आपकी ऊर्जा बढ़ी हुई रहेगी . उधार दिया हुआ पैसा आज आपको वापस मिल सकता है.धन लाभ के नए रास्ते खुले नज़र आ सकते हैं.आज का दिन खुद में बदलाव लाने वाला है.आपको जीवन में आगे बढ़ने के लिए नई योजनाएँ बनानी चाहिए.इससे आपको सफलता मिलेगी.जो लोग स्टेशनरी के बिजनेस से जुड़े हैं, उनको आज लाभ मिल सकता है.कामकाजी महिल–ाओं को कोई छोटा उद्योग शुरू करने में घर वालों का सहयोग प्राप्त हो सकता है.

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आरोग्य साधारण रहेगा. आने वाले खर्चों के प्रबंध को लेकर आपको मिल जुलकर आगे बढने का प्लान बनाना होगा. आज आप अपने जीवनसाथी के साथ सैर–सपाटे का मज़ा ले सकते हैं. साथ में समय गुज़ारने का यह बढ़िया मौक़ा है. आज अपने व्यापार में विस्तार करने के लिए उत्तम दिन है. अगर आप नौकरी करते हैं तो आज ट्रांसफर के योग आपकी राशि में दिखाई दे रहे हैं. आज आप गुस्से और चिढ़चिढ़ेपन से बचने की कोशिश करें वरना आपका ही नुकसान हो जाएगा.

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आरोग्य साधारण रहेगा. आने वाले खर्चों के प्रबंध को लेकर आपको मिल जुलकर आगे बढने का प्लान बनाना होगा. आज आप अपने जीवनसाथी के साथ सैर–सपाटे का मज़ा ले सकते हैं. साथ में समय गुज़ारने का यह बढ़िया मौक़ा है. आज अपने व्यापार में विस्तार करने के लिए उत्तम दिन है. अगर आप नौकरी करते हैं तो आज ट्रांसफर के योग आपकी राशि में दिखाई दे रहे हैं. आज आप गुस्से और चिढ़चिढ़ेपन से बचने की कोशिश करें वरना आपका ही नुकसान हो जाएगा.

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

वित्तीय मोर्चे पर आज अच्छा लाभ संभव है. आप इस चरण में कई गतिविधियों में शामिल होंगे. मार्केटिंग, मीडिया आदि से जुड़े लोगों को यात्रा करनी पड़ सकती है. नए संपर्कों से भी लाभ होगा जो भविष्य में फायदेमंद साबित होगा. व्यावस–ायिक व्यक्ति अपने प्रतिद्वंद्वियों को बहुत पीछे छोड़ देंगे. भूमि , वाहन आदि की बिक्री और खरीद के लिए एक सकारात्मक चरण है. आप सुखी वैवाहिक जीवन का आनंद लेंगे लेकिन आपके कुछ करीबी लोगों का स्वास्थ्य आपकी चिंता का कारण बन सकता है.

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज जीवनसाथी के साथ रिश्ते बेहतर होंगे.आर्थिक पक्ष आज पहले से मजबूत रहेगा.आज माता–पिता का सहयोग प्राप्त होगा.सोचे हुए काम पूरे हो सकते हैं. आपके मन में नए–नए विचार आ सकते हैं.जिनको आप अपने जीवन में उतारने में कामयाब रहेंगे.ऑफिस में सहयोगियों के साथ आपके रिश्ते मजबूत होंगे.बॉस आपके कामों की प्रशंसा करेंगे.जो लोग स्वास्थ्य के क्षेत्र से जुड़े हैं, उन्हें कार्यक्षेत्र में कोई अवॉर्ड मिल सकता है.दोस्तों के साथ मौज–मस्ती में आपका दिन बीत सकता है.–गणेश जी को दुर्वा चढ़ाएं, आर्थिक स्थिति बेहतर होगी.

आज का पंचांग

दिनांक : 13 अप्रैल 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : वैशाख ,कृष्ण पक्ष
तिथि : प्रतिपदा अहोरात्र
नक्षत्र : चित्रा रात्रि 09:11 तक
योग : हर्षण रात्रि 09:37 तक
करण : बालव रात्रि 07:11 तक
चन्द्रराशि : कन्या प्रातः 07:39 तक
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:31 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:32 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:25 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:22 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : अश्विनी में रवि मेष संक्रान्ति रात्रि 03:22 से , खालसा जयंती , खरमास समाप्त

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

रसोई गैस के बाद राजस्थान में पानी की दरें 4 गुना तक बढ़ी

जयपुर,12 अप्रैल (एजेंसियां)। राज्य सरकार ने पानी की कीमतों में चार गुना तक की बढ़ोतरी कर दी है। जलदाय विभाग ने जयपुर सहित अन्य शहरों और कस्बों में सप्लाई हो रहे पानी की टैरिफ में चार गुना बढ़ोतरी करने का प्रस्ताव भेजा जिसे मंजूरी दे दी गई। वर्तमान में 15 हजार से लेकर 40 हजार लीटर तक के घरेलू उपयोग के पानी की दर 4.84 रुपए प्रति हजार लीटर है जिसे बढ़ाकर अब 18 रुपए कर दिया गया है। अघरेलू श्रेणी के पानी की दर 15 हजार से लेकर 40 हजार लीटर तक 19.97 रुपए प्रति हजार लीटर है जिसे बढ़ाकर 73 रुपए कर दिया गया है।

राज्य सरकार ने पेयजल की दरें भले ही चार गुना बढा दी हो लेकिन बढ़ी हुई दरों का भार आमजन पर नहीं पड़ेगा। पानी की टैरिफ में बढ़ी हुई दरों को मंजूरी देने के साथ ही राज्य की भजनलाल सरकार ने जनता के हित में एक बड़ा फैसला भी लिया। सरकार बढ़ी हुई दर से पेयजल का बिल वसूल नहीं करेगी। यानी कि अब तक जिस दर से पानी का बिल आता था, उसी दर से आगामी दिनों में बिल भरना होगा। हालांकि बिल बढ़ी हुई दर के हिसाब से आएगा लेकिन उपभोक्ताओं को पुरानी दर से ही बिल भरना होगा। बढ़ी हुई दर की राशि का भुगतान राज्य सरकार स्वयं करेगी। इस संबंध में आदेश भी जारी कर दिए गए हैं। जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने बताया कि वर्ष 2017 के बाद से अब तक पानी की दरों में कभी बढ़ोतरी नहीं की गई। जबकि पिछले आठ साल में लागत चार से पांच गुना तक बढ गई है। चौधरी ने कहा कि दरें बढ़ाकर राज्य सरकार उपभोक्ताओं पर आर्थिक भार नहीं डालने जा रही है। यह दरें तो पेयजल प्रोजेक्ट और स्कीम का लोन लेने के लिए बढ़ाई गई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2015 में प्रचलित दरों में प्रतिवर्ष 10 प्रतिशत बढ़ाने का निर्णय किया गया था लेकिन वर्ष 2017 के बाद एक बार भी दरें नहीं बढ़ाई गई। बढ़ी हुई दर से प्राप्त होने वाला राजस्व रखरखाव और संधारण के खर्चों का बहुत कम हिस्सा ही है।

शिव मंदिर में खंडित की मूर्तियां, पुलिस की समझाइश करवाना हुआ मुश्किल!

जयपुर,12 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में एक बार फिर धार्मिक भावनाएं उद्वेलित करने की हरकत सामने आई है। किसी सिरफिरे ने शहर के लालकोठी सब्जी मंडी क्षेत्र में स्थित शिव मंदिर में मूर्तियां खंडित कर दी। मंदिर में अलग अलग स्थानों पर तोड़फोड़ भी की गई। दिन में जब श्रद्धालु पूजा अर्चना के लिए लिए मंदिर गए तो खंडित मूर्तियां देखकर भड़क गए। देखते ही देखते मौके पर श्रद्धालुओं की भीड़ जमा होने लगी। पुलिस को सूचना मिली तो अधिकारी तुरंत हरकत में आए और मौके पर पहुंच कर स्थिति को संभाला। डीसीपी ईस्ट तेजस्वनी गौतम ने बताया कि पुलिस ने लोगों से समझाइश करके शांत किया और मूर्तियां खंडित करने वाले बदमाश का शीघ्र पता लगाकर गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया।

मालवीय नगर एसीपी आदित्य पूनिया का कहना है कि लालकोठी सब्जी मंडी के पास कई बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठान हैं जहां सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। पुलिस टीम ने करीब 100 सीसीटीवी कैमरे खंगाले हैं। कुछ सीसीटीवी में संदिग्ध बदमाश की तस्वीरें कैद हुई है। पुलिस का दावा है कि फुटेज के आधार पर मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी को चिन्हित कर लिया गया है। उसे पकड़ने के लिए टीमें रवाना कर दी गई है। पुलिस ने मूर्तियां खंडित करने की हरकत करने वाले सिरफिरे को जल्द गिरफ्तार करने का दावा किया है।पुलिस की समझाइश के बाद मंदिर कमेटी के लोगों ने बड़ा दिल दिखाया।

राज्य विद्युत विनियामक आयोग में

बिजली कंपनियों ने प्रति यूनिट दर बढ़ाने का रखा प्रस्ताव

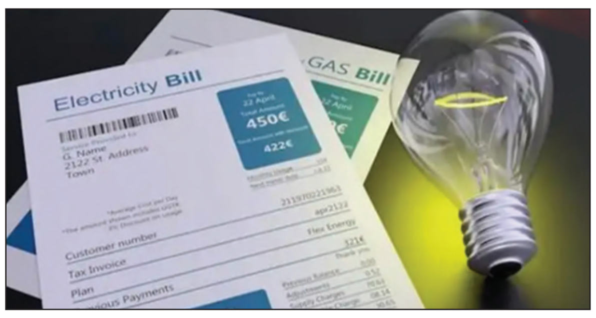

जयपुर,12 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रदेश में बिजली कंपनियां अब आमजन को बिजली का बिल बढ़कर तगड़ा झटका देने की तैयारी कर रही हैं। इसको लेकर प्रदेश की बिजली कंपनियों ने राज्य विद्युत विनियामक आयोग में याचिका दायर की हैं। इस दौरान बिजली कंपनियों ने अपने खर्चों और घाटों के हिसाब का तर्क देते हुए बिजली का बिल बढ़ाने की अनुमति मांगी है। इसमें अगर यह प्रस्ताव स्वीकार होता है, तो आने वाले दिनों में लोगों को बढे.हुए बिजली के बिल के कारण अपनी जेब ढीली करनी पड़ सकती हैं। हांलाकि आयोग ने इस पर आमजन से सुझाव और आपत्तियां मांगी हैं। इन पर सुनवाई के बाद ही बिल बढ़ोत्तरी पर निर्णय होगा।

बिजली कंपनियों ने अपने बढ़ते हुए खर्चों और घाटों का तर्क देकर विद्युत विनियामक आयोग में याचिका दायर की हैं। इसमें बिजली कंपनियों ने बिजली बिल में प्रति यूनिट दर बढ़ाने का प्रस्ताव रखा है। इसके अनुसार वर्तमान में 4.75 प्रति यूनिट की जगह अब उपभोग शुल्क 6 प्रति यूनिट करने का प्रस्ताव रखा है। जिससे सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं के बिजली बिल पर इसका असर देखने को मिलेगा। इसके अलावा एक रुपए प्रति यूनिट रेगुलेटरी सरचार्ज भी लगाया जाएगा। इससे बिजली कंपनियों को करीब 53 हजार करोड रुपए की राजस्व की प्राप्ति होगी।

नए प्रस्ताव के अनुसार दोपहर में बिजली सस्ती और सुबह–शाम होगी महंगी

नए प्रस्ताव के अनुसार बिजली कंपनियों का दावा है कि आमजन को सुबह और शाम में बढ़ी हुई बिजली दर का भुगतान करना होगा, लेकिन दोपहर में लोगों को सस्ती दर पर बिजली मिलेगी। इसके लिए बिजली कंपनियां सर्च चार्ज में छूट देगी। इस दौरान बिजली कंपनियां सुबह 6 से 8 बजे तक 5 प्रतिशत सरचार्ज वसूल करेगी, तो दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक 10 प्रतिशत सरचार्ज की छूट देगी। इसके अलावा शाम 6 से रात 10 बजे तक 10 प्रतिशत सरचार्ज वसूल करेगी।

जोगिंदर अवाना ने छोड़ा कांग्रेस का साथ, मिलाया जयंत चौधरी से हाथ

जयपुर,12 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान कांग्रेस को एक और झटका लगा है। चार साल पहले बसपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल होने वाले नेता जोगिंदर अवाना ने कांग्रेस का साथ छोड़ दिया है। अवाना अब राष्ट्रीय लोकदल में शामिल हो गए हैं। इस पार्टी के प्रमुख जयंत चौधरी हैं। वे राज्यसभा सांसद हैं और केंद्र सरकार में मंत्री भी हैं। पूर्व विधायक जोगिंदर अवाना ने शनिवार 12 अप्रैल को दिल्ली स्थित राष्ट्रीय लोकदल के कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पार्टी की सदस्यता ली। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी में उनकी पूरी आस्था है। उन्हीं के प्रति निष्ठा और श्रद्धा भाव रखते हुए वे आरएलडी में शामिल हुए हैं। उनके साथ कई समर्थकों ने भी आरएलडी की सदस्यता ली।

राजस्थान के भरतपुर में राष्ट्रीय लोकदल का प्रभाव है। वहां के लोग चौधरी चरण सिंह में आस्था के चलते उनके पुत्र जयंत चौधरी की पार्टी को समर्थन देते रहे हैं। भरतपुर सीट से आरएलडी के डॉ. सुभाष गर्ग लगातार दो बार विधायक बन चुके हैं। वर्तमान में भी डॉ. सुभाष गर्ग भरतपुर से विधायक हैं। भरतपुर जिले की नदबई सीट भी जाट बाहुल्य सीट है। साथ ही वहां गुर्जर मतदाता भी हैं। जोगिंद्र अवाना जाति से गुर्जर हैं। ऐसे में वे जाट वोट बैंक को देखते हुए आरएलडी में शामिल होकर सियासत का नया सफर शुरू करना चाहते हैं। यही वजह मानी जा रही है कि उन्होंने जयंत चौधरी की पार्टी का दामन थामा है।

वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में जोगिंदर सिंह अवाना भरतपुर जिले की नदबई विधानसभा सीट से विधायक रह चुके हैं। उन्होंने बसपा के टिकट पर चुनाव जीता था। विधायक बनने के कुछ महीनों बाद ही वे अन्य विधायकों के साथ कांग्रेस में शामिल हो गए। कांग्रेस में शामिल होने के बाद नवंबर 2023 में कांग्रेस पार्टी ने उन्हें नदबई से टिकट भी दिया लेकिन वे चुनाव जीत नहीं सके। यानी बसपा के टिकट पर चुनाव जीतने वाले जोगिंदर सिंह अवाना कांग्रेस के टिकट पर चुनाव नहीं जीत पाए।

सूटकेस में जिंदा लड़की, बॉयज हॉस्टल में गर्लफ्रेंड को लाने के लिए छोरे ने पार कर दी हद

चंडीगढ़,12 अप्रैल (एजेंसियां)। प्यार, शादी और धोखे के कई मामलों में हत्या के बाद सूटकेस में डेडबॉडी छिपाने के कई मामलों के बाद हरियाणा में एक अनूठा मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में एक छात्र सूटकेस में छिपाकर लड़की को हॉस्टल में लेकर जा रहा था, लेकिन सुरक्षकर्मियों ने सूटकेस की जांच के दौरान अंदर छिपी लड़की को पकड़ लिया। यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। दावा है कि यह वीडियो हरियाणा के सोनीपत में स्थित ओपी जिंदल यूनिवर्सिटी का है। इस वीडियो के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर रोचक कमेंट और मीम्स की बाढ़ आ गई है। ऐसा माना जा रहा है कि लड़का सूटकेस में छिपाकर अपनी प्रेमिका को बॉयज हॉस्टल में लेकर आ रहा था।

ओपी जिंदल यूनिवर्सिटी के बताए जा रहे इस वीडियो एक छात्र लड़की को सूटकेस में बंद करके लड़कों के छात्रावास में लाने की कोशिश करता है लेकिन सुरक्षाकर्मी उसके मंसबू पर पानी फेर देते हैं। वीडियो में सामने आया है कि हॉस्टल के गार्डों ने छात्र को रोका और सामान खोलते समय लड़की को पकड़ लिया। घटना का वीडियो में सूटकेस दिख रहा है। उसमें एक लड़की फंसी हुई है। एक सहपाठी ने इस क्षण को कैमरे में रिकार्ड कर लिया। यह स्पष्ट नहीं है कि छात्रावास के कर्मचारियों या विश्वविद्यालय प्रशासन को कैसे पता चला कि सूटकेस में कोई छिपा हुआ है? यूनिवर्सिटी की तरफ से वायरल हो रहे वीडियो पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

बंडारू ने रमैया के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया

चंडीगढ़,12 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने पर्यावरणविद् पद्मश्री वनजीवी दारपल्ली रमैया के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। दत्तात्रेय ने कहा कि एक करोड़ से अधिक पौधे लगाने वाले और दुनिया को हरियाली के महत्व को बढ़ावा देने वाले वन्यजीव उत्साही रामय्या गारू का निधन हरियाली और पर्यावरण संरक्षण के लिए एक बड़ी क्षति है। उन्होंने कहा कि रामय्या एक महान पर्यावरणविद् थे, जो गरीब होने के बावजूद पौधों की खेती के लिए वन्यजीव प्रेमी बन गए और अपनी सारी संपत्ति समाज सेवा के लिए खर्च कर दी। उनकी मृत्यु पर्यावरण संरक्षणवादियों के लिए बहुत बड़ी क्षति है। श्री दत्तात्रेय ने कहा कि श्री दरपल्ली रामैया का जीवन हम सभी के लिए एक आदर्श है। पद्मश्री वनजीवी दरपल्ली रामैया के निधन पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए श्री बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि वह ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें तथा उनके परिजनों को इस कठिन समय में साहस प्रदान करें।

50 वर्षों में पहली बार

बैसाखी के लिए पाकिस्तान पहुंचे 6,700 भारतीय सिख तीर्थयात्री

चंडीगढ़,12 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत से 6,700 से अधिक सिख तीर्थयात्री बैसाखी उत्सव के लिए पाकिस्तान पहुंचें हैं। पाकिस्तान सरकार ने 50 वर्षों में पहली बार इतने अधिक भारतीय सिख तीर्थयात्रियों को वीजा जारी किया। ये लोग बैसाखी के त्योहार में शामिल होने और खालसा सजना दिवस मनाने गए हैं। खालसा सजना दिवस, खालसा पंथ की स्थापना का दिन है, जो 14 अप्रैल को होता है। तीर्थयात्रियों को गुरुद्वारा जन्मस्थान, ननकाना साहिब में आयोजित समारोह में भाग लेने का अवसर मिलेगा। पाकिस्तान सरकार का कहना है कि 50 सालों में पहली बार इतने ज़्यादा भारतीय सिख तीर्थयात्रियों को वीजा दिया गया है। आमतौर पर जितने लोग जाते हैं, ये संख्या उससे दोगुनी से भी ज्यादा है। बैसाखी सिखों का नया साल है। इसी दिन 1699 में गुरु गोबिंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना की थी।

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी का कहना है कि कई सालों में ये पहली बार है कि किसी त्योहार पर इतने ज़्यादा तीर्थयात्री जा रहे हैं। इन तीर्थयात्रियों में पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और 11 अन्य राज्यों के लोग शामिल हैं। एसजीपीसी और अन्य सिख संगठन 1972 के शिमला समझौते के तहत साल में चार बार तीर्थयात्रियों को पाकिस्तान भेजते हैं। गुरु नानक देव जी का जन्मदिवस (15 नवंबर), बैसाखी, गुरु अर्जुन देव जी का शहीदी दिवस (16 जून) और महाराजा रणजीत सिंह जी की पुण्यतिथि (27 जून) इन मौकों पर सिख तीर्थयात्री पाकिस्तानी जाते हैं।

पाकिस्तान–भारत धार्मिक प्रोटोकॉल समझौता 1974 के अनुसार, किसी भी धार्मिक त्योहार के लिए 3,000 सिख तीर्थयात्रियों को पाकिस्तान जाने की अनुमति है। लेकिन, पाकिस्तान ने धार्मिक मामलों के मंत्रालय और इवेक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड के विशेष अनुरोध पर 3,751 अतिरिक्त वीज़ा जारी किए। एसजीपीसी के सचिव प्रताप सिंह ने बताया कि तीर्थयात्रियों में 1,942 लोग एसजीपीसी द्वारा समन्वित एक समूह से हैं। डत्रझउ ने दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग को 1,942 पासपोर्ट जमा किए थे, जिन्होंने अब आवश्यक वीजा जारी कर दिए हैं। लंबे समय के बाद, सभी वीज़ा अनुरोध स्वीकार किए गए हैं।

पंजाब अल्पसंख्यक मंत्री अरोड़ा ने कहा कि इतिहास में पहली बार पाकिस्तान सरकार ने सिख तीर्थयात्रियों से प्राप्त सभी आवेदनों के लिए वीज़ा जारी किए हैं। डत्रझउ के अध्यक्ष हर्रि–जदर सिंह धामी ने दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग के चीफ कमिश्नर साद वाराइच को पत्र लिखकर सिख तीर्थयात्रियों को उदारतापूर्वक वीज़ा देने के लिए आभार व्यक्त किया। धामी ने कहा कि ऐसा निर्णय न केवल धार्मिक भावनाओं का सम्मान करता है बल्कि भारत और पाकिस्तान के बीच सांस्कृतिक और सांप्रदायिक संबंधों को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है।

चिराग बोले– जंगलराज का भी क्राइम बुलेटिन जारी करें तेजस्वी यादव

1990 में जो बिहार से गए, वह नहीं लौटे

हाजीपुर (एजेंसियां)।

हाजीपुर के कुतुबपुर में पत्रकारों से बातचीत करने के दौरान केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने लालू परिवार पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि बिहार में जब जंगल राज था, 1990 में जो लोग बिहार छोड़कर दूसरे देश में गए, वे वापस लौटकर नहीं आए। तेजस्वी यादव जो क्राइम का बुलेटिन जारी कर रहे हैं, उन्हें 1990 का भी बुलेटिन जारी करना चाहिए। उस समय हत्या, रेप सहित हर दिन अपराधी घटनाओं को अंजाम दिया जाता था।

दरअसल, हाजीपुर के कुतुबपुर में स्थानीय लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग आज पूरी हो गई। शुक्रवार को केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने यहां मिनी पोस्ट ऑफिस का उद्घाटन करने पहुंचे थे। चिराग पासवान ने इस अवसर पर डाक विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी लोगों को दी।

कहा कि अब गांव में ही मिनी डाकघर खुल जाने से लोगों को सुविधा होगी। नए मिनी डाकघर के खुलने से अब स्थानीय लोगों को डाक सेवाओं का लाभ अपने क्षेत्र में ही मिल सकेगा। इससे उन्हें दूर के डाकघरों तक जाने की परेशानी से मुक्ति मिलेगी।

इस दौरान हाजीपुर सांसद और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि जब मेरे पिता रामविलास पासवान हाजीपुर का प्रतिनिधित्व कर रहे थे, उस समय जो भी केंद्र में योजनाएं चलाई जा रही थीं, सभी योजनाओं को हाजीपुर में लाया जाता था। ठीक उसी तरीके से आप लोगों ने हमें मौका दिया है, तो आने वाले अपने कार्यकाल के पांच साल तक सभी योजनाओं को हाजीपुर में लाने का काम करूंगा।

इस दौरान डाक विभाग के सभी अधिकारी मौजूद थे। चिराग पासवान की आने की सूचना पर भारी संख्या में कार्यकर्ता कार्यक्रम स्थल पहुंचे, जहां चिराग पासवान को फूल माला और अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

विवाहिता की संदिग्ध मौत से मचा हड़कंप, ससुराल वाले घर छोड़कर फरार

पटना (एजेंसियां)।

रोहतास जिले के नटवार थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर गांव में शुक्रवार रात एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।

मृतका की पहचान रवि कुमार की पत्नी शोभा कुमारी के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया गया। घटना के बाद से मृतका के ससुराल वाले घर छोड़कर फरार हैं, जिससे मामला और भी संदेहास्पद हो गया है।

मृतका शोभा कुमारी के मायके वालों ने बताया कि लगभग एक वर्ष पूर्व ही उनकी बेटी की शादी रघुनाथपुर टोला निवासी रवि कुमार के साथ हुई थी। शुक्रवार की रात ससुराल से फोन कर यह सूचना दी गई कि शोभा की तबीयत अचानक बहुत ज्यादा बिगड़ गई है। जब मायके वाले घबराते हुए वहां पहुंचे, तो देखा कि शोभा की मृत्यु हो चुकी है और उसका शव घर में पड़ा हुआ है। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि घर में ससुराल पक्ष का कोई भी सदस्य मौजूद नहीं था, सभी लोग फरार थे।

शोभा के परिजनों ने दावा किया है कि शव को देखने पर उसके गले पर साफ निशान दिख रहे थे, जिससे यह स्पष्ट होता है कि उसकी मौत सामान्य नहीं बल्कि जानबूझकर की गई हो सकती है। परिजनों ने इसे साजिशन हत्या बताते हुए पुलिस से जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि ससुराल वालों की अचानक फरारी और शोभा के शरीर पर चोट के निशान हत्या की ओर इशारा करते हैं।

घटना की सूचना मिलते ही नटवार थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। नटवार थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि मायके वालों की शिकायत पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

जमीन विवाद में खूनी संघर्ष : 80 साल की महिला को भतीजे ने मारी गोली

सहरसा (एजेंसियां)।

सहरसा जिले के सौरबाजार थाना क्षेत्र स्थित सुहथ गांव में पारिवारिक जमीन विवाद ने शनिवार को हिंसक रूप ले लिया। विवाद इतना बढ़ गया कि एक युवक ने अपनी ही 80 वर्षीय चाची को गोली मार दी। गोली महिला की कमर में लगी है, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजनों ने उन्हें पहले सौरबाजार पीएचसी पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए सहरसा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।

जानकारी के मुताबिक, घटना सुहथ गांव वार्ड-9 की है। घायल महिला की पहचान लाना देवी के रूप में हुई है, जो अपने नाती और नातिन के साथ रह रही थीं, क्योंकि उनकी एकमात्र पुत्री की पहले ही मृत्यु हो चुकी थी। वह अपने हिस्से की जमीन पर रह रही थीं, जिसे लेकर लंबे समय से उनके देवर के बेटों के साथ विवाद चल रहा था। शनिवार को जब विवाद ने उग्र रूप लिया, तब उनके भतीजे ने उन्हें गोली मार दी। इस दौरान महिला के देवर के अन्य चार पुत्रों की संलिप्तता भी बताई जा रही है।

गोलीबारी की घटना के बाद आरोपी युवक मौके से फरार हो गया। गांव में इस वारदात के बाद अफरा-तफरी मच गई और दहशत का माहौल छा गया। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। परिजनों का कहना है कि महिला अपने हिस्से की जमीन पर शांतिपूर्वक रह रही थी, लेकिन कुछ रिश्तेदार जबरन उस जमीन पर कब्जा करना चाहते थे, इसी को लेकर यह टकराव हुआ। सदर एसडीपीओ आलोक कुमार ने जानकारी देते हुए कहा कि मामला पारिवारिक जमीन विवाद का है, जिसमें एक बुजुर्ग महिला को गोली लगी है। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापामारी की जा रही है। फिलहाल गांव में पुलिस की गश्ती बढ़ा दी गई है ताकि कोई और अप्रिय घटना न हो।

घटना के बाद गांव के लोगों में भारी नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि जिस प्रकार से दिन-दहाड़े एक बुजुर्ग महिला को गोली मार दी गई, वह दर्शाता है कि अपराधियों में कानून का भय नहीं है। लोगों ने प्रशासन से आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की है।

हनुमान जयंती पर पटना के महावीर मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

पटना (एजेंसियां)।

आज हनुमान जयंती है। बिहार समेत पूरे देश के हनुमान मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी है। पटना के महावीर मंदिर में भगवान हनुमान की जयंती को लेकर खास तैयारी की गई है। एक दिन पहले ही पूरे मंदिर परिसर को सजा दिया गया था।

शनिवार को अहले सुबह महावीर मंदिर के गर्भ गृह का पट खुलते ही 'जय सियाराम', 'रामलला की जय' और 'जय हनुमान' की जयघोष से पूरा परिसर गूंज उठा। अवसर पर जिले के सभी प्रमुख हनुमान मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर भगवान हनुमान के दर्शन किए।

पटना में रेलवे स्टेशन के पास स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर परिसर के अंदर भीड़ न हो, इसलिए मंदिर के बाहर नैवेद्यम लड्डू के काउंटरों संख्या बढ़ा दी गई।

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर परिसर और आस-पास के इलाके में 200 से अधिक स्वयंसेवकों की तैनाती की गई है। इसके साथ ही स्थानीय पुलिस बल और सुरक्षा कर्मियों की संख्या भी बढ़ा दी गई है। पूरे इलाके में सीसीटीवी कैमरों के जरिए निगरानी की जाएगी ताकि सुरक्षा में कोई चूक न हो।

धार्मिक कथा के अनुसार, हनुमान जी भगवान शिव के 11वें रुद्र अवतार हैं। जब भगवान श्रीराम के रूप में विष्णु ने अवतार लिया, तो शिव जी ने उनकी मदद के लिए हनुमान जी का जन्म लिया।

माता अंजना और राजा केसरी की तपस्या से प्रसन्न होकर शिव जी ने उन्हें एक ऐसा पुत्र मांगा, जो बल में रुद्र, गति में वायु और बुद्धि में गणपति जैसा हो। शिव जी ने अपनी रौद्र शक्ति पवन देव के रूप में अर्पित की, जो बाद में अंजना के गर्भ में प्रविष्ट हुई, और हनुमान जी का जन्म हुआ।

मासूम की मौत ने तोड़ा मां का कलेजा, मंदिर में भगवान की चौखट पर फोड़ा सिर

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर के जूरन छपरा स्थित एक प्रतिष्ठित मातृ शिशु अस्पताल में शुक्रवार को चार वर्षीय मासूम बच्चे की इलाज के दौरान मौत हो गई। बच्चे की मौत की खबर मिलते ही मां का कलेजा फट पड़ा और वह सदमे में ऐसी टूट गई कि मृत बच्चे को गोद में उठाकर भगवान की चौखट पर जा पहुंची। मंदिर की सीढ़ियों पर बैठकर उसने सिर दीवार पर दे मारा, जिससे वह गंभीर रूप से चोटिल हो गई। यह हृदयविदारक दृश्य देख मौके पर मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं।

जानकारी के मुताबिक, मृत बच्चे की पहचान सीतामढ़ी जिले के रूनी सैदपुर थाना क्षेत्र के अथरी गांव निवासी शंभू कुमार के पुत्र कार्तिक कुमार के रूप में हुई है। वह बीते कुछ दिनों से तेज बुखार से पीड़ित था। शुक्रवार को जब उसकी हालत बिगड़ने लगी तो परिजनों ने उसे आनन-फानन में मुजफ्फरपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसे तुरंत आईसीयू में ले जाया गया। लेकिन चिकित्सकों की तमाम कोशिशों के बावजूद देर शाम उसकी मौत हो गई।

बेटे की मौत की खबर सुनते ही मां का सब्र टूट गया। वह रोते-बिलखते अपने मासूम बेटे के शव को गोद में उठाए अस्पताल से बाहर निकली और सड़क किनारे बने एक मंदिर में पहुंच गई। वहां उसने भगवान से बच्चे को वापस जीवन देने की मिन्नत की और फिर खुद को काबू न रख सकी। उसने सिर मंदिर की दीवार से जोर से टकरा लिया, जिससे वह घायल हो गई। आस-पास के लोगों ने दौड़कर उसे रोका और प्राथमिक उपचार कर मरहम पट्टी की। इस दर्दनाक दृश्य को देखकर हर कोई स्तब्ध रह गया।

इस मामले को लेकर अस्पताल प्रशासन की ओर से सफाई दी गई है। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि बच्चा जब यहां लाया गया था, तब उसकी हालत काफी गंभीर थी और उसे तत्काल आईसीयू में भर्ती किया गया। इलाज के दौरान उसकी स्थिति और भी बिगड़ती गई और अंततः उसकी मौत हो गई। अस्पताल ने यह भी कहा कि उसे बचाने की हर संभव कोशिश की गई, लेकिन वह पहले से ही अत्यधिक बीमार था।

यह घटना ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र की है और मामले की जानकारी पुलिस को भी दी गई है। हालांकि अभी तक परिजनों की ओर से कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है, लेकिन महिला के आक्रोश और स्थानीय लोगों की भावनाओं को देखते हुए यह मामला चर्चा का विषय बन गया है। कुछ लोगों ने अस्पताल पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की है।

बहन को बचाने गए भाई की निर्मम हत्या, जीजा के बड़े भाई ने चाकू घोंपकर मार डाला

पूर्णिया (एजेंसियां)।

पूर्णिया में बहन को बचाने गए बड़े भाई को जीजा के चचेरे भाई ने चाकू घोंपकर कर मार डाला। हत्या के बाद परिजनों में मातम पसरा है। युवक की मौत पूर्णिया जीएमसीएच में इलाज के दौरान हुई है। घटना अररिया जिले के महलगांव थाना क्षेत्र के बाघनगर गांव में हुई है। जहां एक भाई की हत्या उसके जीजा के चाचा और उनके बेटे ने चाकू घोंपकर कर दी। मृतक की पहचान महलगांव थाना क्षेत्र के जमरा गांव निवासी मोहमद इशाद के पुत्र हाफिज कुदरत तुल्ला (35 वर्ष) के रूप में हुई है।

घटना के संबंध में मो. अताउल्ला ने बताया कि हाफिज कुदरत तुल्ला की बहन की शादी निजाम के पुत्र तहसीन उमर से हुई थी। शादी के बाद से ही तहसीन उमर बेंगलुरु में काम करता है। उसकी पत्नी घर में अकेली रहती है। आरोप है कि तहसीन उमर के चचेरे भाई लगातार उनकी पत्नी के साथ मारपीट और लड़ाई करता रहता है। शुक्रवार को बहन के साथ मारपीट की खबर सुनकर हाफिज कुदरत तुल्ला और उनके छोटे भाई अताउल्ला बचाने के लिए गया था। पंचायत में इस मुद्दे पर चर्चा हो रही थी, तभी तहसीन उमर के चाचा और उनके बेटे ने चाकू से हमला कर दिया, जिससे हाफिज कुदरत तुल्ला गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्हें इलाज के लिए जलालगढ़ अस्पताल ले जाया गया। यहां से उन्हें पूर्णिया जीएमसीएच रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान हाफिज कुदरत तुल्ला की मौत हो गई।

मृतक के परिजनों में मातम पसरा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वह न्याय की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि पुलिस इस मामले को गंभीरता से ले और आरोपियों की गिरफ्तारी करे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है। परिजनों ने महलगांव थाने में इसकी सूचना दे दी है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कह रही है।

रेलवे ट्रैक के पास मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

मधेपुरा (एजेंसियां)।

मधेपुरा जिले के मुरलीगंज रेलवे स्टेशन से पूरब शनिवार की सुबह रेलवे ट्रैक किनारे एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव देखे जाने की सूचना स्थानीय लोगों ने तुरंत मुरलीगंज थाना पुलिस को दी। सूचना पर मुरलीगंज थाना की पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने मृतक की पहचान पूर्णिया जिले के बरहरा कोठी थाना क्षेत्र अंतर्गत रंजीत कुमार के पुत्र संजीत कुमार (25) के रूप में की है। युवक के सिर और चेहरे पर गंभीर जख्म के निशान मिले। लोगों ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि हत्या कर शव को यहां लाकर फेंक दिया। , जिससे मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है।

पुलिस ने घटनास्थल से एक मोबाइल फोन बरामद किया है, जिसे जांच के लिए अपने कब्जे में ले लिया गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार सुबह टहलने निकले कुछ लोगों ने रेलवे ट्रैक के किनारे शव पड़ा देखा। पहले किसी ने अधिक ध्यान नहीं दिया, लेकिन पास जाकर देखा तो स्थिति संदिग्ध नजर आई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। घटनास्थल पर शव मिलने की खबर से आसपास के ग्रामीणों और राहगीरों की भारी भीड़ जुट गई। लोग घटना को लेकर कई तरह की आशंकाएं जता रहे हैं। फिलहाल युवक की मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस मृतक के परिजनों के पहुंचने का इंतजार कर रही है, ताकि विस्तृत जानकारी मिल सके। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुरलीगंज थाना के एएसआई जलधर यादव ने मौके पर पहुंच कर स्थिति का जायजा लिया। वहीं मुरलीगंज थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया जारी है। जीआरपी के साथ समन्वय कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने के बाद ही युवक की मौत के कारणों का स्पष्ट रूप से पता चल सकेगा। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच में जुटी है।

पर्यवेक्षण गृह में बाल बंदी की संदिग्ध मौत, भागने की कोशिश भी की थी

दरभंगा (एजेंसियां)।

दरभंगा के पर्यवेक्षण गृह में बाल बंदी की संदिग्ध मौत हो गई। मृतक की पहचान समस्तीपुर जिला के रोसरा थाना क्षेत्र के टेहटा गांव निवासी अमरजीत यादव (16) के रूप में हुई। हालांकि, मौत कैसे हुई यह कोई बताने को तैयार नहीं। मौत का खुलासा तब हुआ जब पर्यवेक्षण गृह के कर्मियों ने शुक्रवार रात इसे डीएमसीएच में इलाज में लिए लाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हालांकि, इस दौरान मृतक चेहरे और शरीर पर गहरे जख्म और चोट के निशान दिख रहे थे। हालांकि, मौके पर मजिस्ट्रेट के सामने पूछताछ लहेरियासराय थानेदार दीपक कुमार द्वारा करने पर प्रथम दृष्ट्या मारपीट की बात सामने आ रही है। इसका जांच के बाद ही खुलासा हो पाएगा।

सूत्र बता रहे हैं पर्यवेक्षण गृह उक्त बाल बंदी शुक्रवार सुबह फरार हो गया था। लेकिन, बाद में उसे पकड़ लिया गया। कुछ देर बाद उसने अपने पेट मे दर्द होने की शिकायत की। प्राथमिक उपचार के बाद उसे दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती करवाने की सलाह दी गई। पर्यवेक्षण गृह के कर्मी उक्त बाल बंदी को अस्पताल ले जा रहे थे लेकिन रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। इसके बाद डीएमसीएच में उसे मृत घोषित कर दिया गया।

इधर, पर्यवेक्षण गृह के कर्मी रामबली कुमार ने बताया कि गुरुवार की रात करीब 11 बजे अमरजीत के पेट में दर्द हुआ था। इस कारण उसे इलाज के लिए डीएमसीएच में भर्ती कराया गया था। वहां चिकित्सकों ने उसका इलाज किया। इलाज के बाद उसे वापस पर्यवेक्षण गृह भेज दिया गया। शुक्रवार की दोपहर उसकी हालत बिगड़ने लगी। इसे देखते हुए उसे दोबारा इलाज के लिए डीएमएच ले जाया जा रहा था लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। सूत्रों का कहना है कि अमरजीत ने गुरुवार की रात पर्यवेक्षण गृह से भागने का प्रयास किया था। सुरक्षा कर्मियों ने उसे खदेड़कर पकड़ लिया था। कहा जा रहा है कि सुरक्षाकमियों ने उसके साथ मारपीट की थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com